शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 29 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-178

पिछड़े वर्गों की अनदेखी के कारण कांग्रेस ने सत्ता खोई: भूपेंद्र यादव @ नम्मा बेंगलूरु

संविधान की प्रस्तावना में बदलाव पर बरसे उपराष्ट्रपति धनखड़, कहा

प्रस्तावना पवित्र, आपातकाल के दौरान जोड़े गए शब्द 'नासूर' हैं

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात का संकेत है।

उन्होंने कहा कि 1976 में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा, यह हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के अलावा और कुछ नहीं है। यह सनातन की भावना का अपमान है।

धनखड़ ने प्रस्तावना को एक बीज बताया जिस पर संविधान विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया।धनखड़ ने कहा, इस प्रस्तावना में 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम के जरिये बदलाव किया गया था। संशोधन के माध्यम से इसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े गए थे।

उन्होंने कहा कि यह न्याय का उपहास है कि जिस चीज को बदला नहीं जा सकता, उसे आसान ढंग से, हास्यास्पद तरीके से और बिना किसी औचित्य के बदल दिया गया और वह भी आपातकाल के दौरान जब कई विपक्षी नेता जेल में थे।

धनखड़ ने आगाह करते हुए कहा, और इस प्रक्रिया में, यदि आप गहराई से सोचें, तो पाएंगे कि हम अस्तित्वगत चुनौतियों को पंख दे रहे हैं। इन शब्दों को 'नासूर' (घाव) की तरह जोड़ दिया गया है। ये शब्द उथल-पुथल पैदा करेंगे।उन्होंने कहा कि हमें इस पर विचार करना चाहिए।उपराष्ट्रपति ने कहा कि बी. आर. आंबेडकर ने संविधान पर कड़ी मेहनत की थी और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

धनखड़ ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बृहस्पतिवार को संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान किया था। आरएसएस ने कहा था कि इन शब्दों को आपातकाल के दौरान शामिल किया गया था और ये कभी भी आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के इस आह्वान की आलोचना की है कि इस मुद्दे पर राष्ट्रीय ▶10पर

हिमंत बिस्व सरमा ने की संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को हटाने की मांग

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को द इमरजेंसी डायरीज नामक पुस्तक का विमोचन किया। सरमा ने कहा कि आपातकाल की विरासत को हटाने का यह सही समय है, जिसमें संविधान में जोड़े गए धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये शब्द मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे और इन्हें हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता सर्व धर्म समभाव के भारतीय विचार के खिलाफ है और समाजवाद कभी भी भारत की मूल आर्थिक दृष्टि का हिस्सा नहीं था। पत्रकारों से बात करते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि आज हमने ▶10पर

जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह में मोदी बोले

भारत के विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि हजारों वर्षों से अमर है

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता बताते हुए कहा है कि यह देश हजारों वर्षों से अमर है क्योंकि इसके विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि शाश्वत हैं।

श्री मोदी ने शनिवार को यहां जाने-माने जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमारा भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। और इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि, मुनि, महर्षि, संत और आचार्य! आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज भारत की इसी पुरातन परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तम्भ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्र अपनी आध्यात्मिक परंपरा में एक महत्वपूर्ण अवसर देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन एक अन्य कारण से भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि 28 जून 1987 को श्री विद्यानंद मुनिराज को औपचारिक रूप से 'आचार्य' की उपाधि प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि यह महज एक उपाधि नहीं बल्कि एक पवित्र धारा की शुरुआत थी जिसने जैन परंपरा को विचार, अनुशासन और करुणा से जोड़ा है। श्री मोदी ने आचार्य को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह शताब्दी समारोह कोई साधारण आयोजन नहीं है, यह एक युग और एक महान तपस्वी के जीवन की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर

को मनाने के लिए विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उन्हें 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की गई है और वह इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर मां भारती के चरणों में समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा , मैं विशेष रूप से आचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी का अभिनंदन करता हूँ, उन्हें प्रणाम करता हूँ। आपके मार्गदर्शन में आज करोड़ों अनुयायी पूज्य गुरुदेव के बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। आज इस अवसर पर आपने मुझे 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है, मैं खुद को इसके योग्य नहीं समझता, लेकिन हमारा संस्कार है कि हमें संतों से जो कुछ मिलता है, उसे प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता हैं। और इसीलिए, मैं आपके इस प्रसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ, और माँ भारती के चरणों में समर्पित करता हूँ। ▶10पर

पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा,इस समय सिर्फ़ हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं। मेरी आवाज़ में सभी भारतीयों का उत्साह और उमंग है। मैं आपको अंतरिक्ष में हमारा झंडा फहराने के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। क्या वहां सब ठीक है? क्या आप ठीक हैं?। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कहते हैं,..थोड़ी देर पहले, जब मैं खिड़की से बाहर देख रहा था, तो हम हवाई के ऊपर उड़ रहे थे। हम कक्षा से दिन में 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं...हमारा देश बहुत तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है । ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि आपकी शुभकामनाओं और 140 करोड़ ▶10पर

डॉ. अंबेडकर की विचारधारा के खिलाफ थी धारा-370 सीजेआई गवई बोले-

एक देश-एक संविधान जरूरी

नागपुर, 28 जून (एजेंसियां)।

देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का ख्वाब था कि देश के लिए एक ही संविधान हो, जिससे भारत एकजुट बना रहे, उन्होंने कभी भी किसी राज्य के लिए अलग संविधान की हिमायत नहीं की। नागपुर में संविधान की प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए बीआर गवई ने यह बात कही। इस दौरान उन्होंने धारा 370 से जुड़े फैसले का भी जिक्र किया।

चीफ जस्टिस ने कहा,'जब धारा-370 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी तब बेंच ने अंबेडकर के विचारों से ही प्रेरणा ली थी और एकमत से केंद्र सरकार के जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा ▶10पर

बिहार नगरपालिका चुनाव में मोबाइल से वोटिंग

देश में पहली बार आजमाया जा रहा यह तरीका

पटना, 28 जून (एजेंसियां)।

बिहार देश का ऐसा पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां मोबाइल के ज़रिए ऑनलाइन वोटिंग होगी। यह ई-वोटिंग 28 जून को बिहार के नगरपालिका चुनाव से शुरू होगी।

इस प्रणाली के लिए 51,155 मतदाताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें 26,038 पुरुष और 25,117 महिला मतदाता शामिल हैं। पटना, पूर्वी चंपारण, रोहतास, गया, बक्सर, बांका, सारण और सिवान की नगरपालिकाओं में होने वाले इन चुनावों में सबसे ज़्यादा रजिस्ट्रेशन बक्सर से हुआ है। इस ई-वोटिंग का प्रयोग बिहार राज्य निर्वाचन आयोग कर रहा है। आयोग स्थानीय निकायों यानी नगर निकाय चुनाव कराने के लिए ज़िम्मेदार होता है।

आसान शब्दों में, जब कोई मतदाता मोबाइल के ज़रिए कहीं से भी वोटिंग प्रक्रिया में हिस्सा ले, तो उसे ई-वोटिंग कहते हैं।

बिहार राज्य के निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने बीबीसी को बताया, देश में पहली बार बिहार राज्य में ऐसा होने जा रहा है। दुनिया के कुछ ही देशों में ऐसा होता है, जिनमें एस्टोनिया एक उदाहरण है। हमने 10 जून से 22 जून तक एक विशेष अभियान चलाया था। रिटर्निंग ऑफ़िसर की टीमों ने लोगों को ई-वोटिंग के लिए जागरूक किया। हेल्प डेस्क, रैली और पोस्टरों के ज़रिए प्रचार किया गया। इसके नतीजे उत्साहजनक हैं।

इन चुनावों में मुख्य पार्षद, उप मुख्य पार्षद और वार्ड पार्षद के लिए कुल 570 उम्मीदवार मैदान में हैं। यह सुविधा उन मतदाताओं के लिए है जो वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, गंभीर बीमारी से पीड़ित, गर्भवती महिला या प्रवासी मज़दूर हैं। पारंपरिक वोटिंग सुबह 7 से शाम 5 बजे तक चलेगी, ▶10पर

मोड़ पर फँसा बलभद्र का रथ

भगदड़ मचने से 500 श्रद्धालु घायल 8 की हालत गंभीर

पुरी, 28 जून (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की शुक्रवार को रथयात्रा थी। रथ यात्रा के दौरान बहुत भीड़ जमा हो गई। भीड़ ज़्यादा होने से 500 से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

भगवान बलभद्र का रथ खींचते समय बहुत लोग एक साथ एक ही जगह जमा हो गए। रथ रास्ते में एक मोड़ पर अटक गया था, जिससे लोग वहीं इकट्ठा होते गए।

इससे भीड़ और बढ़ गई।सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि लोग उन जगहों पर भी चले गए जहाँ जाने की मनाही थी। इससे रास्ते में रुकावट आ गई। भीषण गर्मी और ज़्यादा भीड़ के कारण कई श्रद्धालुओं की तबियत बिगड़ने लगी। उन्हें तुरंत पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। लगभग 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ओड़ीशा के मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि ज़्यादा नमी के कारण लोग बेहोश हुए।

पराग जैन को रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया, रवि सिन्हा की जगह लेंगे

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

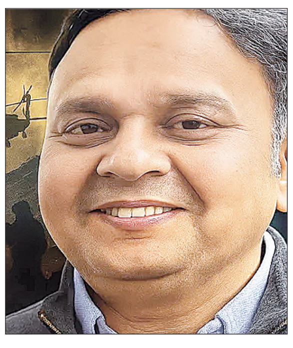

भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) को 1 जुलाई 2025 से एक नया 'सुपर जासूस' मिलने जा रहा है। मोदी सरकार ने शनिवार (28 जून 2025) को पंजाब कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को आरएडब्ल्यू का नया प्रमुख नियुक्त किया। वे मौजूदा प्रमुख रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है। पराग जैन का नाम खुफिया हलकों में 'सुपर जासूस' के तौर पर गूँजता है। चाहे वह 'ऑपरेशन सिंदूर' में आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करना हो, जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर पर खुफिया नेटवर्क बनाना हो या फिर कनाडा और श्रीलंका में भारत-विरोधी साजिशों को नाकाम करना हो। आईपीएस पराग जैन ने हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। वो हमेशा पर्दे के पीछे रहकर भारत की सुरक्षा की ढाल बने रहे हैं। आज जब भारत को पाकिस्तान, चीन, खालिस्तानी नेटवर्क और साइबर हमलों जैसे कई बाहरी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। तब पराग जैन की नियुक्ति एक मजबूत संदेश देती है - भारत अब अपनी खुफिया रणनीति को और सशक्त करने जा रहा है।

पराग जैन कोई साधारण पुलिस अधिकारी नहीं हैं। 1989 बैच के पंजाब कैडर के इस आईपीएस अधिकारी ने अपने करियर की शुरुआत तब की, जब पंजाब आतंकवाद के आग में जल रहा था। भटिंडा, मानसा और होशियारपुर जैसे संवेदनशील जिलों में उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ मोर्चा संभाला। उस दौर में जैन ने जमीनी स्तर पर खतरनाक ऑपरेशनों को अंजाम दिया। बाद में वे चंडीगढ़ के एसएसपी और लुधियाना के डीआईजी बने, जहाँ उन्होंने आतंकवाद-विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाई।

लेकिन पराग जैन की असली ताकत तब सामने आई, जब वे रॉ से जुड़े। वर्तमान में वे रॉ के विशेष निदेशक हैं और एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी) का नेतृत्व कर रहे हैं। एआरसी वो इकाई है, जो हवाई निगरानी और तकनीकी खुफिया जानकारी जुटाने में माहिर है। जैन ने इसे और मजबूत किया। उनकी खासियत है कि वे इंसानों से मिली खुफिया जानकारी और तकनीकी जानकारी को मिलाकर ऐसी रणनीति बनाते हैं, जो दुश्मनों के लिए पहेली बन जाती है।

उनका करियर सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा। कनाडा और श्रीलंका में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने खालिस्तानी नेटवर्क और भारत-विरोधी साजिशों पर गहरी नजर रखी। 1 जनवरी 2021 को उन्हें पंजाब में पुलिस महानिदेशक का प्रमोशन मिला, लेकिन तब वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे, इसलिए सिर्फ नाममात्र का लाभ मिला। फिर भी उन्हें केंद्रीय महानिदेशक के समकक्ष पद पर रखा गया, जो उनकी साख को दर्शाता है।

जैन चुपचाप काम करते हैं, लेकिन उनके काम का असर इतना बड़ा होता है कि दुश्मन के होश उड़ जाते हैं। ▶10पर

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे की बढ़ी मुश्किलें!

मुंबई की अदालत ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)।

मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। यह वारंट उनके वकील द्वारा दायर छूट आवेदन को खारिज करने के बाद जारी किया गया। राणे अदालती कार्यवाही में अनुपस्थित थे और मामले में उनकी लगातार गैर-हाजिरी के कारण छूट याचिका को खारिज कर दिया गया। इससे पहले अदालत ने सुनवाई में शामिल न होने के कारण पिछले महीने राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। 2 जून को, भाजपा नेता ने उपस्थिति से स्थायी छूट की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था, जिसे अदालत ने ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 98,580/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,08,999/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 21°

चीन, पाकिस्तान और तुर्की के लिए सीधी चुनौती शुरू

भारत ने 2000 करोड़ के ड्रोन खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

भारत अब अपनी ड्रोन शक्ति को उस मुकाम पर ले जा रहा है, जहां से चीन, पाकिस्तान और तुर्की के लिए सीधी चुनौती शुरू हो चुकी है। रक्षा मंत्रालय ने 2000 करोड़ रुपए की आपातकालीन खरीद को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब कि भारतीय सेना को अगले स्तर की टेक्नोलॉजी से लैस करना है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय की तरफ से ये मंजूरी एक आपातकालीन खरीद के तौर पर दी गई है। इसका मतलब है कि खतरा सिर पर है और सेना को तुरंत तैयार किया जा रहा है। ये फंड ऐसे ड्रोन्स के लिए जारी किया गया है जो भारत की सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत बनाएंगे बल्कि दुश्मन की हरकतों पर पल-पल की नजर भी रखेंगे और जरूरत पड़ने पर तुरंत हमला कर सकेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में

कहा कि 1,981.90 करोड़ रुपये की राशि के ये अनुबंध भारतीय सेना के लिए 2,000 करोड़ रुपये के कुल स्वीकृत परिव्यय के मुकाबले अंतिम रूप दिए गए हैं। आपातकालीन खरीद योजना के तहत फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पादित, उपकरण और हथियारों का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी वातावरण में तैनात सैनिकों के लिए स्थितिजन्य जागरूकता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। मंत्रालय ने कहा कि तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अधिग्रहण को संकुचित समयसीमा के भीतर पूरा किया गया था। ये खरीद भारतीय सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए मिशन-महत्वपूर्ण और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करेगी। सूत्रों ने कहा कि इस तरह की और खरीद हो सकती है क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई सूची को फिर से भरने के लिए बलों को करीब 40,000 करोड़ रुपये ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

भारत की सर्व प्रथम आचार्य तुलसी डे केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, श्रीरामपुरम के द्वितीय तले पर भारत के सर्वप्रथम आचार्य तुलसी डे केयर हॉस्पिटल का युगप्रधान महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी एवं सहवर्ती मुनि आदित्य कुमारजी के सान्निध्य एवं अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। आचार्य तुलसी डे केयर हॉस्पिटल का शुभारम्भ जैन संस्कार विधि द्वारा किया गया। विधि की शुरुआत पंच परमेष्ठि नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। संस्कारक राकेश दुधेडिया, सतीश पोरवाड़ ने मंगल भावना यंत्र एवं जैन संस्कार विधि को विभिन्न मंगल मंत्रोच्चार के द्वारा डे केयर के मुख्य प्रायोजक बद्रीलाल, सुखलाल, उत्तमचंद पितलिया परिवार द्वारा किया गया। उसके पश्चात स्कैनिंग मशीन का उद्घाटन शांतिलाल, लादूलाल, विशाल, विजय, वैभव पितलिया परिवार द्वारा किया गया। टीएमटी मशीन का उद्घाटन हंसराज, अशोककुमार, रवि कुमार, अजिंक्या, अनिमेष, शौर्य, वीर चौधरी परिवार द्वारा किया गया। उसके पश्चात मंगलपाठ से विधि को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कार्यक्रम का शुभारंभ सानिध्य प्रदान कर रहे मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी के मंगलाचरण से हुआ। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए प्रायोजक परिवार का धन्यवाद व्यक्त किया एवं अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों के किए गए कार्यों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने शुभकामना संप्रेषित की। जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश सियाल, मल्लेश्वरम विधायक डॉ. अश्वथ नारायण ने इस डे केयर की सराहना करते हुए कहा कि आज के इस समय में इस डेकेयर की बहुत ज्यादा जरूरत है। मैं आपके साथ हमेशा खड़ा हूं। एटीडीसी राष्ट्रीय सहप्रभारी ललित मेहर, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, सभा के पूर्व अध्यक्ष सुखलाल पितलिया, राष्ट्रीय महामंत्री अमित नाहटा, अभातेयुप परमार्शक एवं युवा गौरव विमल कटारिया, अभातेयूप वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत, अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने शुभकामना संप्रेषित करते हुए कहा तेयुप राजाजीनगर हर बार कुछ ना कुछ नया करती आ रही है और नई सोच के साथ आगे बढ़ रही है। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीतिका का संगान किया। मुनि पुलकित कुमारजी ने डे केयर हॉस्पिटल के लिए परिषद को मंगलकामनाएं संप्रेषित करते हुए कहा राजाजीनगर एक सक्रिय परिषद है। सभी कार्य पूरी जागरूकता एवं सजगता से करती हें, उसके पश्चात प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार एटीडीसी सहप्रभारी आलोक छाजेड़, टीटीएफ अध्यक्ष ललित बेगानी, तेयुप प्रमार्शक प्रवीण नाहर, चंद्रेश मांडोत, पूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवाड़, मनोज मेहता, अरविंद गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, सभा परिवार, अभातेमम सदस्य मधु कटारिया, महिला मण्डल अध्यक्षा ऊषा चौधरी, महिला मण्डल परिवार, जैनम लक्ष्मीनारायण ट्रस्ट परिवार, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल, विजयनगर से कमलेश चोपड़ा, हनुमंतनगर से कमलेश झाबक, टी दासरहल्ली से कन्हैयालाल गांधी, राजराजेश्वरी नगर से विक्रम मेहर एवं तेयुप अतिथि विशेष संजीव गन्ना, किरण कोठारी, रनित कोठारी, श्रवन पीपाड़ा तेयुप सदस्य एवं श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन जयंतीलाल गांधी ने किया। आभार रवि चौधरी ने व्यक्त किया।

पटावरी बनी विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर में अध्यक्ष मंजू गादिया की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन विजयनगर में आठवीं साधारण सभा आयोजित की गई, जिसमें सन् 2025 - 27 के लिए महिमा पटावरी को नव अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत के संगान के साथ हुआ। अध्यक्षा ने सभी का स्वागत करते हुए अपने 2 साल के कार्यकाल में सहयोगी अपनी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने संविधान पत्र का वाचन किया। सह मंत्री हंसा दुगड़ ने गत वर्ष के साधारण सभा की रिपोर्ट का वाचन किया। मंत्री दीपिका गोखरू ने मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति देते हुए प्रोजेक्टर के माध्यम से विगत दो वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी दी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने अखिल भारतीय महिला मंडल के चार मुख्य आयामों की जानकारी देते हुए कन्या सुरक्षा योजना एवं तुलसी शिक्षा परियोजना पर प्रकाश डाला। उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज परियोजना के बारे में बताया। कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली ने आय - व्यय का ब्यौरा दिया। संगठन मंत्री अनीता जीरावला ने समृद्ध राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत मंडल द्वारा किए गए कार्यों की विशेष जानकारी दी तथा प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ ने बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों में की गई संगठन यात्रा के विषय में बताया। सह मंत्री ललिता डागा ने सभी को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कन्या मंडल संयोजिका ध्वनि गन्ना, सह संयोजिका प्रियल बाबेल एवं कन्या मंडल प्रभारी मोनिका गांधी ने प्रोजेक्टर द्वारा कन्या मंडल की गतिविधियों पर आधारित रिपोर्ट साझा की। मुख्य चुनाव अधिकारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व महामंत्री वीणा बैद एवं सह चुनाव अधिकारी प्रेम भंसाली को नियुक्त किया गया जिन्होंने सर्वसम्मति से महिमा पटावरी को नवीन अध्यक्ष चुना। वीना ने अध्यक्ष मंजू गादिया को उनके सफलतम कार्यकाल हेतु बधाई दी तथा नव अध्यक्ष को उसके भावी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रदान की। खुशी मांडोत को आगामी कार्यकाल के लिए कन्या मंडल संयोजिका नियुक्त किया। कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, परामर्शिका मधु सेठिया, प्रियंका गादिया ने निवर्तमान अध्यक्ष को सफलतम कार्यकाल हेतु बधाई एवं नवीन अध्यक्ष के आने वाले कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। सभा के दौरान तत्वज्ञान परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने कार्यकाल में सहयोगी अपनी पूरी को सम्मानित किया। कार्यक्रम की संयोजिका सरिता छाजेड़ एवं सुनीता पींचा रही। कार्यक्रम का संचालन मनीषा घोषल तथा आभार ज्ञापन सुनीता पींचा ने व्यक्त किया।

सात सूत्री मार्गदर्शिका के बारे में चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु के पदाधिकारियों ने महासंघ अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा के नेतृत्व में वरिष्ठ संत उप प्रवर्तक पूज्य श्री नरेश मुनि जी, श्री शालीभद्र जी एवं सुप्रभाजी की सेवा में पहुंच कर महासंघ की सात सूत्री मार्गदर्शिका के बारे में चर्चा की और आशीर्वाद तथा समर्थन मांगा।

प्रेस्टीज वेस्टवुड में आयोजित प्रवचन सभा में महासंघ महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने पूज्य नरेश मुनि जी के चातुर्मास हेतु महासंघ की शुभकामना व्यक्त करते हुए सात सूत्री मार्गदर्शिका की जानकारी आम जनता को दी। अपने आशीर्वचन में नरेश मुनि जी ने सात सूत्री मार्गदर्शिका को युक्ति संगत बताते हुए अपना आशीर्वाद दिया कि इन सब पर सकारात्मक पहल रहेगी और सभी को इनका पालन करना चाहिए।

शालीभद्र जी ने सुझाव दिया कि प्रवचन सभा में सभी सामायिक करें, इस पर भी महासंघ को प्रयास करना चाहिए। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर ट्रस्ट की ओर से महावीर मेहता ने महासंघ पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संघ की आत्मीय आमंत्रण पत्रिका प्रदान की।

इससे पूर्व महासंघ पदाधिकारियों ने येलहंका में पूज्य श्री ज्ञानमुनि जी, लोकेश मुनि जी के चातुर्मास प्रवेश आयोजन में भाग लिया और मंत्री अभय कुमार बांठिया ने महासंघ की ओर से येलहंका संघ को प्रथम चातुर्मास उपलब्धि पर शुभकामनाएं और बधाई दी। महासंघ के उपाध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत, कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना और सह मंत्री किशोर दलाल इस अवसर पर उपस्थित थे। दोनों आयोजनों में अनेक संघों के पदाधिकारी और गणमान्य जन उपस्थित थे।

महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली चैप्टर द्वारा दिव्यांगों के लिए कृत्रिम पैर शिविर का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली चैप्टर और ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान करने के लिए एक विशाल निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी उपस्थित थे। शिविर का उद्घाटन महेंद्र सिंघी, महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र रांका, पूर्व अध्यक्ष महावीर पालरेचा, उपाध्यक्ष दिनेश संघवी, कोषाध्यक्ष अशोक ओस्तवाल ने दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान कर किया। समारोह को आथित्य उद्बोधन देते हुए समाजसेवी महेंद्र सिंघी ने कहा किमहावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा पिछले कई वर्षो से अनेक क्षेत्रों में सेवा के कार्य कर रही है। महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली शाखा के पदाधिकारियों ने राज्य के अनेक कोनो से आये दिव्यांगों को कृत्रिम पैर प्रदान करने का जो कार्य किया है, वह अतुलनीय है। सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही सभी संस्थाओं को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस दौरान इंटरनेशनल के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि महेंद्र सिंघी को सम्मानित कर आभार जताया। साथ ही महावीर लिंब सेंटर के पदाधिकारियों ने संस्था के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र रांका, महावीर पालरेचा, उपाध्यक्ष दिनेश संघवी को सम्मानित किया। इस दौरान महावीर इंटरनेशनल के विजय गोलेछा, सुनील लड्ढा, पारस पगारिया, गौतम बागरेचा, महावीर लिंब सेंटर के प्रकाश चोरडिया, सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य उपस्थित थे। महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली चैप्टर के अध्यक्ष रमेश ओस्तवाल ने अपनी अनुपस्थिति में दिए मैसेज में कहा कि महावीर लिंब सेंटर महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में पिछले कई वर्षो से दिव्यांग सेवा का जो कार्य कर रहा है अपने आप में अतुलनीय कार्य हैं। साथ ही ओस्तवाल ने इस शिविर के लिए सहयोग प्रदान करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान महावीर इंटरनेशनल हुब्बल्ली चैप्टर के सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि भगवान महावीर की महान शिक्षाओं से प्रेरित होकर, महावीर इंटरनेशनल की शुरुआत 1975 में भगवान महावीर के निर्वाण की 2500वीं वर्षगांठ के अवसर पर कुछ समान विचारधारा वाले लोगों के एक विनम्र प्रयास के रूप में हुई थी। सबको प्यार करो, सबकी सेवा करो' के आदर्श वाक्य और 'जीओ और जीने दो' के सिद्धांत से लैस इस संगठन ने अहिंसा, अहिंसा, सत्य, अहिंसा, भाईचारे और भाईचारे के दर्शन और शिक्षाओं को हर जगह प्रचारित करने का बीड़ा उठाया। यह महान आदर्श स्थायी महत्व के हैं और पूरी मानवता के हैं। ये सभी समय और हर जगह लागू होते हैं।

महावीर इंटरनेशनल की जड़ें भारतीय संस्कृति और इसकी आध्यात्मिक विरासत में समाहित हैं, जो इसे एक अलग तरह का समाज सेवा संगठन बनाती है। इसके दरवाजे सभी लोगों के लिए खुले हैं, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति और पंथ, सामाजिक स्थिति, क्षेत्र और भाषा के हों, क्योंकि यह संकट में फंसे लोगों और समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के लोगों की निस्वार्थ सेवा करता है।

अपनी स्थापना के बाद से ही यह संगठन इस दिशा में लगातार काम कर रहा है और अपने इच्छित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए लगातार नवाचार कर रहा है। आज, पूरे भारत में 350 से अधिक केंद्रों के साथ, संगठन के पास लगभग 15,000 लोगों का प्रतिबद्ध सदस्य आधार है जो मशाल को ऊंचा उठाए हुए हैं। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन महावीर इंटरनेशनल के निदेशक विजय गोलेछा ने किया।

तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ महिला मंडल आर.आर नगर के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के प्रांगण में साध्वी पुण्य यशा जी के सानिध्य में रखा गया। पूर्व अध्यक्ष सुमन पटावरी ने नवनियुक्त अध्यक्ष मंजू बोथरा को शपथ दिलवाई। अपने विचार रखते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया एवं मंडल को नई ऊंचाइयां प्राप्त हो ऐसी बात रखी। नव मनोनीत अध्यक्ष ने आगामी कार्य समिति के बहनों के नाम की घोषणा की। उपाध्यक्ष प्रथम ममता दुगड, द्वितीय सीमा छाजेड़, मंत्री वंदना भंसाली, कोषाध्यक्ष सुधा दुगड, सह मंत्री पूनम दक एवं द्वितीय आशा लोढ़ा, प्रचार प्रसार मंत्री पूनम दुगड, संगठन मंत्री श्वेता कोठारी के नाम की घोषणा की। कन्या मंडल प्रभारी बनीता दुगड सहित अन्य कार्य समिति की बहनों के नाम की घोषणा हुई। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने संघ व संघ पति के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना व्यक्त करते हुए आगामी चातुर्मास में सबको सक्रिय रहने की बात रखी। सभी पूर्व अध्यक्षा, उपासिका विजयलक्ष्मी मणोत ने अपने विचार रखें। साध्वी जी ने संगठन को मजबूत रखते हुए गुरु इंगित की आराधना एवं एबीटीएमएम द्वारा निर्देशित कार्यक्रम का अनुपालना करने को कहा। आचार्य भिक्षु के त्रि शताब्दी वर्ष में तेले एवं नवरंगी भेंट करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन पदमा महेर ने किया। आभार मंत्री वंदना भंसाली ने व्यक्त किया।

श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन की कार्यकारिणी सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संगठन बेंगलूरु कर्नाटक की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन की कार्यकारिणी सभा राजाजी नगर स्थित वेस्ट फोर्ट होटल में आयोजित की गई। सभा की शुरुआत मंगलाचरण द्वारा की गई। युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने सभी साथियों का स्वागत करते हुए संगठन के सभी कार्यक्रमों में शामिल होकर अपना योगदान देने के लिए आग्रह किया। नये युवा सदस्यों ने अपना परिचय दिया। आने वाले सत्र में मानव सेवा, गौ सेवा, बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट, ईपीएस, मेवाड़ प्रीमियर लीग, किशोर मंडल का गठन आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया। कई सदस्यों ने अपने अमूल्य सुझाव दिए। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। इस अवसर पर निवर्तमान युवा अध्यक्ष राकेश संचेती, युवा उपाध्यक्ष अरिहंत कावड़िया, गौतम खाब्या, कोषाध्यक्ष राजेश बाफना , सह मंत्री राहुल कावड़िया, महावीर ओस्तवाल एवं प्रभारी गण, दिलीप हिरण आशीष कोठारी, प्रशांत बाफना, अजीत संचेती, मनोज टुकलिया एवं सभी युवा सदस्य उपस्थित रहे। संगठन मंत्री संदीप चौधरी ने सभी साथियों का धन्यवाद आभार ज्ञापित किया।

विनीता सुराणा हासन तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष बनी

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन तेरापंथ सभा भवन में साधारण सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। उसके बाद सभी बहनों ने प्रेरणा गीत का संगाम किया। अध्यक्ष कौशल्या तातेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए स्वागत उद्बोधन दिया और सभी बहनों को 2 वर्षों तक उनका और उनकी टीम का साथ देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। चुनाव प्रभारी नीलम कोठारी ने सर्वसम्मति से विनीता सुराणा को 2025-27 के अध्यक्ष पद के लिए घोषणा किया। मंत्री पिंकी गुलगुलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पद एक ओहदा है जो वक्त के साथ बदल जाता है, परन्तु हमारा व्यवहार हमारा प्रतिबिंब है। वह कभी नहीं बदलना चाहिए। नए अध्यक्ष एवं उनकी नवनिर्वाचित टीम के भविष्य की शुभकामनाएं दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनीता सुराणा ने अपने विचारो से सभी का स्वागत एवं आगामी 2 वर्षों के लिए उनको महिला मंडल के लिए क्या कार्य करना है, की एक झलक अपने शब्दों से सबको प्रेषित किया। आभार ज्ञापित करते हुए अपनी नई टीम की घोषणा करते हुए मंत्री के रूप में दीपा तातेड़ को चुना। उपाध्यक्ष ललिता सुराणा, सह मंत्री मुन्नी बरलोटा, कोषाध्यक्ष नीलम कोठारी, संगठन मंत्री संगीता एस. कोठारी का चयन किया। पूर्व मंत्री पिंकी गुलगुलिया ने नवनिर्वाचित मंत्री दीपा तातेड़ को मंत्री का बैच लगाया। सूरज तातेड़, सीमा तातेड़ ने सभी को हार्दिक बधाई दी एवं अपने विचार व्यक्त किये। सज्जू बरलोटा ने बधाई दी और इस कार्यक्रम के लिए सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन पिंकी गुलगुलिया ने किया।

पिछड़े वर्गों की अनदेखी के कारण कांग्रेस ने सत्ता खोई: भूपेंद्र यादव

जाति जनगणना पूर्वव्यापी–संभावित सेमिनार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के संविधान में कहा गया था कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों की पहचान की जानी चाहिए। इसके लिए काका कालेकर आयोग का गठन किया गया था। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी ने काका कालेकर आयोग की रिपोर्ट को नजरअंदाज किया, ताकि पिछड़े लोग सामाजिक और शैक्षणिक रूप से शीर्ष पर न आ सकें। उन्होंने शनिवार को रेसकोर्स रोड स्थित भारतीय विद्या भवन में सामाजिक न्याय जागरूकता मंच, कर्नाटक द्वारा आयोजित 'जाति जनगणना, पूर्वव्यापी–संभावित' सेमिनार में मुख्य भाषण दिया। उन्होंने सवाल किया कि संविधान को जेब में रखने वालों ने काका कालेकर आयोग की रिपोर्ट को लागू क्यों नहीं किया। देश के आपातकाल से आजाद होने और परिवारवाद से मुक्त होने के बाद केंद्र में जनता पार्टी सत्ता में आई। इसने मंडल आयोग का गठन भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता से जाने के बाद ओबीसी को न्याय दिलाने का मुद्दा सामने आया। उन्होंने कहा कि कुछ साल बाद सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी ने भी काका कालेकर रिपोर्ट के उदाहरण का अनुसरण करते हुए मंडल आयोग की रिपोर्ट को नजरअंदाज किया था। राजीव गांधी को ओबीसी ने 400 से ज्यादा एमपी सीटें दिलाई थीं। उन्होंने आलोचना की कि भले ही वे ओबीसी के वोट से सत्ता में आए, लेकिन उन्होंने सामाजिक न्याय नहीं दिया। इधर, सिद्धरामैया ने भी ओबीसी रिपोर्ट को नजरअंदाज किया। कांग्रेस ने केंद्र में सत्ता खो दी। उन्होंने कहा कि तत्कालीन भाजपा समर्थित वीपी सिंह सरकार ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू किया और ओबीसी को आरक्षण दिलाया। संविधान देश के कानूनों का मूल आधार है। उन्होंने समझाया कि कुछ लोग संविधान को अपनी जेब में रखते हैं, हम इसे अपनी आत्मा में रखते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम संविधान को परिवार की जेब में रखते हैं, तो हम इसे अपनी आत्मा में रखते हैं। पिछड़े वर्गों की उपेक्षा के परिणामस्वरूप, कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्यों में सत्ता खो दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि जब कर्नाटक में पिछड़े वर्ग जागरूक हो जाएंगे तो कांग्रेस दोबारा सत्ता में नहीं आ पाएगी।

कुछ दिन पहले हमने आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाई थी। तानाशाही की सोच के कारण आपातकाल आया था। उन्होंने कहा कि हमने इसकी याद दिलाई ताकि आपातकाल दोबारा न आए। 17वीं–18वीं सदी में देश में सामाजिक सुधार के लिए आंदोलन चला था। यह आंदोलन भारत के नवजागरण के लिए था। परिणामस्वरूप गांधी जी के नेतृत्व में हमें आजादी मिली। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि समान समाज के निर्माण के लिए आरक्षण दिया गया है। अस्पृश्यता मानवता पर एक धब्बा है। इसीलिए आरक्षण दिया गया। कर्नाटक राज्य उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. के. भक्तवत्सला ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और कहा कि डॉ. अंबेडकर के संविधान में कहा गया है कि सामाजिक न्याय की अवधारणा के तहत सभी समान हैं। हमारे देश की जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। जाति जनगणना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह आसान काम नहीं है। सभी को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में राजनीतिक प्रतिनिधित्व नाम मात्र का मामला है। उन्होंने कहा कि हमारे बीच वंचित, दलित और गरीब लोगों को न्याय दिलाने के लिए सांख्यिकी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष से अधिक आयु के उन लोगों से एक निश्चित राशि वसूलने और 60 वर्ष के बाद उन्हें पेंशन देने की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, जिन्होंने कर नहीं चुकाया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता चार दशक से अधिक समय से पिछड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे स्व–सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी के. मुकुदप्पा ने की। काका कालेकर के मंडल रिपोर्ट पर गौर न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्गों के लिए स्थायी आयोग का गठन भी नहीं किया गया, बाबा साहब ने इसके विरोध में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि आज मोदी सरकार ने पिछड़े वर्गों के लिए स्थायी आयोग का गठन किया है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष रघु कौटिल्य ने परिचयात्मक भाषण दिया। आजादी से पहले 1931 में जाति जनगणना हुई थी। लगभग एक सदी बाद, जनगणना के साथ–साथ जाति जनगणना की जा रही है और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मलनाड–तटीय क्षेत्र में भारी वर्षा, उत्तरी और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में कम वर्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मानसून के कारण मलनाड और तटीय इलाकों में भारी बारिश हुई है, वहीं राज्य के उत्तरी और दक्षिणी अंदरूनी इलाकों में बारिश की कमी की मार पड़ी है, जिससे मानसून सीजन की तैयारियां पीछे छूट गई हैं। केरल, मलनाड और महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण कृष्णा, कावेरी और तुंगभद्रा समेत ज्यादातर नदियां अपने पूरे उफान पर बह रही हैं। इसके अलावा जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ा है और जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कावेरी बेसिन में केआरएस काबिनी, हरंगी और हेमावती जलाशय भरने की स्थिति में पहुंच गए हैं। कावेरी बेसिन में अलमट्टी, नारायणपुर, भद्रा और तुंगभद्रा समेत प्रमुख जलाशयों में 50 फीसदी से ज्यादा पानी भर गया है। पिछले साल की तुलना में दो–गुना पानी जमा हो गया है। इससे पेयजल और सिंचित फसलों के लिए पानी की कमी दूर हो गई है। हालांकि, अंदरूनी इलाकों में मानसून कमजोर पड़ गया है और सामान्य से कम बारिश हुई है। मौसम बादल छाए हुए हैं, बीच–बीच में बौछारें पड़ रही हैं या मध्यम बारिश हो रही है। केवल तेज ठंडी हवा चल रही है और जून में अच्छी बारिश की उम्मीदें धराशायी हो गई हैं। मार्च से मई तक प्री–मानसून बारिश सामान्य से अधिक रही। साथ ही, मई के आखिरी सप्ताह में मानसून आया और भारी बारिश हुई। तटीय और मलनाड क्षेत्रों में जून के पहले सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है।

अंदरूनी इलाकों में शुष्क मौसम जारी है। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, राज्य में 1 जून से शुक्रवार तक सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। हालांकि, दक्षिणी आंतरिक इलाकों में सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश हुई है। उत्तरी आंतरिक इलाकों में कमोबेश सामान्य बारिश हुई है। इस अवधि के दौरान राज्य की सामान्य बारिश 74.5 मिमी है। जबकि 189.2 मिमी बारिश हुई है। तटीय इलाकों में 718.8 मिमी बारिश हुई है। सामान्य बारिश 806 मिमी है, जो सामान्य बारिश से 12 प्रतिशत अधिक है। मलनाडु में 310.2 मिमी है, जबकि सामान्य वर्षा 389 मिमी है, जो सामान्य वर्षा से 25 प्रतिशत अधिक है। दक्षिणी आंतरिक में, केवल 48.7 मिमी बारिश हुई। जनवरी से राज्य की सामान्य वर्षा 294 मिमी है। सामान्य वर्षा 476.7 मिमी है, जो सामान्य वर्षा से 62 प्रतिशत अधिक है। जून में, दावणगेरे को छोड़कर, दक्षिणी आंतरिक के 10 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। बेंगलूरु सिटी, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु दक्षिण, कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, चित्रदुर्ग, चामराजनगर, मांड्या और मैसूरु जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। बल्लारी, कोप्पल, रायचूर, कलबुर्गी, यादगीर, बीदर और विजयपुरा के उत्तरी आंतरिक जिलों में कमी आई है। वर्तमान में आंतरिक में अच्छी बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है।

दत्तात्रेय होसबोले का बयान अप्रासंगिक: गृहमंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा है कि संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द को हटाने का बयान अप्रासंगिक है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आरएसएस के दत्तात्रेय होसबोले का बयान सही नहीं है। भारत का संविधान काफी अध्ययन के बाद बना है। डॉ. बीआर अंबेडकर ने विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन किया और भारत की स्थिति और विभिन्न परतों को समझते हुए धर्मनिरपेक्ष शब्द को अपनाया। 1957 से हम भारतीय संविधान का पालन करते आ रहे हैं। यह समय की कसौटी पर खरा उतरा संविधान है। यह बिना किसी समस्या के काम कर रहा है। इसे ऐसे ही चलते रहना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता का मतलब है कि सभी को समान अवसर और स्वतंत्र अवसर मिलना चाहिए। मुझे नहीं पता कि होसबोले ने किस अर्थ में यह बयान दिया। दुनिया में विविधता में एकता को मूर्त रूप देने वाले संविधान ने हमें भाषा, संस्कृति और धर्म के मतभेदों के बीच एकता के साथ रहने दिया है। उन्होंने कहा कि इसे बदलने पर कोई समझौता नहीं होगा।

यौन उत्पीड़न के आरोप में सिम्स का एसोसिएट प्रोफेसर गिरफ्तार

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिवमोग्गा पुलिस ने शुक्रवार को शिवमोग्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर अश्विन हेब्बार को एक स्नातकोत्तर छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एक स्नातकोत्तर छात्रा ने 20 जून को शिवमोग्गा महिला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि हेब्बार ने एक होटल में डिनर पार्टी के दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार था। वह संस्थान में अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित रहा। शिवमोग्गा एसपी जी.के. मिथुन कुमार ने उसे गिरफ्तार करने के लिए टीमें गठित की थीं। इससे पहले 2022 में भी उस पर इसी तरह के आरोप लगे थे।

यह सच है कि परमेश्वर हमारे घर आए थे, सत्ता साझेदारी की कोई बात नहीं हुई: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि यह सच है कि गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर उनके घर आए और चर्चा की, लेकिन सत्ता के बंटवारे का कोई जिक्र नहीं हुआ। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गृह मंत्री के उनके घर आने की कोई खास बात नहीं है। वे आए और चर्चा की। हमारी मंशा है कि सभी लोग मिलकर काम करें। आधी रात को जी. परमेश्वर और डी.के. शिवकुमार राज्य की राजनीति में चर्चा में शामिल थे। मंत्री के.एन. राजन्ना ने हाल ही में बयान दिया था कि राजनीतिक क्रांति होगी। वे इसे बार–बार दोहरा रहे हैं। इस संदर्भ में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के बीच चर्चा हुई। परमेश्वर ने अपने दौरे के बारे में कोई रहस्य नहीं बताया। डी.के. शिवकुमार ने मुलाकात की बात स्वीकार की है। लेकिन चर्चा के बारे में सार्वजनिक बयान देने से इनकार कर दिया है। इससे पहले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना द्वारा राजनीतिक क्रांति पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, मुझे नहीं पता कि सितंबर के बाद किस तरह की क्रांति होगी। मैं राजन्ना से इस बारे में चर्चा करूंगा और जवाब दूंगा। मैं सत्ता केंद्रों पर भी टिप्पणी नहीं करूंगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजन्ना को खुद जवाब देना चाहिए। दूसरी ओर, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा मुझे नहीं पता कि राजन्ना ने किस सूचना पर कहा। राजन्ना, जो एक जिम्मेदार पद पर हैं, बिना उचित जानकारी के ऐसी बातें नहीं कह सकते। उन्होंने यह कहकर जिज्ञासा जगाई कि कुछ जानकारी हो सकती है। राजनीतिक बदलावों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री के पास खुफिया विभाग है, मेरे पास नहीं है। हालांकि, मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। मंत्री के.एन. राजन्ना और सतीश जारकीहोली ने जहां तक उन्हें पता है, बयान दिया है। मेरे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। मैंने गुरुवार रात मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की। वह और मैं अक्सर मिलते रहते हैं। इसमें कुछ खास नहीं है। मैं पुलिस विभाग में कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उनसे हर दिन मिलता रहता हूं। पुलिस विभाग का वार्षिक सम्मेलन होगा, और मैंने मुख्यमंत्री को इसके बारे में जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी राजनीतिक या विशेष नहीं है। राजन्ना के बयानों ने राज्य की राजनीति में बड़ी हलचल मचा दी है। राजन्ना ने मंत्री और पार्टी अध्यक्ष को बदलने की बात कही और कहा कि कर्नाटक में अतिरिक्त शक्ति केंद्रों को कम किया जाएगा। इससे यह व्याख्याएं सामने आ रही हैं कि कांग्रेस सरकार में कुछ भी ठीक नहीं है। इससे पहले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा कि राज्य में सत्ता केंद्रित पद अधिक हैं। इसलिए, संघर्ष अधिक हैं। नवंबर तक एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और सब कुछ ठीक हो जाएगा। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों की राय है कि 2013–2018 के बीच मुख्यमंत्री रहे सिद्धरामैया अब दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अप्रत्यक्ष रूप से असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस में सत्ता केंद्र इसका कारण हैं। 1,2,3,4 कांग्रेस में जितने चाहें उतने सत्ता केंद्र गिन सकते हैं। सिद्धरामैया अपने अनुभव में सब कुछ संभाल रहे हैं। लेकिन अभी भी संघर्ष हैं।

–जल्द ही सब कुछ ठीक होगा

अगस्त से नवंबर के बीच सब कुछ ठीक हो सकता है। उन्होंने कहा कि बदलाव का एक छोटा बवंडर चल रहा है। हाईकमान सब कुछ देख रहा है। सही समय पर सही निर्णय लिया जाएगा। राज्य में गारंटी योजनाओं के कारण वित्तीय बोझ है। लेकिन वित्तीय संकट नहीं है। मुख्यमंत्री हर महीने 15 से 20 दिन जिलों का दौरा कर रहे हैं और विकास कार्यों का शुभारंभ कर रहे हैं। अगर पैसा नहीं है तो क्या इस तरह काम शुरू करना संभव है? विधायकों को उनकी उम्मीद के मुताबिक फंड नहीं मिल सकता है। लेकिन सिद्धरामैया अपनी क्षमता से परे जाकर पार्टी मतभेदों को भुलाकर सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को फंड दे रहे हैं।

केआरएस जलाशय भरने की उल्टी गिनती शुरू, केवल 1 फुट बचा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कावेरी बेसिन में भारी बारिश हो रही है और कृष्णराज जलाशय के भरने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। केआरएस बांध को भरने में सिर्फ 1 फुट पानी बचा है। 124.80 फुट की अधिकतम ऊंचाई वाला केआरएस जलाशय अब 123 फुट तक भर चुका है और अगर यह एक फुट और भरता है तो केआरएस जलाशय ओवरफ्लो हो जाएगा। पानी का प्रवाह बढ़कर 73 हजार क्यूसेक हो गया है। केआरएस जलाशय शनिवार को अपने अधिकतम स्तर 124.80 फुट की तुलना में 123.25 फुट पहुंच गया। अधिकतम 49.50 टीएमसी की तुलना में वर्तमान जल भंडारण 47.311 टीएमसी है। जलाशय जून के महीने में ही भर रहा है, जिससे किसान खुश हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 30 जून को कावेरी नदी के एक हिस्से का लोकार्पण करेंगे और इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं।

पुस्तक द इमरजेंसी डायरीज का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में शनिवार को पुस्तक द इमरजेंसी डायरीज का विमोचन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं विधायक वी. सुनील कुमार, बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी.सी. मोहन, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं विधायक सी.टी. रवि, विधायक मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रघु कौटिल्य, ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक एन.एल. नरेंद्रबाबू मौजूद थे।

सरकार ने राज्य में अच्छी बारिश और फसलों के साथ भव्य दशहरा मनाने का फैसला किया

दशहरा के दौरान पारंपरिक इतिहास को दिखाया जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य में अच्छी बारिश हुई है और कृषि गतिविधियां चल रही हैं। किसान खुश हैं। इसलिए इस साल वे दशहरा बड़े उत्साह के साथ मनाएंगे। विधानसभा में दशहरा उत्सव के संबंध में प्रारंभिक बैठक करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दशहरा के दौरान पारंपरिक इतिहास को दिखाया जाएगा। गजपायन 4 अगस्त को शुरू होगा। 22 सितंबर को चामुंडी हिल्स पर हमेशा की तरह दशहरा उत्सव का शुभारंभ सुबह 10:10 से 10:45 बजे के बीच होगा। 2 अगस्त को दोपहर 1 बजे नंदी ध्वजा पूजा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शाम 4:42 से 5:06 बजे के बीच मां चामुंडेश्वरी देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। इस बार दशहरा जल्दी आ गया है और 22 सितंबर से 2 अगस्त तक 11 दिनों तक मनाया जा रहा है। 9 दिवसीय नवरात्रि के बजाय 10 दिवसीय दशहरा उत्सव मनाया जाएगा, जिसमें एक दिन विजयादशमी होगी। उन्होंने कहा कि इस साल अतिरिक्त पंचमी होने के कारण 11 दिवसीय दशहरा उत्सव विशेष है। दशहरा मैसूरु राज्य की राजधानी श्रीरंगपट्टनम में आयोजित किया जाता था। अब यह

मैसूरु में आयोजित किया जा रहा है। इस साल 10 लाख लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। जंबो सवारी मैसूरु पैलेस से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि वहां कोई भगदड़ न हो और पुलिस लोगों के अनुकूल तरीके से काम करे।

पिछले साल दशहरा पर 40 करोड़ खर्च किए गए थे और कोई बिल बकाया नहीं है। इस बार सरकार इस साल के दशहरा के लिए जिला प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता वाली कार्यकारी समिति द्वारा सुझाए गए खर्च को वहन करेगी। उन्होंने कहा कि वे इस वर्ष भी मैसूरु शहर में 21 दिवसीय आकर्षक दीपोत्सव आयोजित करने का सुझाव देंगे। लोक निर्माण और ऊर्जा विभाग अपने-अपने विभागों के अंतर्गत व्यय संभालें। उन्होंने कहा कि मैसूरु से बाहर जाने वाली सभी सड़कें और अंदर की सड़कें अच्छी स्थिति में होनी चाहिए।

गांधी जयंती 2 अक्टूबर को है और दशहरा जुलूस में गांधीवादी सिद्धांतों को दर्शाने वाली प्रतिकृतियां होनी चाहिए और दशहरा लोगों का त्योहार होना चाहिए। कांग्रेस नेता पुष्पा अमरनाथ ने सुझाव दिया है कि इस बार दशहरा का उद्घाटन महिलाओं द्वारा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे इस पर विचार करेंगे और एक सप्ताह या पखवाड़े के भीतर निर्णय लेंगे। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि दशहरा के उद्घाटन में महिलाओं को आमंत्रित किया जाना चाहिए, जबकि अन्य ने कहा है कि इसका उद्घाटन किसी गांधीवादी द्वारा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिरकार मुझे अधिकार दिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद जिला प्रभारी मंत्री के. वेंकटेश ने जब अनुरोध किया कि चामराजनगर को भी बिजली की रोशनी से सजाया जाना चाहिए, तो मुख्यमंत्री ने इनकार कर दिया।

मैसूरु में दशहरा मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चामराजनगर को रोशनी से नहीं सजाया जाएगा। जब वेंकटेश ने कहा कि आपने पहले भी वहां दीप जलाने की अनुमति दी थी, तो उन्होंने कहा नहीं, मैंने ऐसा नहीं किया, मैसूरु के राजा चामराजनगर में नहीं थे। श्रीरंगपट्टनम राजधानी है, इसलिए वहां दशहरा मनाया जाता है। यह कुछ समय तक बहस का विषय रहा। मुख्यमंत्री ने चामराजनगर जिले के विधायकों के अनुरोध को भी नहीं माना। उन्होंने मंत्रियों और विधायकों को इस तरह की जिद न करने की चेतावनी दी। इस अवसर पर राजनीति से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार करने वाले मुख्यमंत्री ने उन्हें राजन्ना के बयान को नजरअंदाज करने की सलाह दी। आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबोले के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आरएसएस के जो लोग मनुस्मृति में विश्वास करते हैं, वे लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते।

अनावश्यक रूप से धन खर्च करना गौरव नहीं

उनका आग्रह है कि संविधान बदला जाए और मनुस्मृति लागू की जाए। तो इसके अलावा वे और क्या कह सकते हैं? संविधान मसौदा समिति में चर्चा के रूप में धर्मनिरपेक्षता को जोड़ा गया है। यह संसद में चर्चा के रूप में समाजवाद को जोड़ना है। उन्होंने कहा कि होसबोले ने जो कुछ भी कहा है, उसे जोड़ा नहीं जा सकता। अनावश्यक रूप से धन खर्च करना गौरव नहीं है। हर विभाग में हमने जो जनहितैषी कार्यक्रम लागू किए हैं, उनकी योजना इस तरह बनाई जानी चाहिए कि लोगों को पर्याप्त रूप से विश्वास हो। दशहरा की अपनी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि है और दशहरा इसी के अनुरूप मनाया जाएगा। विश्व प्रसिद्ध दशहरा की परंपरा को जारी रखने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। कल्याणकारी कार्यक्रमों और गारंटी योजनाओं की जानकारी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। पिछली बार की तुलना में इस बार महल के सामने बैठने की व्यवस्था कम करके भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने का सुझाव दिया गया है।

बेंगलूरु के श्री जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के सरजापुरा के बिक्कनहल्ली में श्री जगन्नाथ मंदिर में ओडिशा के दिव्य त्योहार रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन में लगभग 7,000 श्रद्धालु शामिल हुए, जिसमें ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया। इस दिन की शुरुआत सूर्य पूजा, रथ अनुकूल, द्वारपाल पूजा और सकला धूप सहित पवित्र अनुष्ठानों से हुई। इन अनुष्ठानों के बाद, चतुर्धा मूर्ति (भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और मां सुभद्रा) की मूर्तियों को उनके संबंधित रथों पर बैठाया गया। भक्ति के भावपूर्ण प्रदर्शन में माताओं और बहनों ने मां सुभद्रा के रथ को सजाने में भाग लिया। इस वर्ष एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, क्योंकि पहली बार रथ यात्रा के लिए तीन रथ बनाए गए। इस कार्यक्रम में एकता का उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें मूल कन्नड़ और उड़िया लोगों ने बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना और हिन्दी भाषी क्षेत्रों के समुदायों के साथ मिलकर रथ खींचा। कार्यक्रम का सफल आयोजन कर्नाटक पुलिस और बेस्कॉम विभागों के सहयोग से संभव हुआ। समारोह में ओडिसी नृत्य और श्री जगन्नाथ संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। सांस्कृतिक प्रदर्शनों के अलावा, कार्यक्रम में 20 से अधिक अद्वितीय पारंपरिक खाद्य स्टॉल और हस्तशिल्प प्रदर्शन भी प्रदर्शित किए गए, जो ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करते हैं। मंदिर प्रशासन द्वारा भक्तों को प्रसाद भी परोसा गया। समिति के सदस्यों ने कर्नाटक के लोगों और उन सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने पवित्र पुरी धाम से प्रेरित ओडिशा के सबसे बड़े और सबसे दिव्य उत्सव, राजसी रथ यात्रा को देखा।

मंत्र प्रेक्षा अर्हम कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वस्थ परिवार- स्वस्थ समाज के अन्तर्गत प्रेक्षाध्यान के अंतर्गत मंत्र प्रेक्षा - अर्हम कार्यशाला का आयोजन स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में किया गया। मंडल की बहनों द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के साथ हुई। तत्पश्चात प्रेक्षा गीत का सामूहिक संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य वक्ता शिल्पी भंडारी ने कार्यशाला की शुरुआत अर्हम मंत्र जाप से करवाया। अर्हम मंत्र का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि मंत्र से बीमारी को ठीक कर सकते हैं। ध्वनि प्रकंपन विकार को बाहर निकाल देती हैं। अर्हम बहुत शक्तिशाली एवं चमत्कारी मंत्र हैं। ध्यान के प्रयोग से व्यक्ति में अकल्पनीय परिवर्तन होता हैं। इससे महिलाओं की मानसिक बीमारी पर भी सकारात्मक असर पड़ता हैं। इस मंत्र में अलौकिक शक्ति हैं जो जीरो से हिरो बनाती हैं। तत्पश्चात मंगल भावना, ज्योति केंद्र प्रेक्षा और अर्हम मंत्र का प्रयोग करवाया। महिलाओं के स्वस्थ हेतु कंठ कायोत्सर्ग, बॉक्स ब्रीथिंग, समतल श्वास प्रेक्षा करवाया और मौन की साधना के अभ्यास की प्रेरणा दी। इस कार्यशाला में निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर, संगठन मंत्री सरोज मारू, प्रचार प्रसार मंत्री वंदना चावत, कार्यकारिणी सदस्य सुनीता भटेवरा, किरण मेहर, विमला पितलिया, ममता राठौड़, वर्षा गादिया, रेखा गादिया, संगीता बोथरा ने सहभागिता दर्ज कराई। सभी ने कार्यशाला में भाग लेकर शांति एवं शक्ति का संवर्धन किया। मंत्री नम्रता पितलिया ने कुशल संचालन किया।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने विजयपुरा-मेंगलूरु ट्रेन को नियमित करने की घोषणा की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयपुरा-मेंगलूरु सेंट्रल ट्रेन को नियमित करने की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने ट्विटर पर खबर साझा करते हुए ट्रेन सेवा के आधिकारिक नियमितीकरण की घोषणा की। विजयपुरा से मेंगलूरु सेंट्रल तक चलने वाली ट्रेन संख्या 17377 दोपहर 3:00 बजे विजयपुरा से रवाना होगी और सुबह 9:50 बजे मेंगलूरु सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 17378 मेंगलूरु सेंट्रल से शाम 4:45 बजे रवाना होगी और सुबह 11:15 बजे विजयपुरा पहुंचेगी। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने अपने ट्वीट में कहा कि इस कदम से दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। नियमितीकरण से मेंगलूरु में चिकित्सा उपचार की मांग करने वाले उत्तर कर्नाटक के मरीजों, तटीय जिलों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों और नियमित यात्रियों को लाभ होगा। कैप्टन बृजेश चौटा ने इसे संभव बनाने में उनके सहयोग के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री वी सोमन्ना का भी आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि इस ट्रेन की मांग पिछले पांच सालों से की जा रही थी। 1 दिसंबर, 2021 से अस्थायी तौर पर इसका परिचालन शुरू हो गया है।

सुनीता कोठारी राजाजीनगर महिला मंडल की अध्यक्ष बनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी की अध्यक्षता में राज-ाजीनगर सभा भवन में महिला मंडल के वार्षिक सभा का आयोजन हुआ। नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के पश्चात मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। सह मंत्री सरिता संचेती ने गत साधारण सदन की कार्यवाही का वाचन किया एवं सदन द्वारा पारित करवाया। मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी ने अपने वक्तव्य में सभी सदस्य बहनों का स्वागत किया। दो वर्ष में पूरी टीम से प्राप्त सहयोग की प्रशंसा की एवं आभार व्यक्त किया। निवर्तमान अध्यक्षा चेतना वेदमूथा ने संविधान का वाचन किया। कन्या मंडल प्रतिवेदन की प्रस्तुति प्रभारी अरुणा कोठारी ने किया एवं सदन द्वारा पारित करवाया।

मंत्री लता नवलखा ने दो वर्ष के कार्यकाल की गति प्रगति को दर्शाते हुए मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति दी और पारित करवाया। कोषाध्यक्ष सरिता हीरावत द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-25 के आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया एवं सदन द्वारा पारित करवाया। चुनाव अधिकारी मंजू वेदमूथा ने सदन में अध्यक्ष की प्रक्रिया से सर्व सम्मति से वर्ष 2025-27 के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया। सभी ने नव अध्यक्ष का स्वागत किया एवं अध्यक्ष ऊषा एवं टीम ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी। केंद्र द्वारा निर्देशित विभिन्न कार्यो के लिए दो वर्ष में संयोजक बनी बहनो का उपहार और मोमेन्टो द्वारा सम्मान किया गया। आभार सह मंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल ने व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डॉ. अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित टेक क्षेत्र 2025 का मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि एस मरी स्वामी ने दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा जीवन में सपने बड़े देखो मेहनत से सब कुछ संभव है। विद्यार्थियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पुलिस ने लोगों को मानसून के दौरान चोरी और डकैती के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी दी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चल रहे मानसून के मौसम को देखते हुए, पुलिस विभाग ने नागरिकों से चोरी और सेंधमारी की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है। उत्तर भारत का कुख्यात 'चड्डी गिरोह', जो घरों में सेंधमारी करने के लिए जाना जाता है, कथित तौर पर बारिश के मौसम की शुरुआत में कर्नाटक के विभिन्न जिलों में सक्रिय है। पिछले सप्ताह ही, उडुपी, चिक्कमगलूरु और मदिकेरी जैसे आस-पास के जिलों में चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं। अधिकारियों को डर है कि यह गिरोह जल्द ही मेंगलूरु शहर को भी निशाना बना सकता है। एक निवारक उपाय के रूप में, पुलिस ने निवासियों से - विशेष रूप से अलग-थलग घरों या सड़कों के अंत में स्थित घरों में रहने वाले लोगों से - सतर्क रहने का आग्रह किया है। नागरिकों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि वे अपने आस-पास किसी भी संदिग्ध या अपरिचित व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

कल्याण कर्नाटक के वित्तपोषण और विकास पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार: निखिल कुमारस्वामी

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनता दल(एस) युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार से कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए आवंटित धन और जमीनी स्तर पर हुई वास्तविक प्रगति का ब्यौरा देते हुए श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। रायचूर जिले के सिंधनूर में सदस्यता अभियान को हरी झंडी दिखाने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए निर्धारित 5,000 करोड़ रुपये की प्रभावशीलता के बारे में तीखे सवाल उठाए। निखिल ने मांग की पैसा आखिर कहां गया? कौन सी सड़कें बनी हैं? कौन से स्कूल या बस स्टैंड बने हैं? सरकार को श्वेत पत्र के जरिए यह स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने सरकार पर बिना पारदर्शिता

या स्पष्ट नतीजों के 3,000 करोड़ या 2,000 करोड़ रुपये वितरित करने जैसे अस्पष्ट दावे करने का आरोप लगाया। उन्होंने भ्रष्टाचार और शिथिलता के लिए प्रशासन की आलोचना की, और कहा कि हाल के दिनों में सत्तारूढ़ पार्टी के वरिष्ठ विधायकों ने भी असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कांग्रेस में बढ़ते आंतरिक असंतोष का हवाला देते हुए आरोप लगाया, यह सरकार बिचौलियों और कमीशन के जरिए चल रही है। दिसंबर में राजनीतिक क्रांति के बारे में मंत्री राजन्ना की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए निखिल ने कहा कि टिप्पणी में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। उन्होंने आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलावों पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए, निश्चित रूप से कुछ पक रहा है। निखिल ने सिंधनूर में किसानों की दुर्दशा को उजागर करते हुए 'किसान विरोधी' नीतियों के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधा, जहां धान और ज्वार मुख्य फसलें हैं। उन्होंने कहा सरकार उचित मूल्य या बाजार समर्थन सुनिश्चित करने में विफल रही है, जिससे किसान संकट में हैं। रैली को संबोधित करने से पहले निखिल ने श्रीवरसिद्धि विनायक मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने सड़कों पर ट्रैक्टर रैली निकाली, जिसमें सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे, जिन्होंने नारे लगाए और समर्थन में सड़कों पर खड़े रहे।

बैठक में पूर्व मंत्री वेंकटराव नादगौड़ा और आलोकोद हनुमंथप्पा, सिंधनूर विधायक नेमिराज नायक, पूर्व विधायक राजा वेंकटप्पा नायक, कोर कमेटी सदस्य सी.वी. चंद्रशेखर, राज्य महिला विंग की अध्यक्ष रश्मि रामेगौड़ा, नेता सिद्दू बंदी, रायचूर जिला अध्यक्ष विरुपाक्ष और सिंधनूर तालुक अध्यक्ष बसवराज नादगौड़ा समेत कई प्रमुख जेडी(एस) नेता शामिल हुए।

कस्बा लॉ कॉलेज गैंगरेप : भाजपा ने ममता बनर्जी से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोलकाता के कस्बा लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ जघन्य सामूहिक बलात्कार की घटना को राज्य सरकार के संरक्षण में हुआ अपराध करार देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की है तथा इस घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति गठित करने की घोषणा की है।

भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बंगाल में जो रहा है उसको लेकर हम सब बहुत पीड़ा में हैं। बंगाल में महिलाओं के साथ इस प्रकार के क्रूर व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हम ममता बनर्जी स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं, हम उनसे माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग करते हैं।

उन्होंने कहा कि कोलकाता के लॉ कॉलेज में हुई इस भयावह घटना से पूरा देश दुखी है। आश्चर्य की बात है कि पश्चिम बंगाल किस दिशा में जा रहा है। यह दुखद है कि बंगाल में महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराध बार-बार सामने आ रहे हैं, जबकि यहां एक महिला मुख्यमंत्री हैं। यहां महिलाओं के साथ इतनी क्रूरता क्यों हो रही है। पीड़िता के बयान से पता चलता है कि यह राज्य प्रायोजित क्रूरता है। ऐसा कहने का कारण यह है कि कथित तौर पर कॉलेज यूनियन इसमें शामिल है। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा का सचिव रहा है। वह इसी कॉलेज का छात्र है, कानून की पढ़ाई कर रहा है और साथ ही सत्तारूढ़ पार्टी के छात्र संगठन से भी जुड़ा हुआ है। उसकी तस्वीरें अभिजीत बनर्जी, सांसद कल्याण बनर्जी, मुख्यमंत्री की रिश्तेदार कजरी बनर्जी के साथ हैं जो इन नेताओं के साथ उसकी निकटता जाहिर करती हैं।

डॉ. पात्रा ने कहा, 25 जून के दिन कोलकाता के कस्बा लॉ कॉलेज में लगभग 24-25 वर्षीय हमारी एक बहन, एक छात्रा के साथ जिस प्रकार का एक जघन्य गैंगरेप का केस हुआ है, उसको लेकर आज पूरे भारतवर्ष में एक दुख का माहौल है। सवाल यह माहौल है कि आखिर बंगाल किस तरफ बढ़ रहा है। बंगाल में

रह-रह कर ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, चाहे आरजी कर मेडिकल कॉलेज का विषय हो, चाहे कस्बा लॉ कॉलेज का विषय हो। जहां एक महिला मुख्यमंत्री है, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, वहां इस प्रकार की संवेदनहीनता, इस प्रकार की क्रूरता आखिर क्यों है? पीड़िता ने खुद लिखित बयान जारी किया है, जिसे ध्यान से पढ़ा जाए, तो उससे स्पष्ट होता है कि जो गैंगरेप का कुचक्र हुआ है, वो कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित क्रूरता है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जो मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा के साथ के दो आरोपी जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी भी लॉ कॉलेज के छात्र हैं। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि तीनों आरोपियों ने 25 जून को शाम 7.30 बजे से 10.50 बजे के बीच कॉलेज परिसर में अपराध को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि पीड़िता की शिकायत में बताया गया है कि आरोपियों में से एक ने पीड़िता से शादी करने के लिए भी कहा था। जब उसने इनकार कर दिया, तो उन्होंने क्रूरता से अपराध किया। यह भयावह घटना कॉलेज के गार्ड रूम के अंदर हुई। गार्डों को परिसर छोड़ने का निर्देश दिया गया था। दुख की बात यह है कि गार्ड पास में ही मौजूद थे, फिर भी अपराध हुआ।

डॉ. पात्रा ने कहा कि क्रूरता का स्तर अकल्पनीय है। पीड़िता को हॉकी स्टिक से बेरहमी से पीटा गया। मारपीट के दौरान जब उसे अस्थमा का दौरा पड़ा, तो उसने अपने इनहेलर के लिए गुहार लगाई और अस्पताल ले जाने की भीख मांगी - लेकिन वह बुनियादी मदद भी नहीं दी गई। तृणमूल कांग्रेस के इन गुंडों द्वारा किए गए अत्याचार राजनीतिक संरक्षण में व्याप्त अराजकता और क्रूरता की गहराई को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि पीड़िता को धमकी दी गई कि अगर उसने मुंह खोला तो उसे और उसके प्रेमी को मार दिया जाएगा और उसके माता-पिता को झूठे आरोप में गिरफ्तार कर सरकार द्वारा परेशान किया जाएगा। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आरोपी को किस तरह का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। मुख्य आरोपी, जो तृणमूल कांग्रेस का सदस्य है, अक्सर तृणमूल कांग्रेस विधायकों, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और यहां तक कि ममता बनर्जी के रिश्तेदारों के साथ तस्वीरों में देखा जाता है। क्रूर अपराधों की यह शैली बताती है कि इस तरह के जघन्य कृत्यों को राजनीतिक समर्थन और कानून और न्याय के प्रति पूर्ण उपेक्षा से प्रेरित होकर कैसे हल्के में लिया जाता है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता की इस घटना पर तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी की शर्मनाक टिप्पणी 'अगर कोई दोस्त ही दोस्त का बलात्कार करे तो क्या किया जा सकता है?' सत्तारूढ़ पार्टी की चौंकाने वाली मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कॉलेज राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर है? या पश्चिम बंगाल में कानून और व्यवस्था का नामोनिशान ही नहीं है?

डॉ. पात्रा ने कहा कि भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कस्बा लॉ कॉलेज की घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय किया है जिसमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त सतपाल सिंह, पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं अधिवक्ता मीनाक्षी लेखी, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देव तथा सांसद एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये समिति घटनास्थल का दौरा करेगी और पार्टी अध्यक्ष को इसकी रिपोर्ट सौंपेगी।

जम्मू कश्मीर में 14 लाख नशेड़ी, बहुतायत में नाबालिग

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 28 जून। जम्मू कश्मीर में 13.5 लाख से अधिक लोग नशे की लत से पीड़ित हैं, इनमें 10 से 17 वर्ष की आयु के 1.68 लाख नाबालिग शामिल हैं। इनमें से लगभग 95,000 व्यक्ति ओपियोइड के लती हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि नशे की लत का पैटर्न बदल रहा है।

कुछ क्षेत्रों में हेरोइन के इस्तेमाल में गिरावट देखी गई है तो दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ रहा है। टेपेंटाडोल, प्रीगैबलिन, ट्रामाडोल और यहां तक कि एविलिन जैसी पशु चिकित्सा दवाओं का भी नशे के लिए इस्तेमाल हो रहा है।

श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कालेज में मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. यासिर हसन राथर बताते हैं, नशा मुक्ति केंद्र में मादक पदार्थों के उपयोग के मामले लगातार आ रहे हैं। हम हर दिन 5 से 10 नए मामले देखते हैं, साथ ही नियमित फॉलोअप भी करते हैं।

हेरोइन का उपयोग थोड़ा कम हो सकता है, लेकिन कई नशेड़ी सस्ती या अधिक सुलभ दवाओं की ओर रुख कर रहे हैं, या पॉलीड्रग का दुरुपयोग कर रहे हैं। डॉ. राथर कहते हैं कि जागरूकता अभियानों और नशा मुक्त भारत अभियान जैसी पहल के कारण हेरोइन के इस्तेमाल में गिरावट आई है, लेकिन दवाइयों का इस्तेमाल बढ़ा है, जिसका पता लगाना कठिन है। डॉ. राथर इसके लिए रोकथाम-आधारित रणनीतियों को सख्ती से लागू किए जाने पर जोर देते हैं।

कश्मीर के टेली-मानस के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मोहम्मद अबरार गुरु कहते हैं कि नशे की लत युवाओं के बड़े वर्ग को प्रभावित कर रही है। इनमें उन युवा रोगियों की अधिक तादाद है जो सिंथेटिक ओपिओइड, भांग और अन्य कई पदार्थों के इस्तेमाल के आदी हैं। यह अब केवल स्वास्थ्य संबंधी चिंता नहीं है, बल्कि परिवारों और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली एक सामाजिक आपात स्थिति है। शोपियां में एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदिल कहते हैं कि रोगी बड़ी संख्या में उपचार की तलाश कर रहे हैं और नियमित आधार पर नए-नए पंजीकरण हो रहे हैं। अधिकांश नशेड़ी हेरोइन के लती हैं, जिन्हें अक्सर साइकोट्रोपिक दवाओं के साथ मिलाया जाता है। हम एविलिन जैसी पशु दवाओं का दुरुपयोग भी पा रहे हैं।

आरएसएस का शताब्दी वर्ष, देश भर में 1500 से ज्यादा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने शताब्दी वर्ष समारोह के तहत देशभर में हिंदू सम्मेलन और जन संपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। इस साल विजयादशमी पर आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल पूरे करेगा।

इस मील के पत्थर को मनाने के लिए 26 अगस्त को आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत की व्याख्यान श्रृंखला के साथ समारोह की शुरुआत होगी, जो दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में आयोजित की जाएगी।

अपने शताब्दी वर्ष के लिए, आरएसएस ने देश भर के हर राज्य के हर ब्लॉक तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। संगठन अपनी स्थानीय शाखाओं (शाखाओं) को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानता है और इस साल शाखाओं की संख्या को एक लाख से ज़्यादा तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। यह जानकारी दिल्ली प्रांत आरएसएस के दिल्ली प्रांत कार्यवाह अनिल गुप्ता ने देव ऋषि नारद पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के दौरान साझा की। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष समारोह का उद्घाटन 26 अगस्त को मोहन भागवत द्वारा चार प्रमुख महानगरों में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के साथ किया जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रव्यापी आउटरीच अभियान भी चलाए जाएंगे।

वर्ष के अंत में, आरएसएस पूरे भारत में 1,500 से 1,600 हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहा है। इस संगठन की स्थापना विजयादशमी के दिन हुई थी, जो इस वर्ष 2 अक्टूबर को है, जो इसकी 100वीं वर्षगांठ है।

इस बीच, गुरुवार को पुणे में दिवंगत आयुर्वेद चिकित्सक और आरएसएस नेता दादा खादीवाले की जीवनी के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस का मूल सिद्धांत अपनापन है। भागवत ने कहा, अगर आरएसएस को एक शब्द में वर्णित किया जाए, तो वह अपनापन होगा। उन्होंने कहा कि समाज में यह भावना और मजबूत होनी चाहिए।

पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने की हो रही कोशिश..

वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर चुनाव आयोग पर हमलावर टीएमसी

कोलकाता, 28 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शनिवार को चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में कहा कि यह पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम है। ओ ब्रायन ने प्रेस वार्ता में कहा कि चुनाव आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण नामक एक अभ्यास कर रहा है, और फिर उन्होंने कहा कि वे इसे बंगाल में भी जारी रखेंगे। इसके तहत, नए और मौजूदा मतदाताओं को जुलाई 1987 से पहले पैदा हुए लोगों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

टीएमसी सांसद ने कहा कि जुलाई 1987 से दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और एक माता-पिता के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। दिसंबर 2004 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और माता-पिता दोनों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। यदि ये दस्तावेज एक महीने के भीतर जमा नहीं किए जाते हैं, तो आपका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। टीएमसी संवैधानिक निकाय के रूप में भारत के चुनाव आयोग का सर्वोच्च सम्मान करती है, लेकिन संवैधानिक निकाय को भाजपा का शाखा कार्यालय नहीं बनना चाहिए।

उन्होंने सवाल किया कि यह अभ्यास अचानक अभी क्यों किया जा रहा है? हमारे पास सबूत हैं कि यह अभी किया जा रहा है क्योंकि बंगाल के लिए भाजपा के नवीनतम आंतरिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि भाजपा को बंगाल विधानसभा चुनावों में 46 से 49 सीटें मिलेंगी।

चीजों को बदलने या बदलने की कोशिश करने की हताशा में, आप ये हताशाजनक चीजें करते हैं। ओ'ब्रायन ने कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) एनआरसी को पिछले दरवाज़े से लाने की कोशिश कर रहा है। 1935 में नाज़ियों के शासन में आपको एक पूर्वज पास दिया जाना था। यह साबित करने के लिए कोई कागज़ का सबूत कि आप एक भारतीय नागरिक हैं, क्या यह उस नाज़ी पूर्वज पास का नया संस्करण है? उन्होंने कहा कि सभी इंडिया ब्लॉक पार्टियाँ इसे संसद के अंदर और बाहर उठाएँगी। ईसी ने कहा था कि 30 अप्रैल, 2025 तक इसका समाधान हो जाएगा। हमारा सवाल यह है कि आपने क्या समाधान निकाला है? हमने मिलने का समय माँगा है। आपने हमें समय नहीं दिया है। शुक्रवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चुनाव आयोग को पत्र लिखा और इस अभ्यास को छोड़ने का आग्रह किया।

सभी जोन की एक ट्रेन में 24 घंटे पहले बनेगा रिजर्वेशन चार्ट

प्रयागराज, 28 जून (एजेंसियां)। रेलवे की नई व्यवस्था के तहत प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को एक दिन पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कंफर्म हुई या नहीं। रेलवे के पायलट प्रोजेक्ट के तहत उत्तर मध्य रेलवे समेत देश के सभी जोनल रेलवे की एक-एक ट्रेन में अब रिजर्वेशन चार्ट एक दिन पहले बनेगा।

उत्तर मध्य रेलवे ने हमसफर एक्सप्रेस तो उत्तर रेलवे ने लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर अब एक दिन पहले ही रिजर्वेशन चार्ट बनाना शुरू कर दिया है। हमसफर में अभी 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी। अभी तक चार्ट ट्रेन के चलने से तकरीबन चार घंटे पहले तैयार किया जाता है। इस वजह से वेटिंग टिकट वाले असमंजस में रहते हैं कि उनका टिकट कंफर्म हो पाएगा या नहीं। ट्रेन रवाना होने के चार घंटे पहले उन्हें पता चल पाता है कि उनका रिजर्वेशन कंफर्म हुआ है या नहीं।

अब रेलवे के नए सिस्टम में चार्ट 24 घंटे पहले तैयार होगा। इससे यात्रियों को अगर टिकट निरस्त कराना हो तो समय भी मिल जाएगा। इस प्रयोग की शुरुआत देश में पहली बार उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल ने छह जून को अवध-आसाम एक्सप्रेस से की थी। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे से प्रयोग के तौर पर एक-एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्ट बनाने के लिए कहा। एनसीआर की बात करें तो यहां नई दिल्ली-आनंद विहार जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस में प्रयोग के तौर पर 24 घंटे पहले चार्टिंग शुरू हो गई है। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि सभी जोनल रेलवे अपनी एक-एक ट्रेन में 24 घंटे पहले चार्टिंग करने जा रहे हैं। कुछ ने शुरू भी कर दी है। अगर प्रयोग सफल रहा तो रेलवे बोर्ड के निर्देश पर अन्य सभी ट्रेनों की भी 24 घंटे पहले चार्टिंग की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। हमसफर में 30 जून तक नई व्यवस्था लागू रहेगी, उसके बाद आगे क्या करना है उस पर निर्णय होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने बताया कि देश में पहली बार बीकानेर मंडल से नई व्यवस्था शुरू की गई। पिछले दिनों रेलवे के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बीकानेर गए थे। तभी उन्होंने यह सुझाव दिया था। इसके बाद अवध-आसाम एक्सप्रेस में 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जाने लगा। कहा कि शुरुआती दस दिन की रेलवे बोर्ड को रिपोर्ट भी भेजी जा चुकी है।

अमरनाथ यात्रा को संभव बनाने में बीआरओ का योगदान

जम्मू, 28 जून (ब्यूरो)। इस बार की वार्षिक अमरनाथ यात्रा की सकुशलता के लिए चाहे सुरक्षाबलों की भूमिका अहम मानी जा रही है पर यात्रा को सुखदायक बनाने में सीमा सड़क संगठन अर्थात बीआरओ की भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता जिसने न सिर्फ 45 किमी लंबे यात्रा मार्ग की चौड़ाई को 5 फुट से 12 फुट तक कर दिया बल्कि गुफा के द्वार तक वाहनों के आने जाने का रास्ता भी तैयार कर दिया।

बीआरओ ने अपने प्रोजेक्ट बीकन के तहत इन दुर्गम स्थलों पर नामुमकिन कार्य को पूरा कर अपने उस कथन को सच जरूर साबित किया है जिसमें वे कहते हैं कि बीआरओ आसमान तक सड़क तैयार कर सकता है। याद रहे बीआरओ का बीकन प्रोजेक्ट लद्दाख सेक्टर में सीमा सीमा तक सड़कें बनाने में भी कामयाब रहा है। बीआरओ के अधिकारियों ने बताया कि कैसे कठिन परिस्थितियों में 17 सौ के लगभग स्थानीय श्रमिकों की मदद से बालटाल और पहलगाम के 45 किमी के अमरनाथ यात्रा मार्ग पर रेलिंग लगाने, पुल और पुलियों के निर्माण, सुरक्षा दीवारें बनने और टाइलें बिछाने के कार्य को अंजाम दिया गया। बीआरओ ने करीब 47 किमी के क्षेत्र से बर्फ भी हटाई और पहली बार बालटाल के रास्ते अमरनाथ गुफा तक वाहनों के चलने लायक मार्ग भी तैयार कर दिया।

लेफ्टिनेंट जनरल राणा ने गढ़वाल राइफल्स के 23वें कर्नल ऑफ द रेजिमेंट का पदभार संभाला

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा ने शनिवार को गढ़वाल राइफल्स के 23वें कर्नल ऑफ द रेजिमेंट के रूप में पदभार संभाल लिया। वह सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे। उत्तराखंड के लैंसडाउन में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में पूरे सैन्य सम्मान के साथ उन्हें औपचारिक रूप से बैटन सौंपा गया।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने अपने कार्यकाल में अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया और रेजिमेंटल मेल-भाव को मजबूत किया, तथा गढ़वाल राइफल्स को परिभाषित करने वाले पेशेवर मानदंडों और सौहार्द के उच्चतम मानकों को कायम रखा।

लेफ्टिनेंट जनरल राणा कुशल नेतृत्वकर्ता और सम्मानित अधिकारी हैं, जो अपने साथ परिचालन अनुभव और रणनीतिक कौशल की दक्षता लेकर आए हैं। पदभार ग्रहण करते हुए उन्होंने वीर गढ़वाली योद्धाओं के चरित्र, अनुशासन और सैन्य विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो हमेशा राष्ट्र की सेवा में अडिग रहे हैं। उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया और रेजिमेंट के बहादुर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हुए युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आएंगी राष्ट्रपति मुर्मू

मुख्यमंत्री योगी ने लिया तैयारियों का जायजा

गोरखपुर, 28 जून (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक जुलाई को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आएंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

पिपरी में बने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक जुलाई को करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इस विश्वविद्यालय परिसर का हवाई सर्वेक्षण, स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा बैठक कर लोकार्पण समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आयुष विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रपति की फ्लीट रूट, राष्ट्रपति के हाथों होने वाले पौधरोपण के स्थल, स्विस कॉटेज/सेफ हाउस, मुख्य मंच, दर्शक दीर्घा आदि की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और सुरक्षा, लोगों की सुविधा और स्वच्छता को लेकर जरुरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कुलपति और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि वे राष्ट्रपति के अवलोकन के लिए आयुष विश्वविद्यालय का एक मॉडल भी बनवाएं। इसमें अकादमिक भवन, ओपीडी,

आईपीडी, ओटी, पंचकर्म केंद्र आदि सभी क्षेत्र और विशेषताएं प्रदर्शित की जाएं। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने आयुष विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में राष्ट्रपति के आगमन से जुड़ी तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक भी की। स्थापना के चार साल के भीतर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नाम उपलब्धियों की लंबी सूची है। पूरे प्रदेश में इसकी पहचान समयानुकूल, रोजगारपरक शिक्षा तथा आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा के संगम के रूप में सुदृढ़ हुई है। 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित इस विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन होने जा रहा है। राष्ट्रपति यहां अकादमिक भवन, करीब पंद्रह सौ लोगों के बैठने की क्षमता के ऑडिटोरियम, ग्यारह कॉटेज वाले विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

एमजीयूजी मॉडर्न मेडिकल एजुकेशन, आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, फार्मेसी शिक्षा के साथ स्नातक और परा स्नातक के अत्याधुनिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन वाले एक बड़े राष्ट्रीय केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां के आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस की पढ़ाई विश्वविद्यालय स्थापना के पहले सत्र से ही हो गई थी जबकि मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स का संचालन पिछले सत्र से हुआ है। यही नहीं, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल संकाय में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में एलाइड हेल्थ साइंसेज फार्मेसी, एग्रीकल्चर, व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के दो दर्जन पाठ्यक्रम संचालित हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह बताते हैं कि यहां के सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं। शिक्षा, चिकिसा, कृषि अनुसंधान, रोजगार व ग्राम्य विकास के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल आदि के साथ एमओयू किया है। इन एमओयू के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में विश्व स्तरीय शोध अनुसंधान के साथ ही स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव कहते हैं कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की नींव में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार हैं, जिनका मानना था कि दासता से मुक्ति, स्वावलंबन व सामाजिक विकास के लिए शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम है। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ भी इसी वैचारिक परंपरा के संवाहक हैं। उनके मार्गदर्शन में इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारतीय ज्ञान मनीषा के आलोक में मूल्य संवर्धित, रोजगारपरक उस शिक्षा को बढ़ावा देना है जो समग्र रूप में सामाजिक व राष्ट्रीय हितों का पोषण कर सके। एमजीयूजी के कुलाधिपति (गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ की मंशा 2032 तक गोरखपुर को 'नॉलेज सिटी' के रूप में ख्यातिलब्ध कराने की है और इसमें एमजीयूजी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को अग्रसर है।

योगी सरकार 2025 में कराएगी एक लाख जोड़ों का सामूहिक विवाह

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बेटियों को विवाह में सहयोग देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को योगी सरकार ने और अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनहितकारी रूप दे दिया है। सरकार ने इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष एक लाख से अधिक जोड़ों के विवाह कराने का लक्ष्य तय किया है। इस योजना को सख्त निगरानी और तकनीकी माध्यम से जोड़ते हुए लाभार्थियों तक पहुंचाने की व्यापक रणनीति बनाई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजना में वित्तीय सहायता राशि को दोगुना किए जाने के बाद अब इस योजना की निगरानी व्यवस्था को भी और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 से हर जोड़े पर एक लाख रुपए खर्च कर रही है। सीएम योगी ने कई बार कहा है कि यह योजना सिर्फ विवाह कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, पारदर्शिता और जरूरतमंदों को सशक्त करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि अब योजना को तकनीकी माध्यम से और अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाया जा रहा है ताकि वास्तविक लाभार्थियों तक इसका फायदा पहुंच सके। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया से लेकर सामग्री आपूर्ति तक के सभी चरणों को डिजिटल निगरानी में लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उपहारों की गुणवत्ता और वितरण को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। अब फर्मों का चयन जिला नहीं, बल्कि निदेशालय स्तर से किया जाएगा, जिससे किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की संभावना को खत्म किया जा सके।

सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए सरकार ने जनपदों में ऑब्जर्वर तैनात करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक जिले के समाज कल्याण अधिकारी को दूसरे जिले में ऑब्जर्वर के रूप में भेजा जाएगा। मंडलीय उपनिदेशक और जिला समाज कल्याण अधिकारी की उपस्थिति विवाह समारोहों में अनिवार्य होगी। कार्यक्रम की निगरानी के लिए आब्जर्वर सीधे निदेशालय या मंडलीय उपनिदेशक को रिपोर्ट करेंगे। यह प्रणाली यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी अनियमितता छिप न सके। अब ऑनलाइन आवेदन से पहले कन्या के आधार सत्यापन में लापरवाही पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही विवाह स्थल पर वर-वधू दोनों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी, ताकि फर्जीवाड़ा रोका जा सके।

शासन स्तर से जनपदीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जाए और इस संबंध में समर्पित अभियान चलाया जाए, जिससे हर वास्तविक पात्र को योजना का लाभ मिल सके। शासन स्तर पर कहा गया है कि सभी जिलों में पारदर्शी और सटीक तरीके से आवेदन की जांच की जाए, साथ ही स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत और आंगनबाड़ी केंद्रों के सहयोग से पात्र जोड़ों की पहचान सुनिश्चित की जाए। योजना के प्रभारी उपनिदेशक आरपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष लगभग एक लाख जोड़ों के सामूहिक विवाह कराए जाने का लक्ष्य समाज कल्याण विभाग ने तय किया है। यह न केवल एक सामाजिक सहायता है बल्कि सामूहिक सहयोग, सामुदायिक भावना और महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने का प्रयास भी है।

लापरवाह अफसरों पर चला सीएम योगी का चाबुक

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने एक बार फिर लापरवाह अफसरों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। इस बार परती भूमि विकास विभाग के प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के चार परियोजना प्रबंधक और तीन अवर अभियंताओं को कार्य में लापरवाही बरतने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। वहीं सीएम योगी ने उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि लापरवाह अधिकारियों के कार्य में कार्रवाई के बाद भी सुधार नहीं आता है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। परती भूमि विकास विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी के मुख्य कार्य अधिकारी जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप समय-समय पर योजनाओं की प्रगति को लेकर विभागीय समीक्षा की जाती है। इसी क्रम में हाल ही में योजना के परियोजना प्रबंधक और अवर अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान परियोजना प्रबंधक और अवर अभियंताओं से परियोजनाओं के डीपीआर के अनुसार पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों के विवरण की जानकारी की गई, लेकिन चार परियोजना प्रबंधक और तीन अवर अभियंता कार्यों का विवरण नहीं दे सके।

इसके साथ ही वर्तमान वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना के बारे में भी नहीं बताया सके।

हाल में हुई बैठक में कार्य में सुस्ती और लापरवाही पर चार परियोजना प्रबंधक और तीन अवर अभियंताओं की कार्यशैली पर सवाल उठे सवाल पर, इसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया। इसके बाद एक्शन लिया गया। उन्होंने उच्च अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अगर कार्रवाई के बावजूद वे अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं करते हैं, तो भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीओ जीएस नवीन ने बताया कि सीएम के निर्देश पर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रथम और द्वितीय की समीक्षा के दौरान प्रयागराज परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह, महोबा परियोजना प्रबंधक संजय कुमार, चित्रकूट कर्वी, परियोजना प्रबंधक देवेंद्र सिंह निरंजन और प्रतापगढ़ परियोजना प्रबंधक चमन सिंह को कार्यों में लापरवाही पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। इसके साथ ही प्रयागराज के अवर अभियंता विश्वजीत यादव, प्रतापगढ़ प्रथम भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय के अवर अभियंता दिनकर और आशीष कुमार यादव को भी कार्यों में लापरवाही पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

कांवड़ यात्रा के लिए योगी सरकार ने की व्यापक तैयारी

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में, नगर विकास विभाग ने आगामी श्रावण मास की कांवड़ यात्रा, सावन मेला और अन्य त्यौहारों के दृष्टिगत नगरीय निकायों में सफाई, रौशनी और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु व्यापक योजना शुरू की है। इसके अतिरिक्त, राज्य में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान भी संचालित किया जा रहा हैं। इन तैयारियों को लेकर नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख सचिव ने सभी शहरी निकायों को सुबह 5 बजे से 8 बजे तक प्रतिदिन सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय स्तर पर माइक्रो-प्लान बनाकर सफाईकर्मियों की बीट तय की जाएगी, ताकि सड़कों, गलियों और मुख्य मार्गों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जा सके। घाटों और कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष ध्यान देते हुए वहां विशेष सफाई कर्मी तैनात किए जाएंगे। एकत्रित कचरे और गाद को तुरंत लैंडफिल स्थलों या निर्धारित स्थानों पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे सड़कों पर गंदगी न फैले।

जलभराव की समस्या से निपटने हेतु चिन्हित क्षेत्रों में माइक्रो-प्लान बनाकर नियमित एंटी-लार्वा छिड़काव दिन में और फॉगिंग शाम को कराया जाये। कांवड़ शिविर स्थलों पर भी प्रतिदिन एंटी-लार्वा स्प्रे और फॉगिंग अनिवार्य रूप से करने के भी निर्देश दिए गए। यात्रा मार्गों और अन्य नगरीय क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर, मलेथियान और चूने का छिड़काव भी नियमित रूप से किया जाएगा। कांवड़ मार्गों और शिविर स्थलों पर पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग मोबाइल व अस्थायी शौचालय बनाए जाएंगे, जिन्हें दिन में कम से कम दो बार साफ किया जाएगा। यात्रा मार्गों पर झाड़ियों और अवांछनीय वनस्पति की सफाई, नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी।

कांवड़ मार्गों पर नियमित अंतराल पर पानी की टंकियां और प्याऊ लगाई जाएंगी। हैंडपंप, पाइपलाइन व अन्य जलापूर्ति उपकरणों की निगरानी व मरम्मत सुनिश्चित की जाएगी। जल के नमूनों का ओटी टेस्ट, विषाणुजनित, जीवाणुजनित और रासायनिक परीक्षण नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। सीवर और जल पाइप लाइनों की जांच कर किसी भी प्रकार की टूट-फूट को तत्काल ठीक किया जाएगा। नगरीय निकायों के यांत्रिक विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी स्ट्रीट लाइटें कार्यशील रहें। जहां आवश्यक हो वहां मरम्मत, रखरखाव या प्रतिस्थापन किया जाएगा। कांवड़ यात्रा मार्गों और शिविर स्थलों पर नियमित विद्युत आपूर्ति के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे प्लास्टिक थैली, कप, प्लेट, थर्माकोल आदि के उपयोग पर रोक लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। कांवड़ यात्रा को जीरो प्लास्टिक इवेंट के रूप में आयोजित किया जाएगा। कचरे के उचित निस्तारण के लिए डस्टबिन लगाए जाएंगे और जनता को जूट या कपड़े के बैग के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अभियान में एनसीसी कैडेट, विद्यार्थी, स्वयंसेवी व सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। नगरीय निकायों में पार्कों, सड़कों, फुटपाथों व पार्किंग क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने हेतु विशेष अभियान चलाए जायेंगे । निराश्रित गौवंश को संवेदनशीलता के साथ गौशालाओं में पहुंचाया जाएगा। तीर्थयात्रियों के विश्राम हेतु अस्थायी सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही, सूचना, शिक्षा और संचार अभियान के माध्यम से स्वच्छता, कचरा पृथक्करण और प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर जनजागरूकता फैलाई जाएगी। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगमों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की सहायता ली जाएगी।

प्रत्येक नगरीय निकायों में नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी की अध्यक्षता में एक समर्पित निगरानी सेल गठित की जाएगी। ये अधिकारी माइक्रो-प्लान तैयार कर दैनिक प्रगति की निगरानी करेंगे तथा निदेशक, स्थानीय निकाय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। निदेशालय द्वारा डीसीसीसी के माध्यम से निगरानी की जाएगी और राज्य सरकार को साप्ताहिक रिपोर्ट भेजी जाएगी।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात में कहा राज्य सरकार सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित कांवड़ यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारी व्यापक योजना में सफाई, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल व प्रकाश व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हम जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए रोग नियंत्रण अभियानों को भी गति दे रहे हैं और कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक-मुक्त बनाकर पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। नगरीय निकायों को इन योजनाओं का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मशरूम की खेती को मिल रहा यूपी में प्रोत्साहन

मशरूम की खेती से लेकर कारोबार तक में महिलाएं भी सक्रिय

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में मशरूम की खेती को भी प्रोत्साहन दे रही है। प्रदेशभर में इसके तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजधानी लखनऊ समेत आठ जिलों में इस लाभकारी कारोबार ने रफ्तार भी पकड़ ली है। विशेष अभियान के तहत किसानों को मशरूम की खेती से जोड़कर न केवल रोजगार दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें तकनीकी व वैज्ञानिक खेती की ओर भी अग्रसर किया जा रहा है।

मशरूम की खेती केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रही, अब महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख रही हैं। मथुरा की गीता देवी और हरदोई की सोनाली सभरवाल प्रदेश की महिलाओं के लिए नई प्रेरणा बन गई हैं। गीता देवी

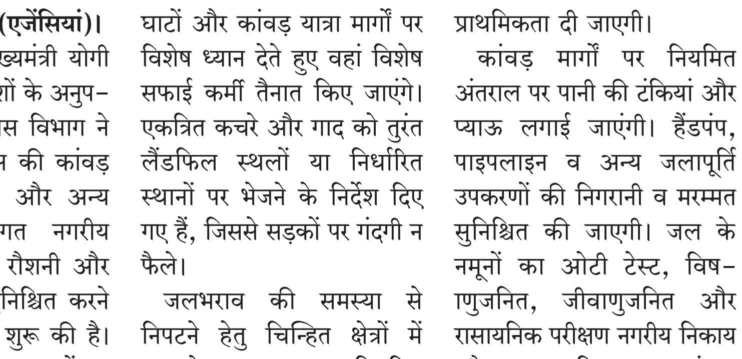

ने ढाई साल पहले मशरूम की खेती की शुरुआत की थी। उन्होंने योगी सरकार के सहयोग से 1 करोड़ 61 लाख रुपए के प्रोजेक्ट की नींव रखी। उन्हें 70 लाख रुपए का लोन मिला और आज मथुरा से लेकर आगरा और दिल्ली तक उनकी उगाई गई मशरूम की सप्लाई हो रही है। गीता देवी के इस प्रोजेक्ट से उन्हें हर साल 20 से 25 लाख रुपए तक की आय हो रही है। वे न केवल आसपास के लोगों के लिए बल्कि अन्य जिलों की महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गई हैं। सोनाली सभरवाल ने भी हरदोई में मशरूम की खेती को एक मिशन के तौर पर अपनाया है और अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं।

जिन आठ जिलों में मशरूम की खेती से किसानों की अच्छी कमाई हो रही है, उनमें लखनऊ, मथुरा, सहारनपुर, मिर्जापुर, जौनपुर, हरदोई, रायबरेली और भदोही जिले शामिल हैं। राज्य सरकार तकनीकी और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए किसानों को संसाधन और सहयोग दे रही है। इन योजनाओं से किसान न केवल पारंपरिक खेती से आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि हाई प्रॉफिट वाले एग्री बिजनेस को भी अपना रहे हैं।

एआईएफ के तहत लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 3 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 3 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जा रही है। मशरूम उत्पादन को लेकर किसानों को ट्रेनिंग, वर्कशॉप और फील्ड विजिट के जरिए पूरी तकनीकी जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञ टीमें किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए लगातार मार्गदर्शन कर रही हैं। इससे उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ किसानों की आमदनी में भी इजाफा हो रहा है। उत्तर प्रदेश में तकनीकी कृषि और महिलाओं की भागीदारी से अब खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और समृद्धि का माध्यम बन चुकी है।

टेरर फंडिंग पर अंकुश लगाने के गुर सीखेंगे पुलिसकर्मी

एएसपी से लेकर सिपाही तक को मिलेगी ट्रेनिंग

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। यूपी के पुलिसकर्मी टेरर फंडिंग पर अंकुश लगाने के गुर सीखेंगे। इसके लिए एएसपी से लेकर सिपाही तक के नामांकन मांगे गए हैं। इन्वेस्टिगेशन ऑफ टेरर फंडिंग के तीन कोर्सों के तहत वर्चुअल डाटा एसेट्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुंबई आतंकी हमले के बाद गठित नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के अनुरोध पर गृह मंत्रालय गाजियाबाद स्थित ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरएंडडी) के सीडीटीआई सेंटर में इसका बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस कोर्स कराएगा। इसके लिए एडिशनल एसपी से लेकर सिपाही तक के नामांकन मांगे गए हैं।

ये कोर्स 8 सितंबर से 5 दिसंबर तक संचालित होंगे। इससे पुलिस को आतंकियों की धरपकड़ के बाद फाइनेंशियल ट्रेल का पता लगा उनके मददगारों पर भी कानूनी शिकंजा कसने में आसानी होगी। इस बाबत पुलिस मुख्यालय में डीआईजी प्रशिक्षण राम सिंह यादव ने पुलिस की सभी शाखाओं के प्रमुखों, एडीजी जोन, पुलिस कमिश्नर आदि को पत्र भेजकर एडिशनल एसपी से लेकर सिपाहियों तक के नामांकन 10 अगस्त तक मुहैया कराने को कहा है। पत्र के मुताबिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ टेरर फंडिंग के तीनों कोर्स के तहत वर्चुअल डाटा एसेट्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक कोर्स के लिए 40 कर्मियों का चयन किया जाना है, जिसमें सिपाही, मुख्य आरक्षी, सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर, डिप्टी एसपी और एडिशनल एसपी रैंक के अफसर शामिल होंगे।

जिज्ञासा

विश्व की सबसे छोटी इलेक्ट्रिक मोटर

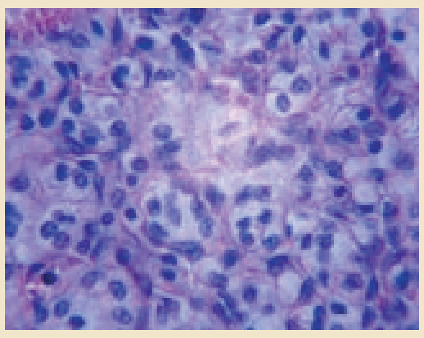

टफ्ट्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विश्व की सबसे छोटी इलेक्ट्रिक मोटर तैयार की है, जिसका आकार अणु के बराबर है।

छोटे आकार की मोटर के विकास से वैज्ञानिकों को मेडिसीन से इंजीनियरिंग तक के क्षेत्रों में नए स्तर पर उपकरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

विश्व की सबसे छोटे आकार की इलेक्ट्रिक मोटर एक नैनोमीटर से भी कम है, जबकि मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 200 नैनोमीटर की मोटर के नाम है।

टफ्ट्स विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस मोटर के छोटे आकार का इसी बात के अनुमान लगाया जा सकता है कि मनुष्य के एक बाल की चौड़ाई 60,000 नैनोमीटर के बराबर होती है।

टफ्ट्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ता चार्ल्स एच.स्काइस की टीम इस मोटर को एक 'लो टेम्प्रेचर स्कैनिंग टनेलिंग माइक्रोस्कोप' (एलटी-एसटीएम) के माध्यम से नियंत्रित करते हैं। एलटी-एसटीएम जैसे उपकरण अमेरिका में 100 के बराबर ही हैं।

दो सूर्य वाले ग्रह की खोज

खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे ग्रह के खोजने का दावा किया है जो दो सूर्य की परिक्रमा करता है। यह ठीक उसी तरह का है जैसा फिल्म स्टार वार्स में काल्पनिक ग्रह टैटूइन को दिखाया गया है।

नासा के केप्लर अंतरिक्षयान से पता लगाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय दल ने कहा कि यह केप्लर-16बी ग्रह पृथ्वी से करीब 200 प्रकाश वर्ष दूर है और संभवत: जमे हुए पत्थर और गैस का बना हुआ है और इसका आकार शनि ग्रह के बराबर है।

यह दो तारों की परिक्रमा कर रहा है और ये तारे भी एक दूसरे की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें से एक का आकार हमारे सूर्य का तिहाई है, जबकि दूसरा सूर्य के पांचवें हिस्से के बराबर है। प्रत्येक तारे को एक चक्र पूरा करने में 229 दिन का समय लगता है और प्रत्येक तीन हफ्ते पर एक दूसरे के पर ग्रहण उत्पन्न करते हैं।

इस दल के सदस्य और वाशिंगटन डीसी के कारनेजी इंस्ट्टियूशन फोर साइंस में अनुसंधानकर्ता अलान बोस के हवाले से मीडिया में कहा गया है दोनों तारों के एक दूसरे के अत्यंत निकट होने की वजह से कभी भी लगातार सूर्य का प्रकाश प्राप्त नहीं होता है।

मीडिया के मुताबिक, वे दोनों प्रत्येक 20.5 दिन में एक दूसरे के निकट ग्रहण के तौर आते हैं और उसके बाद अलग हो जाते हैं। अलगाव में बढ़ोतरी होने से वे अलग-अलग अवधियों में डूबते हैं। दल ने केप्लर अंतरिक्ष यान द्वारा संग्रहित आंकड़ों में असमान्य सिंग्नलों को देखकर इस ग्रह की खोज की।

लोभी दरजी

(बाल-कहानी)

एक था दरजी, एक थी दरजिन। दोनों लोभी थे। उनके घर कोई मेहमान आता, तो उन्हें लगता कि कोई आफत आ गई। एक बार उनके घर दो मेहमान आए। दरजी के मन में फिकर पैदा हो गई। उसने सोचा कि ऐसी कोई तरकीब चाहिए कि ये मेहमान यहां से चले जायें।

दरजी ने घर के अन्दर जाकर दरजिन से कहा, 'सुनो, जब मैं तुमको गालियां दूं, तो जवाब में तुम भी मुझे गालियां देना। और जब मैं अपना गज लेकर तुम्हें मारने दौडू़ तो तुम आटे वाली मटकी लेकर घर के बाहर निकल जाना। मैं तुम्हारे पीछे-पीछे दौडू़गा। मेहमान समझ जायेंगे कि इस घर में झगड़ा है, और वे वापस चले जायंगे।'

दरजिन बोली, 'अच्छी बात है।'

कुछ देर के बाद दरजी दुकान में बैठा-बैठा दरजिन को गालियां देने लगा। जवाब में दरजिन ने भी गालियां दीं। दरजी गज लेकर दौड़ा। दरजिन ने आटे वाली मटकी उठाई और भाग खड़ी हुई।

मेहमान सोचने लगे, 'लगता है यह दरजी लोभी है। यह हमको खिलाना नहीं चाहता, इसलिए यह सारा नाटक कर रहा है। लेकिन हम इसे छोड़ेंगे नहीं। चलो, हम पहली मंजिल पर चलें और वहां जाकर-सो जाएं। मेहमान ऊपर जाकर सो गए। यह मानकर कि मेहमान चले गए होंगे, कुछ देर के बाद दरजी और दरजिन दोनों घर लौटे। मेहमानों को घर में न देखकर दरजी बहुत खुश हुआ और बोला, 'अच्छा हुआ बला टली।'

फिर दरजी और दरजिन दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने लगे।

दरजी बोला, 'मैं कितना होशियार हूं कि गज लेकर दौड़ा!'

दरजिन बोली, 'मैं कितनी फुरतीली हूं कि मटकी लेकर भागी।'

मेहमानों ने बात सुनी, तो वे ऊपर से ही बोले, 'और हम कितने चतुर हैं कि ऊपर आराम से सोए हैं।'

सुनकर दरजी-दरजिन दोनों खिसिया गए। उन्होंने मेहमानों को नीचे बुला लिया और अच्छी तरह खिला-पिलाकर बिदा किया।

मिल गयी दूसरी पृथ्वी?

यूरोपीय खगोलविदों ने एक अमेरिकी सम्मेलन में, हमारी सौर प्रणाली के बाहर 50 अन्य ग्रहों की खोज की घोषणा की है। इन ग्रहों में सर्वाधिक दिलचस्प वह ग्रह है, जिसे खगोलविदों ने रहने योग्य क्षेत्र या गोल्डीलॉक्स जोन बताया है।

अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि यह ग्रह न तो बहुत गर्म है और न ही इतना अधिक ठण्डा है कि वहाँ पानी मौजूद न रहे। किसी भी ग्रह मे पानी की मौजूदगी का मतलब है उस ग्रह पर पृथ्वी की तरह जीवन के लिए अनकूलता। पहले ऐसे गोल्डीलॉक्स ग्रहों की खोज में केवल एक ही ग्रह का पता चला था। यह खोज 2007 में हुई थी।

नए ग्रह के साथ एक तारामंडल का भी पता चला है। नए ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान की तुलना में 3.6 गुना अधिक है। इस ग्रह में अत्यधिक आर्द्रता के साथ तापमान 85 से 120 डिग्री (30 से 50 डिग्री सेल्सियस) हो सकता है। इस अध्ययन से जुड़ी, जर्मनी के मैक ?स प्लैंक इंस्टीटयूट की खगोलविद लीजा कैटनेजर ने कहा है कि यहां बहुत उमस होगी। हम यह नहीं कह रहे हैं कि यह आपके और मेरे रहने योग्य है, लेकिन हो सकता है कि यहाँ जीवन शायद छोटा हो या अन्य ग्रहों के प्राणी यहाँ हों। ये प्राणी शायद मानव की तुलना में भूमि के अधिक करीब हों क्योंकि पृथ्वी जैसे इस विशाल गृह में गुरूत्व हमारे ग्रह के गुरूत्व की तुलना में 1.4 गुना अधिक है।

खगोलविद मान रहे हैं कि यह ग्रह रहने योग्य है। इसका कम से कम 60 फीसदी भाग बादलों से ढ़का है। पृथ्वी का करीब 50 फीसदी भाग बादलों से ढ़का है। इसलिए 60 फीसदी असामान्य नहीं है। नए ग्रह का नाम एचडी-85512बी रखा गया है। यह उस तारे के वलयों के समीप है, जिसकी दूरी पृथ्वी में मौजूद तारामण्डल वेला से 35 प्रकाश वर्ष है। एक प्रकाश वर्ष का मतलब प्रकाश द्वारा एक वर्ष में चली गयी कुल दूरी होती है। यह लगभग 5.8 खरब मील होता है।

इस ग्रह में एक वर्ष में 60 दिन होते हैं। जीवन के लिए यह ग्रह अत्यधिक गर्म नहीं है और इसका कारण यह है कि इसका सूर्य हमारे सूर्य की तुलना में करीब 1800 डिग्री ठण्डा है। इन नए ग्रहों की खोज यूरोपियन सदर्न आब्जर्वेटरी से की गयी, जो चिली में है। इस खोज ने बृहस्पति जैसे ग्रहों की तुलना में पृथ्वी से अधिक मिलते-जुलते द्रव्यमान वाले ग्रहों की संख्या दोगुनी कर दी है।

नानी पड़ी हाथी पर भारी

लोक कथाए

एक घने जंगल में नदी किनारे छोटा-सा खरगोश रहता था। उस नदी का पानी मीठा व ताजा था। बहुत दिनों तक वर्षा न होने के कारण नदी-नाले सूखने लगे लेकिन वो नदी नहीं सूखी उस नदी में अभी बहुत जल था। घूमते-घूमते एक हाथी वहां आ पहुंचा। पानी देखते ही हाथी ने छलांग लगा दी और जी-भरकर स्नान किया और खरगोश से बोला-'देखो जी, यह नदी मेरी है।

यहां मैं और मेरा परिवार ही पानी पी सकते हैं। हाथी ने खरगोश को उस नदी की रखवाली के लिए नियुक्त किया। खरगोश इतने बड़े हाथी को देखकर पहले घबराया फिर विनय से बोला-'हाथी दादा, मेरी भी एक शर्त है?' 'वह क्या? हाथी ने मस्ती में पूछा।' 'मेरे भोजन का इंतजाम आप करेंगे, क्योंकि मैं तो पानी की रखवाली करूंगा।' हाथी खुशी-खुशी मान गया। अगले दिन हाथी परिवार के साथ वहां आ पहुंचा। वह खरगोश के लिए बहुत-सी गाजरें व हरी घास लाया था। बुद्धू हाथी इतना भी नहीं जानता था कि छोटा-सा खरगोश इतना सारा भोजन कैसे खा सकता है?

खैर, खरगोश भी कम चालाक न था। उसने सारा सामान भविष्य के लिए संभाल लिया। हाथी और उसके बच्चों ने खूब हुड़दंग मचाया और चले गए। शाम को कई छोटे-छोटे जीव पानी पीने आए किंतु खरगोश ने हाथी का डर दिखाकर उन्हें भगा दिया।

इसी तरह कई दिन तक वह भोजन इकट्ठा करता रहा और हाथी के पानी की रखवाली करता रहा। बेचारे छोटे-छोटे पशु-पक्षी प्यास से तड़पने लगे। एक दिन खरगोश की नानी आ पहुंची। वह प्यास के मारे बेदम थी। बहुत-सा पानी पीकर बोली, 'रास्ते में एक नदी पर पानी पीने रुकी तो एक बंदर ने रोक लिया और बोला कि यह ऊंट की नदी है। यहां तुम पानी नहीं पी सकतीं।'

खरगोश ने सुना तो उसने बंदर को खूब भला-बूरा कहा। नानी जानती थी कि उसका खरगोश भी हाथी की नदी की रखवाली करता है, जिसके कारण पशु-पक्षी परेशान हैं. वह खरगोश से बोली, 'जानते हो बेटा, यदि मुझे थोड़ा पानी न मिलता तो मैं मर जाती।' 'नहीं नानी, ऐसा मत कहो' छोटा खरगोश नानी से चिपक गया। नानी ने प्यार से समझाया-'बेटे, नदी के पानी पर सभी जीवों का बराबर का अधिकार है। यह पानी हमें भगवान ने दिया है ताकि उसे पीकर हम अपने प्राणों की रक्षा कर सकें. फिर भला हाथी, नदी का मालिक कैसे बन सकता है?' नानी ने खरगोश को एक तरकीब बता दी। अगली सुबह जब हाथी आया तो खरगोश फुदका-'हाथी दादा, ऊंट आया था। वह कहता है कि इस नदी का पानी भी उसका है। इसे कोई हाथ नहीं लगाएगा।' सुनते ही हाथी दादा आग-बबूला हो गए। वे सीधे ऊंट के पास पहुंचे और भिड़ गए। कुछ ही देर में दोनों शक्तिशाली जानवर घायल होकर विपरीत दिशाओं में भाग गए। दोनों नदियों का पानी सभी जीवों को मिलने लगा। फिर नानी ने छोटे खरगोश को गोद में बिठाकर प्यार किया और कहा- 'वह भोजन जो तुमने हाथी दादा से इकट्ठा किया था, वह सब खरगोशों में बांट दो। लालच में बटोरा गया भोजन हजम नहीं होता' उस शाम नदी के किनारे जंगल के सभी छोटे खरगोशों की दावत हुई। नानी ने सबको अच्छी-अच्छी बातें बताईं। छोटे खरगोश की कहानी से सबने सबक लिया कि वह कभी भी किसी बड़े जानवर से डरकर छोटे जीवों को कष्ट नहीं देंगे। लालच से भी बचकर रहेंगे

हास्य

संता को आए बुरे सपने

संता को हर रात बुरे सपने आ रहे थे। उसने डॉक्टर के पास जाने की सोची।

डॉक्टर ने पूछा, 'हां, तो आप सपने नें क्या देखते हैं?'

संता: मैं देखता हूं कि खून पीने वाले चमगादड़ मेरा पीछा कर रहे हैं। डॉक्टर को मन ही मन हंसी आ गई। उसने फिर पूछा, 'इस सपने का दृश्य कैसा था?'

संता: मैं हॉल में दौड़ रहा था और सभी चिमगादड़ मेरा पीछा कर रहे थे।

डॉक्टर: फिर क्या हुआ?

संता: यही तो अजीब बात थी! हर बार मैं एक ही चीज देखता हूं, मैं हर बार भाग कर दरवाजे तक जाता हूं पर दरवाजा नहीं खोल पाता। मैं दरवाजे पर धक्के मारता रहता हूं पर दरवाजा जरा भी नहीं खुलता!

डॉक्टर: क्या दरवाजे पर कुछ लिखा हुआ भी देखा था?

संता: अरे हां। लिखा था, 'दरवाजा अंदर की तरफ खींचें'।

क्या आप जानते हैं।

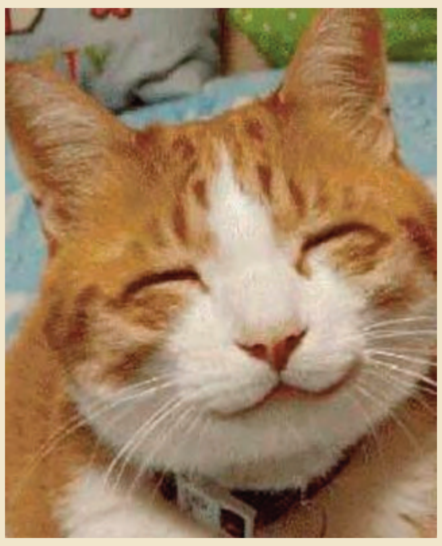

- किसी भी सामान्य आकार के कागज को 7 से अधिक बार दोहरा मोड़ा (folded in half) नहीं जा सकता।
- एक रानी मधुमक्खी प्रतिदिन 1500 अण्डे देती है।
- केवल हाथी ही 4 घुटनों वाला एक मात्र जानवर है।
- जब बिल्लियाँ खुश होती हैं तो वे अपनी आँखें बंद कर लेती हैं।
- हिन्दी वेबसाइटसमस्त विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 500,000 पता लगाए जा सकने वाले भूकंप आते हैं जिनमें से लगभग 100,000 का अनुभव किया जा सकता है और लगभग 100 विनाशकारी होते हैं।
- शरीर में केवल जीभ ही एक ऐसी मांस पेशी (muscle) जो केवल एक ओर से जुड़ी होती है।
- मनुष्य अपने द्वारा देखे गए सपनों में से 90प्रतिशत को भूल जाता है।
- सोचते समय हम अपने दिमाग के लगभग 35प्रतिशत भाग का ही प्रयोग करते हैं।
- रंगीन टीवी आने के बाद से लोगों को आने वाले सपनों में श्वेत श्याम (black and white) सपनों की संख्या कम हो गई है।क्या आप जानते हैं।

'गुब्बारे' जैसे हवाई जहाज में होगी माल ढुलाई

लंदन। इस दशक के आखिर तक माल ढुलाई की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आ जाएगा और गुब्बारे जैसे विमानों (एयरशिप) से माल ढुलाई की जाने लगेगी।

अमेरिका का नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन हवाई जहाजों की नई पीढ़ी का विकास कर रहा है। अगले साल तक इसका प्रारम्भिक प्रारूप बन कर तैयार हो जाने की उम्मीद है। इसके विकास के बाद ट्रकों, ट्रेनों और पानी के जहाजों की जगह इन गुब्बारे जैसे विमानों से सैकड़ों टन माल की ढुलाई की जाने लगेगी।

परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये जहाज 2020 तक बन कर तैयार हो जाएंगे।

इस प्रकार के जहाजों का उपयोग 1920 और 1930 के दशक में काफी होता था, लेकिन अनेक दुर्घटनाओं के बाद इनकी लोकप्रियता घट गई। न्यूजर्सी में 1937 में हिंडेनबर्ग दुर्घटना में 36 लोग मारे गए थे।

गुब्बारे जैसे इन विमानों का प्रारूप कैलीफोर्निया की कम्पनी एरोस में तैयार किया जा रहा है।

पिंक पैरट फ्लावर

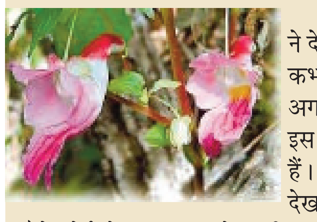

हरे रंग का तोता तो आप सभी ने देखा ही होगा, लेकिन क्या आपने कभी गुलाबी रंग का तोता देखा है? अगर नहीं, तो आज हम आपको इस गुलाबी तोते के बारे में बता रहे हैं। दरअसल, यह एक फूल है, जो देखने में बिलकुल ऐसा लगता है जैसे कोई तोता उड़ रहा हो। इसी कारण इसे 'पैरट फ्लावर' कहते हैं।

पैरट फ्लावर कुदरत की कई खूबसूरत रचनाओं में से एक है। यह तोते और फूल का सुंदर व दुर्लभ संयोजन है। पौधे पर लटकते हुए नाजुक पैरट फ्लावर को आप किसी भी कोण (एंगल) से देखें, आपको वे गुलाबी तोते जैसे ही दिखाई देंगे। यह फूल छह फुट तक ऊंचा हो सकता है। थाईलैंड के किसी फोटोग्राफर द्वारा इसकी तस्वीरें नेट पर डालने से पहले अधिकतर लोग यही मानते थे कि वास्तव में ऐसा कोई फूल नहीं हो सकता। इस प्लांट की बोटैनिकल वर्ल्ड से पहचान 1901 में बोटैनिस्ट ईडी हूकर ने करवाई थी। हूकर ने सबसे पहले यह प्लांट भारत के एक पूर्वी राज्य में देखा था। जहां से वह इसके बीजों को लंदन के रॉयल बोटैनिक गार्डन क्यू ले गए, लेकिन पहले साल के बाद इन बीजों ने पुर्नउत्पादन नहीं किया।

पैरट फ्लावर का वैज्ञानिक नाम 'इम्पेशंस पिस्ताचिना' है। पिस्ताचिना शब्द का अर्थ है- तोते जैसा। यह बहुत दुर्लभ प्लांट है, जो सिर्फ बर्मा के कुछ इलाकों और उत्तरी थाईलैंड के छोटे से हिस्से (चियांग माई के पास) और भारत केएक पूर्वी राज्य में ही पाया जाता है। पैरट फ्लावर की खेती करने वालों का कहना है कि इसे उगाना बहुत मुश्किल है। इसके लिए मिट्टी भी खास किस्म की जरूरी होती है। यह अक्तूबर और नवंबर के महीने में खिलता है। यह ऊष्णकटिबंधीय, आद्र और नम वातावरण में होता है। यदि आप सोच रहे हैं कि आप भी अपने घरों में इस फूल को लगाएंगे, तो आप जान लीजिए, ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति इसे खरीद नहीं सकता। चूंकि ये बहुत दुर्लभ फूल हैं, इसलिए थाईलैंड में इसे सुरक्षित फूल का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि फूल या इसके बीजों का निर्यात थाईलैंड में संघीय अपराध माना जाता है।

हम बताएं, आप बनाएं

ईरान ने अमेरिका को चेताया कहा- खामेनेई के प्रति अच्छी भाषा का इस्तेमाल करें ट्रंप

तेहरान, 28 जून (एजेंसियां) ।

भले ही अमेरिका कितना ही शंहशाह बनने की कोशिश कर ले, लेकिन ईरान आईना दिखाने से पीछे नहीं हटता है। एक बार ईरान ने अमेरिका को चेताते हुए साफ कहा कि सर्वोच्च नेता खामेनेई के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अच्छी भाषा का उपयोग करें। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेताते हुए कहा कि अगर वे सच में कोई समझौता चाहते हैं, तो उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई के प्रति अपनी 'अस्वीकार्य' भाषा छोड़नी होगी। ट्रंप ने इससे पहले खामेनेई को खुली चुनौती दी थी और ईरान पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। वहीं, अमेरिका द्वारा ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हाल ही में किए गए हमलों पर भी बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिका ने इस्फहान जैसे गहरे भूमिगत ठिकाने पर 'बंकर बस्टर' बम न गिराने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वहां यह असरदार नहीं होते। इसके अलावा सैटेलाइट तस्वीरें भी इस बात की पुष्टि कर रही हैं कि फोर्दो परमाणु केंद्र में फिर से हलचल शुरू हो गई है। जिस जगह बम गिरे थे वहां जेसीबी मशीनें और मिट्टी ढोने वाले ट्रक हैं।

ट्रंप ने कहा मैनें खामेनेई की जान बख्श दी, ईरान पर फिर करुंगा बमबारी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने यूरेनियम संवर्धन जारी रखा, तो वह दोबारा बम गिराने से पीछे नहीं हटेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने दो टूक कहा, 'बिना किसी सवाल के, मैं फिर से ईरान पर बम गिराऊंगा। यह बयान उस वक्त आया जब ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अमेरिका को हराने का दावा किया था। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, 'यू गॉट बीट टू हेल', यानी 'तुम्हें बुरी तरह हराया गया था। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने आखिरी समय पर इजरायली फाइटर जेट्स को तेहरान पर हमला करने से रोका, वरना भयंकर तबाही होती।

इसी बीच रूस ने यूक्रेन के पोक्रोवस्क शहर के पास 1.10 लाख सैनिकों को तैनात कर दिया है। ये वही इलाका है जिसे पिछले एक साल से रूस अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन की सेना के अनुसार, यह फिलहाल सबसे 'गर्म मोर्चा' बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

नागरिकता का मामलाः अमेरिका में एक्शन रोकने की जजों की ताकत पर लगाम लगी

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद पर दोबारा आने के पहले दिन ही यह कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसके अनुसार, अब अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चे को तभी नागरिकता मिलेगी, जब उसके माता-पिता में से कम से कम एक के पास अमेरिकी नागरिकता या वैध निवास (ग्रीन कार्ड) हो। ट्रंप के आदेश को 14वें संशोधन के खिलाफ बताया गया, जो कहता है कि 'संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्म लेने वाले और इसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी व्यक्ति अमेरिका के नागरिक माने जाएंगे'। यह संशोधन 1868 में गृहयुद्ध के बाद लागू हुआ था और दासप्रथा खत्म करने के बाद नागरिकता सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था। 22 राज्यों के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल्स, प्रवासी अधिकार कार्यकर्ता और कई गर्भवती अप्रवासी महिलाओं ने ट्रंप के आदेश को अदालत में चुनौती दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अभी इस आदेश की संवैधानिकता पर कोई अंतिम फैसला नहीं दिया है, लेकिन कोर्ट ने ट्रंप के समर्थन में यह जरूर कहा कि निचली अदालतें नेशनवाइड इंजंक्शन जारी करने के अधिकार से आगे जा रही हैं। इस फैसले से अमेरिका की न्यायिक प्रणाली में एक बड़ा मोड़ आया है। यह साफ संदेश है कि निचली अदालतें अब पूरे देश पर लागू आदेश नहीं दे सकतीं, खासकर जब मामला कार्यपालिका की नीति से जुड़ा हो। ट्रंप के इमिग्रेशन, बजट में कटौती, और एजेंसियों पर नियंत्रण जैसे कई फैसलों को निचली अदालतों ने रोक दिया था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि निचली अदालतों की शक्तियों की एक सीमा है। जस्टिस एमी कोनी बैरेट, जिन्हें ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया था, उन्होंने बहुमत वाले फैसले में लिखा, 'संघीय अदालतों को कार्यपालिका की निगरानी का सामान्य अधिकार नहीं दिया गया है। उन्हें केवल वही अधिकार प्राप्त हैं जो कांग्रेस ने सौंपे हैं।

नेतन्याहू का दावा बोले- हमने गाजा में कोई अमानवीय कार्य नहीं किया

तेल अवीव। इजरायल की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने गाजा में न सिर्फ घृणित रक्त-अपराध किए बल्कि मानवीय सहायता के इंतजार में खड़े लोगों पर गोली चलाने का आदेश दिया। रिपोर्ट को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आईडीएफ के सैनिकों को निर्दोष लोगों को नुकसान न पहुंचाने के स्पष्ट आदेश दिए गए हैं और वे इसका पालन करते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेज) ने गाजा में निहत्थे और मानवीय सहायता का इंतजार कर रहे लोगों पर गोली नहीं चलाई। दोनों नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि यह दुर्भावनापूर्ण झूठ है जो विश्व की सबसे नैतिक सेना आईडीएफ को बदनाम करने के लिए गढ़ा गया है। आईडीएफ आतंकवादी दुश्मनों के खिलाफ कठिन परिस्थितियों में काम करता है। इजरायल सभी स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देशों से आह्वान करता है कि वह हमास आतंकवादी संगठन के खिलाफ न्यायपूर्ण और नैतिक लड़ाई में उसके साथ खड़े हों। ईरान और इजरायल के बीच हाल ही में एक भीषण युद्ध समाप्त हुआ है।

ये भी चमत्कार हैः दुनिया का सबसे सूखा रेगिस्तान 10 साल बाद बना बर्फीला स्वर्ग

चिली। दुनिया का सबसे सूखा, सबसे वीरान और चंद्रमा-जैसा दिखने वाला अटाकामा रेगिस्तान जब बर्फ की चादर से ढका मिला तो हर किसी की आंखें फटी की फटी रह गईं। उत्तरी चिली के इस सूखे रेगिस्तान में ऐसा नजारा एक दशक बाद देखने को मिला है, जिसे देखकर वहां के लोग ही नहीं पूरी दुनिया हैरान है। सैंटियागो यूनिवर्सिटी के जलवायु वैज्ञानिक राउल कोर्डेरो ने बताया कि अभी ये कहना जल्दबाजी होगी कि ये बर्फबारी क्लाइमेट चेंज से जुड़ी है। लेकिन यह जरूर है कि भविष्य में अटाकामा जैसी सूखी जगहों पर बारिश और बर्फबारी की घटनाएं ज्यादा देखने को मिल सकती हैं। अटाकामा रेगिस्तान को दुनिया के सबसे साफ और अंधेरे आसमान वाला इलाका माना जाता है। यहां वैज्ञानिक दूरबीनें लगाकर अंतरिक्ष की गहराइयों में झांकते हैं। लेकिन इस बार अंतरिक्ष की नहीं बल्कि जमीन पर गिरी बर्फ की चर्चा हो रही है। 9500 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे ताकतवर रेडियो टेलीस्कोप साइट एएलएमए ने सोशल मीडिया पर बर्फ से ढके अटाकामा की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए और लिखा, अविश्वसनीय! दुनिया का सबसे सूखा रेगिस्तान अब बर्फ से ढका हुआ है।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, 13 जवानों की मौत 10 गंभीर रूप से घायल, 19 नागरिकों को भी आई चोट

इस्लामाबाद ,28 जून (एजेंसियां) । पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी हिस्से में आज एक भीषण आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें 13 सैनिकों की जान चली गई और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले में 19 आम नागरिक भी घायल हुए हैं।

यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में हुई। स्थानीय सरकारी अधिकारियों के अनुसार, एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे एक वाहन को सेना के काफिले में टक्कर मार दी। धमाका इतना जोरदार था कि मौके पर ही 13 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 10 सैन्यकर्मी और 19 नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के कारण दो घरों की छतें भी गिर गईं, जिससे छह मासूम बच्चे घायल हो गए।हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन यह क्षेत्र पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक माना जाता है, जहां अक्सर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे आतंकी संगठन सक्रिय रहते हैं और हमलों को अंजाम देते हैं।

पाकिस्तान में हाल के दिनों में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में। ऐसे में, इस नवीनतम घटना ने पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इसी साल मार्च में पाकिस्तानी सेना ने दक्षिणी वजीरिस्तान के जंडोला चेकपोस्ट के पास फ्रंटियर कोर के शिविर पर हुए एक आत्मघाती हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में टीटीपी से जुड़े 10 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया।

चीन में नेवी चीफ और टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट पर गिरी जिनपिंग की गाज

बीजिंग,28 जून (एजेंसियां) ।

चीन में शुक्रवार को नेवी चीफ और एक टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट को एनपीसी से निकाल बाहर कर दिया गया। हांगकांग की मीडिया के अनुसार, चीनी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और देश के राष्ट्रीय परमाणु निगम के उप मुख्य अभियंता लियू शिपेंग को एनपीसी से निकाल दिया गया है।

खबर के मुताबिक, ली सेना के उन जनरल और रक्षा उद्योग के कुछ अधिकारियों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ हाल में कार्रवाई की गई है। इसमें कहा गया है कि ली और लियू की एनपीसी सदस्यता समाप्त कर दी गई है। एनपीसी की स्थायी समिति ने शुक्रवार को अपने सत्र के समापन के दौरान शीर्ष जनरल मियाओ हुआ को केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य के पद से हटाने के लिए भी मतदान किया। चीन में शी जिनपिंग के एक फरमान ने पूरे देश में खलबली मचा है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में खौफ का माहौल है कि कहीं कोई ऐसा ऑर्डर ना आ जाए, जिससे उन्हें अपनी कुर्सी गंवानी पड़े। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि चीनी के राष्ट्रपति जिनपिंग क बड़ा कदम उठाते ना सिर्फ पीएलए के एक बड़े ऑफिसर को , बल्कि टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट को भी नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। केंद्रीय सैन्य आयोग चीनी सेना का सर्वोच्च कमान है, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति शी जिनपिंग करते हैं। चीनी सेना में पदों के क्रम में सबसे युवा जनरल मियाओ पिछले साल नवंबर से अनुशासन के गंभीर उल्लंघन के लिए जांच के घेरे में हैं। उन्हें इस साल अप्रैल में एनपीसी से निष्कासित कर दिया गया था। चीन की तरफ से यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जबकि वह अपनी सेनाको मजबूत करने में लगा है।

इजरायली गोलाबारी में 40 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा शहर में एक इजरायली हवाई हमले के स्थल के पास फिलिस्तीनी। फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को गाजा पट्टी में इजरायली गोलीबारी और गोलाबारी में 40 फिलिस्तीनी मारे गए।

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी करेंगी सक्रिय राजनीति में लौटने की घोषणा

काठमांडू, 28 जून (एजेंसियां) ।

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी शनिवार को सक्रिय राजनीति में वापसी की घोषणा करने जा रही हैं। इसके लिए काठमांडू में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है और देशभर से उनके समर्थकों को काठमांडू बुलाया गया है।

विद्या भंडारी प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) यानी नेकपा एमाले की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। अब दोबारा वह इसी पार्टी से अपनी सक्रिय राजनीति में वापसी करने जा रही हैं। इसके लिए काठमांडू के राष्ट्रीय सभागृह में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें अब पार्टी का नेतृत्व ही विद्या भंडारी को सौंपने संबंधी बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। विद्या भंडारी के दिवंगत पति मदन भंडारी, जो कि नेकपा एमाले के संस्थापक नेताओं में से एक थे और वर्षों तक इस पार्टी का नेतृत्व भी किया था, उनका जन्म दिवस है और इसी अवसर पर विद्या अपनी राजनीति की दूसरी पारी की शुरुआत करने जा रही हैं।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रमुख अतिथि बनाया गया है और उन्हीं के सामने विद्या भंडारी के दोबारा राजनीति में आने की औपचारिक घोषणा की जाएगी। हालांकि प्रधानमंत्री ओली कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में पूर्व राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को दोबारा सक्रिय राजनीति में आने के विरोध में अपनी दलील देते रहे हैं। जिस तरह का पोस्टर और बैनर कार्यक्रम स्थल के चारों ओर लगा हुआ है उसको देखते हुए प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में सहभागी नहीं होने की भी उतनी ही संभावना है। विद्या पक्षधर नेता और नेकपा एमाले के उपाध्यक्ष रहे सुरेन्द्र पांडे का कहना है कि मदन भंडारी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को अवश्य आना चाहिए और विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीति की घोषणा का उनको भी स्वागत करना चाहिए।

बजट सत्र में एक दिन भी भाषण नहीं दे पाए प्रधानमंत्री को बोलने देने के लिए विपक्षी दलों को मनाने का प्रयास जारी

काठमांडू, 28 जून (एजेंसियां) ।

नेपाल के संसद में बजट सत्र अपने आखिरी दिनों में पहुंच गया है लेकिन इस पूरे सत्र के दौरान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली एक दिन भी संसद में नहीं बोल पाए। प्रधानमंत्री ओली को एक हफ्ते के लिए विदेश रवाना होना है इसलिए सार्वजनिक अवकाश होने के बाद भी सदन बुलाया गया है। स्पीकर देवराज घिमिरे ने सदन में प्रधानमंत्री के बोलते समय विपक्षी दलों द्वारा हंगामा ना हो ।

उसके लिए शनिवार की सुबह ही सभी दलों के प्रमुख सचेतकों की बैठक बुलाई। इस बैठक में स्पीकर घिमिरे ने सभी विपक्षी दलों से आग्रह किया है कि वो प्रधानमंत्री के भाषण के समय सदन के भीतर विरोध प्रदर्शन या नाराबाजी न करें और पीएम को सदन में मर्यादित तरीके से बोलने दें।

हालांकि विपक्षी दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतकों ने स्पीकर को उनकी तरफ से विरोध जारी रहने की जानकारी दे दी है। प्रमुख विपक्षी दल माओवादी के पहले ही सरकार को समर्थन देने के बाद अब दो ही विपक्षी पार्टियां सरकार के विरोध में रह गई है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक संतोष परियार ने कहा कि चूंकि सरकार की तरफ से उनकी बातों को नहीं सुना जा रहा है और सदन के भीतर भी स्पीकर का रवैया हमारे प्रति भेदभाव का रहा है इसलिए प्रधानमंत्री के भाषण के समय हमारा विरोध भी जारी रहेगा।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक ज्ञानेन्द्र शाही ने भी कहा कि उनकी पार्टी लगातार सदन की कार्रवाई का बहिष्कार करती आ रही है और भी यह बहिष्कार जारी रहेगा। शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री की तरफ से कोई भी नई बात नहीं कही जाने वाली है इसलिए उनके बोलने या नहीं बोलने से देश की अवस्था पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

प्रधानमंत्री ओली ही एक सप्ताह के भ्रमण पर स्पेन जा रहे हैं। उससे पहले वो संसद के बजट सत्र को संबोधित करना चाहते हैं ताकि बजट सत्र में उनका कम से कम एक बार संबोधन हो जाए। उनके लौटने तक बजट सदन से पारित हो गया तो बजट सत्र अंत करने की घोषणा हो सकती है।

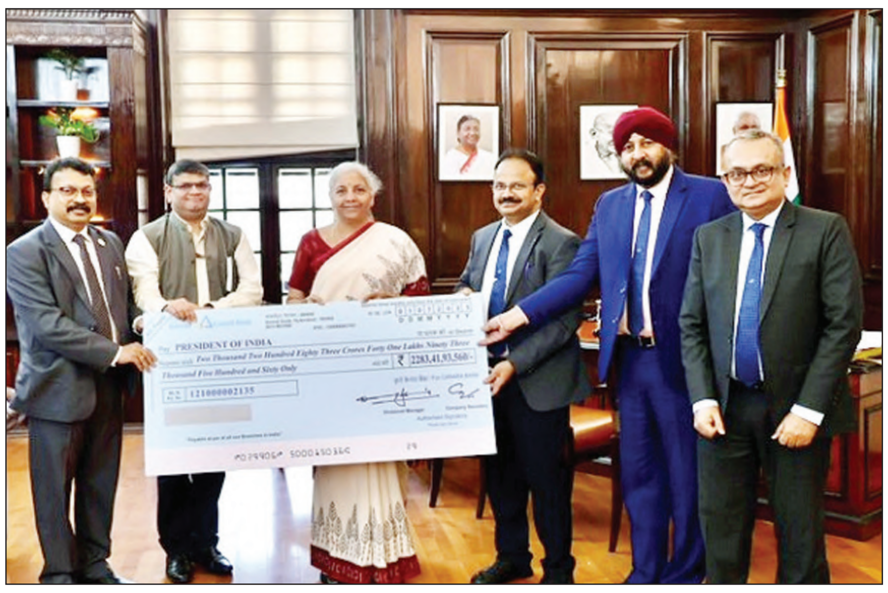

केनरा बैंक के सीईओ ने वित्त मंत्री को सौंपा 2,283.41 करोड़ रुपए का लाभांश चेक

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,283.41 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक सौंपा। यह हस्तांतरण इस वित्तीय वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।

वित्त मंत्री कार्यालय ने जारी किए गए बयान में बताया कि केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. सत्यनारायण राजू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,283.41 करोड़ रुपये का लाभांश का चेक सौंपा। इस अवसर पर के. सत्यनारायण राजू के साथ केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक हरदीप सिंह अहलूवालिया, भावेंद्र कुमार और एसके मजूमदार भी मौजूद रहे।

बैंक की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि यह शानदार लाभांश भुगतान भारत सरकार, इसके प्रमुख शेयरधारक सहित अपने हितधारकों को मूल्य प्रदान करने के लिए केनरा बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

सुकन्या सहित छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर में होगा बदलाव

नई दिल्ली। सार्वजनिक भविष्य निधि योजना, राष्ट्रीय बचत पत्र जैसी अन्य छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा 30 जून सोमवार को होने वाली है। नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी। इस साल अब तक सुकन्या समृद्धि योजना और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित डाकघर योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि पहली जुलाई 2025 से इसमें बदलाव हो सकता है। इस संभावना की वजह है भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती बताई जा रही है। आरबीआई ने सबसे पहले फरवरी में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। फिर अप्रैल में 25 आधार अंक की कटौती की गई और जून में 50 आधार अंक की कटौती हुई। नई दरें वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए प्रभावी होंगी

न्यूज ब्रीफ

देश का विदेशी ऋण बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि भारत का विदेशी ऋण मार्च 2025 के अंत तक 10 प्रतिशत बढ़कर 736.3 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 668.8 अरब डॉलर था। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में बाह्य ऋण एक साल पहले के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 के अंत तक 19.1 प्रतिशत हो गया। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन वित्त वर्ष में मुद्रा बाजारों में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया और रुपए तथा अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि के कारण मूल्यांकन प्रभाव 5.3 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यदि मूल्यांकन प्रभाव को छोड़ दिया जाए, तो बाह्य ऋण में 67.5 अरब डॉलर के बजाय 72.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी होती। आरबीआई ने कहा कि कुल ऋण में गैर-वित्तीय निगमों ने 261.7 अरब डॉलर, सरकार ने 168.4 अरब डॉलर और केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमा स्वीकार करने वाले निगमों ने 202.1 अरब डॉलर का ऋण लिया। मार्च 2025 के अंत में, दीर्घकालिक ऋण 601.9 अरब डॉलर था और इसमें सालाना आधार पर 60.6 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

इस साल अदाणी समूह की ब्रांड वेल्यू 82 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 82 प्रतिशत बढ़ गई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अदाणी ब्रांड के मूल्य में वृद्धि 2023 में रिपोर्ट किए गए पूरे ब्रांड वैल्यूएशन से अधिक है, जिससे अदाणी समूह को पिछले वर्ष के 16वें स्थान से 13वें स्थान पर आने में मदद मिली है। कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, शानदार वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ अर्जित किया है। इस सप्ताह अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की 33वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में, हमारे आंकड़े मजबूत थे।

कनाडा के डिजिटल टैक्स पर नाराज हुए ट्रंप, टैरिफ लगाने की दी चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कनाडा के साथ सभी व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषण कर दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम कनाडा द्वारा टेक्नोलॉजी कंपनियों पर लगाए गए डिजिटल सर्विस टैक्स के जवाब में उठाया गया है। ट्रंप ने इसे अमेरिका पर सीधा और खुला हमला बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि इस अनुचित टैक्स के चलते, हम कनाडा के साथ चल रही सभी व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगले सात दिनों के भीतर अमेरिका कनाडा को उन टैरिफ की जानकारी देगा, जो उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने के लिए चुकाने होंगे। ट्रंप ने व्यापारिक बातचीत को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषण की उन्होंने कहा है कि अमेरिका के टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स लगाने के कनाडा के फैसले के बाद अब दोनों देशों के बीच व्यापार पर कोई बातचीत नहीं होगी। ट्रंप ने यह बयान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट के जरिए दिया।

बायोमास कार्यक्रम के लिए मानदंडों में संशोधन को अधिसूचित किया गया

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने स्वच्छ ऊर्जा समाधान को बढ़ावा देने, व्यापार को आसान बनाने और देश में बायोमास प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाने के लिए बायोमास कार्यक्रम के लिए जारी संशोधित दिशा-निर्देश को अधिसूचित किए हैं।

मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के चरण- के तहत बायोमास कार्यक्रम के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए लागू हैं। इन संशोधनों का उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देना, व्यापार करने में आसानी लाना और पूरे भारत में बायोमास प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाना है। मंत्रालय ने नए ढांचे के तहत कई प्रक्रियाओं को सुगम बनाया है, जैसे कि कागजी कार्रवाई में कटौती और अनुमोदन आवश्यकताओं को सरल बनाना, जिससे उद्योग विशेष रूप से एमएसएमई को अपना उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। ये बदलाव पराली प्रबंधन में सुधार और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुंचने के भारत के व्यापक लक्ष्य के साथ अच्छी तरह से संरेखित हैं। इन संशोधन की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें तकनीकी एकीकरण किया गया है, जिसके तहत एससीएडीए जैसी महंगी और उच्च तकनीक वाली प्रणालियों के बजाय आधारित निगरानी समाधान या तिमाही डेटा सबमिशन का उपयोग किया जा सकेगा। मंत्रालय के मुताबिक यह लागत प्रभावी कदम डिजिटल निगरानी और जवाबदेही को बढ़ावा देता है, खासकर छोटे व्यवसाय संचालकों के लिए। दिशा-निर्देश दस्तावेज़ीकरण आवश्यकताओं के महत्वपूर्ण सरलीकरण को भी प्रोत्साहित करते हैं। ब्रिकेट और पेलेट निर्माण संयंत्रों के डेवलपर्स को अब मंजूरी मामलों से संबंधित कई दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस बदलाव से समय की बचत होगी और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली में 1 जुलाई से 15 साल पुराने पेट्रोल एवं 10 साल पुराने डीजल वाहन पर प्रतिबंध

नई दिल्ली । दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन पेट्रोल पंपों या सड़क पर दिखे तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे वाहनों को उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और वाहन मालिकों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया वाहनों पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा। यह कार्रवाई उन सभी वाहनों पर लागू होगी, भले ही वे देश के किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। चारपहिया वाहनों पर 10,000 और दोपहिया पर 5,000 का जुर्माना वसूला जाएगा केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इससे पहले स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 1 जुलाई से दिल्ली में इन पुराने वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। यह कदम प्रदूषण पर नियंत्रण के प्रयासों के तहत उठाया जा रहा है। अब दिल्ली में वैधता खत्म हो चुके वाहन पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं भरवा सकेंगे।

मीशो को आईपीओ लॉन्च करने की शेयरधारकों से मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को अपना शुरुआती आईपीओ लॉन्च करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। अब कंपनी बाजार नियामक सेबी के गोपनीय रूट के तहत अपना ड्राफ्ट आईपीओ प्रॉस्पेक्टस दाखिल करेगी। बता दें कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 4250 करोड़ रुपये यानी करीब 500 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मीशो की बोर्ड बैठक में आईपीओ प्रस्ताव के अलावा कंपनी के फाउंडर विदित आत्रे को चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त करने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित आईपीओ में 4,250 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और कंपनी के कुछ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल होगी।

कंपनी का लक्ष्य 4250 करोड़ रुपए की पूंजी जुटाना

बता दें निवेशक एलिवेशन कैपिटल, पीक एक्सवी पार्टनर्स और प्रोसस मीशो के सबसे बड़े संस्थागत शेयरधारकों में से हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास 13 से 15 फीसदी हिस्सेदारी है। जापानी निवेशक सॉफ्टबैंक के पास कम कीमत पर मूल्य खुदरा बिक्री पर केंद्रित ई-रिटेलर में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी के अन्य निवेशकों में वेस्टब्रिज कैपिटल, फिडेलिटी जैसे निवेशक शामिल हैं।

मीशो की आखिरी फंडिंग राउंड 550 मिलियन डॉलर का था। इसके जरिए मूल्यांकन लगभग 3.9 बिलियन डॉलर का था। इस राउंड में पीक एम्सवी पार्टनर्स और वेस्टब्रिज कैपिटल जैसे मौजूदा बैकर्स के अलावा टाइगर ग्लोबल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और मार्स ग्रोथ कैपिटल जैसे नए निवेशकों ने हिस्सा लिया। वहीं, मीशो ने 1.1 मिलियन ऑप्शन जोड़कर अपने 2024 कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन प्लान (ईसॉप) का विस्तार किया है। मीशो की प्रतिद्वंद्वी कंपनी, वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट है। इस कंपनी का आईपीओ भी लॉन्च होने वाला है। कंपनी अगले साल आईपीओ से पहले सिंगापुर से भारत में अपना निवास स्थान बदलने की प्रक्रिया में है।

ईवी इंफ्रा ने एनपीसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

इंचार्ज ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली सर्वोटेक ईवी इंफ्रा ने ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीएलएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एनपीसीएल में पीएमएस और सस्टेनेबिलिटी के एक प्रमख अधिकारी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एनपीसीएल आरपी-संजीव गोयनका समूह और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के बीच एक ज्वाइंट वेंचर है। समझौते के तहत दोनों संगठन आवासीय परिसरों, कार्यालय भवनों, कॉमर्शियल सेक्टर और अस्पतालों सहित स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की पहचान, विकास के लिए ज्वाइंट वेंचर से काम करेंगे। ग्रेटर नोएडा में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का करेगी विस्तार एनपीसीएल संभावित स्थलों का सुझाव देकर और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय स्थापित करके इस प्रयास का समर्थन करेगा। पहले चरण में ग्रेटर नोएडा की दो रिहायशी सोसायटियों में ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जा चुके हैं। स्टेलर जीवन में इंचार्ज ने 7.4 किलोवाट और 10 किलोवाट के एसी चार्जर लगाए हैं। ऐस डिविनो में, साइट में 40 किलोवाट का डीसी चार्जर और 10 किलोवाट का एसी चार्जर है, जिसमें एक साथ तीन दोपहिया वाहनों को चार्ज करने की क्षमता है।

एमएनआरई ने अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संशोधित दिशा-निर्देश किए अधिसूचित

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने प्रदर्शन निगरानी और तेजी से सीएफए वितरण को बढ़ाने के लिए अपशिष्ट से ऊर्जा परियोजनाओं के लिए संशोधित दिशा-निर्देश अधिसूचित किए हैं। यह राष्ट्रीय बायो एनर्जी कार्यक्रम का एक हिस्सा है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि एमएनआरई ने राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) कार्यक्रम के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन संशोधनों का उद्देश्य भारत में जैव अपशिष्ट से ऊर्जा के उपयोग के लिए अधिक कुशल, पारदर्शी और प्रदर्शन-उन्मुख पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है।

मंत्रालय के मुताबिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, वित्तीय सहायता में तेजी लाने और संयंत्र के प्रदर्शन के साथ समर्थन को संरेखित करके, अद्यतन दिशा-निर्देश निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। नए ढांचे के तहत मंत्रालय ने कई प्रक्रियाओं को सरल बनाया है, जैसे कि कागजी कार्रवाई में कटौती और अनुमोदन आवश्यकताओं को आसान बनाना, जिससे उद्योग विशेष रूप से एमएसएमई को सीबीजी, बायोगैस और बिजली का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि प्रस्तुत संशोधन से परियोजना डेवलपर्स को कमीशनिंग की तारीख से 18 महीने के भीतर या सीएफए के सैद्धांतिक अनुमोदन की तारीख से, जो भी बाद में हो, सीएफए का दावा करने में लचीलापन प्रदान किया गया है। ये बदलाव पराली, औद्योगिक कचरे सहित अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुंचने के भारत के व्यापक लक्ष्य के साथ अच्छी तरह से संरेखित हैं।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष पूरे होने पर आज सांख्यिकी दिवस मनाया जाएगा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां) ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) 29 जून को राजधानी नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 19वां सांख्यिकी दिवस मनाएगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह करेंगे, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि वर्ष 2007 से प्रत्येक वर्ष सांख्यिकी दिवस राष्ट्रीय प्रासंगिकता की थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 के लिए थीम (विषय) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष है, जो भारत में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने और शासन का समर्थन करने वाले विश्वसनीय एवं समयबद्ध सांख्यिकीय डेटा प्रदान करने में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है।

मंत्रालय के मुताबिक कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के अध्यक्ष प्रो. राजीव लक्ष्मण करंदीकर और एमओएसपीआई सचिव डॉ. सौरभ गर्ग भी संबोधन देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय विकास के लिए सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में खासकर युवा पीढ़ी के बीच सांख्यिकी के महत्व के बारे में जन जागरूकता पैदा करना है। यह दिवस सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में अग्रणी रहे प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल मनाया जाता है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंत्रालय एक स्मारक सिक्का और कस्टमाइज्ड माई स्टैम्प जारी करेगा। इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रकाशन भी जारी किए जाएंगे, जिनमें सतत विकास लक्ष्य- राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा प्रगति रिपोर्ट 2025 (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स-नेशनल इंडिकेटर फ्रेमवर्क प्रोग्रेस रिपोर्ट 2025) और भारत में पोषण सेवन (न्यूट्रिशनल इनटेक इन इंडिया) 2022-23 और 2023-24 शामिल हैं।

एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 : पूल ड्रॉ जारी, 24 टीमों के बीच कांटे की टक्कर !

लुसाने, 28 जून (एजेंसियां) ।

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के लिए पूल ड्रॉ की घोषणा कर दी गई है। इस बार टूर्नामेंट पहली बार 24 टीमों के साथ खेला जाएगा और इसकी मेज़बानी भारत का राज्य तमिलनाडु करेगा। टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चेन्नई और मदुरै शहरों में खेला जाएगा।

ड्रॉ इस प्रकार है–

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड) में आयोजित एक विशेष समारोह में टूर्नामेंट के छह पूलों का ड्रॉ निकाला गया। पूलों की संरचना इस प्रकार है:–

पूल ए: जर्मनी, द. अफ्रीका, कनाडा, आयरलैंड
पूल बी: भारत, पाकिस्तान, चिली, स्विट्ज़रलैंड
पूल सी: अर्जेंटीना, न्यूज़ीलैंड, जापान, चीन
पूल डी: स्पेन, बेल्जियम, मिस्र, नामीबिया
पूल ई : नीदरलैंड, मलेशिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया
पूल एफ : फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, बांग्लादेश

एफआईएच अध्यक्ष ने भारत और तमिलनाडु सरकार का किया आभार व्यक्त – एफआईएच अध्यक्ष तय्यब इक़राम ने ड्रॉ समारोह में कहा, यह वर्ल्ड कप हमारे यूथ-फोकस्ड दृष्टिकोण की शुरुआत है। मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने युवा हॉकी सितारों का अपने राज्य में स्वागत किया। इस टूर्नामेंट के माध्यम से मदुरै में एक नए आधुनिक हॉकी स्टेडियम का निर्माण भी होगा।

उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने हॉकी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय हॉकी संघ ने जताया गर्व – हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह दिन हॉकी जगत के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि पहली बार 24 देशों के बीच जूनियर वर्ल्ड कप खेला जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन और खेल मंत्री मंडाविया के मार्गदर्शन में भारतीय हॉकी ने एक नई रफ्तार पकड़ी है। हम तमिलनाडु सरकार और एफआईएच अध्यक्ष तय्यब इक़राम का भी आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने सभी 24 टीमों को बधाई देते हुए भारत में गर्मजोशी से स्वागत करने की बात कही।

न्यूज़ ब्रीफ

किशाने थॉम्पसन बने दुनिया के छठे सबसे तेज़ धावक, जमैका ट्रायल्स में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। जमैका के एथलेटिक्स नेशनल ट्रायल्स में किशाने थॉम्पसन ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए इतिहास रच दिया। 23 वर्षीय थॉम्पसन ने 9.75 सेकंड का शानदार समय दर्ज करते हुए न केवल व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, बल्कि वह इतिहास में 100 मीटर की दौड़ में छठे सबसे तेज़ धावक बन गए हैं। इस इवेंट में थॉम्पसन से तेज़ समय अब तक केवल उसेन बोल्ट (9.58 सेकंड), टायसन गे और योहान ब्लेक (दोनों 9.69 सेकंड), असफा पॉवेल (9.72 सेकंड) और जस्टिन गैटलिन (9.74 सेकंड) ने ही दर्ज किया है। 100 मीटर दौड़ के ऑल-टाइम टॉप 10 में शामिल किशाने थॉम्पसन का नाम अब उन महान धावकों की सूची में शामिल हो गया है जो 100 मीटर स्प्रिंट में 9.77 सेकंड से कम समय में दौड़ चुके हैं। थॉम्पसन ने जून 2024 में बनाए गए अपने ही रिकॉर्ड (9.77 सेकंड) को दो सौवें हिस्से से तोड़ा और 2025 सीज़न का सबसे तेज़ 100 मीटर समय दर्ज किया। ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट ने लगातार दूसरी बार जीता नेशनल खिताब गौरतलब है कि थॉम्पसन 2024 पेरिस ओलंपिक के 100 मीटर फाइनल में केवल 0.005 सेकंड के अंतर से नोआ लाइल्स से हारकर रजत पदक जीत पाए थे। लेकिन उन्होंने अपने नेशनल ट्रायल्स में शानदार वापसी करते हुए लगातार दूसरी बार 100 मीटर का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। सेविले और ब्लेक ने भी किया दमदार प्रदर्शन इस रेस में ओब्लिक सेविले ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की चिंता को पीछे छोड़ते हुए 9.83 सेकंड में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अकीम ब्लेक ने 9.88 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

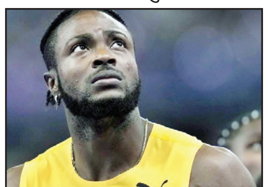

हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरी शेफाली वर्मा, सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, पहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली। शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है। शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।

जायसवाल की नजरें एजबेस्ट टेस्ट में सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना हैं, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी। इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे।

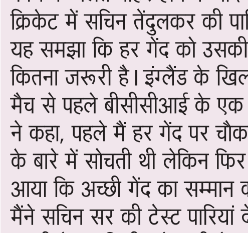

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड रैंकिंग में फिर हासिल किया शीर्ष स्थान, अरशद नदीम चौथे नंबर पर

नई दिल्ली,28 जून (एजेंसियां) ।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। इस सप्ताह वर्ल्ड एथलेटिक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी ताजा रैंकिंग में नीरज ने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान दोबारा प्राप्त किया।

पिछले साल 17 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल जीतने के बाद पीटर्स ने नीरज से नंबर-1 स्थान छीना था। लेकिन लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीरज ने फिर से बाज़ी मार ली। ताजा रैंकिंग के अनुसार, नीरज के 1445 अंक हैं जबकि पीटर्स 1431 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

जर्मनी के जूलियन वेबर 1407 अंकों के साथ तीसरे और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

27 वर्षीय नीरज चोपड़ा इस साल सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पॉटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर की थ्रो के साथ जीत दर्ज की।

इसके बाद मई में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर की थ्रो फेंकी, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो रही। हालांकि वे इस प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे, क्योंकि जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर की थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया।

इसके बाद पोलैंड के चोरज़ो में जनुश कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) वेबर (86.12 मीटर) से पीछे रहे। लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए 88.16 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मंगलवार को उन्होंने अपने सीजन की तीसरी जीत चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में दर्ज की, जहां उन्होंने एक बार फिर 88.16 मीटर की दूरी तय की।

नीरज चोपड़ा का अगला मुकाबला 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में होने जा रहे पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में होगा।

हेज़लवुड की घातक गेंदबाज़ी, ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन में ही जीता टेस्ट, वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेज़लवुड (5/43) की घातक गेंदबाज़ी के दम पर वेस्टइंडीज को बारबाडोस टेस्ट के तीसरे दिन ही शुक्रवार को 159 रनों से हराकर सीरीज़ में शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी अंतिम सत्र में ही सिमट गई, जिसमें आखिरी दो विकेट नाथन लायन ने लगातार दो गेंदों पर लेकर मुकाबले का अंत किया। शमर जोसेफ के आक्रामक तेवर और जस्टिन ग्रीव्स की रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की बदौलत एक समय ऐसा लगा कि मैच चौथे दिन तक खींचेगा, हालांकि, शमर जोसेफ स्लिप में और जेडन सील्स शॉर्ट लेग पर आउट हुए, जिससे मैच का अंत उसी शाम हो गया। हेड को मिला 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार ट्रैविस हेड को दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने मुश्किल पिच पर साहसिक बल्लेबाज़ी की और वेस्टइंडीज की खराब फील्डिंग से भी लाभ उठाया। मैच में वेस्टइंडीज ने 7 कैच छोड़े। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में कैरी, वेबस्टर और हेड चमके ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में एलेक्स कैरी (65), ब्यू वेबस्टर (63) और ट्रैविस हेड (61) ने अहम पारियां खेलीं। कैरी ने केवल 40 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें कुछ दर्शनीय स्ट्रोक भी शामिल थे। उन्होंने शमर जोसेफ और जस्टिन ग्रीव्स के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए सीधे छक्के भी लगाए। झटके अहम विकेट, लायन ने किया अंत वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में हेज़लवुड ने सबसे ज्यादा कहर बरपाया। उन्होंने एक ही ओवर में ब्रैंडन किंग और जॉन कैम्पबेल को आउट किया, जबकि रॉस्टन चेस और केसी कार्टी को भी चलता किया। कप्तान पैट कमिंस को भी एक कम गेंद पर शाई होप का विकेट मिला, जो अंदर की ओर आई गेंद पर बोल्ड हो गए। मर्नस लाबुशेन ने एक सटीक थ्रो से अल्जारी जोसेफ को रनआउट किया, जबकि लायन ने आखिरी दो विकेट लेकर मैच समाप्त किया। शमर जोसेफ की संघर्षपूर्ण पारी और गेंदबाज़ी वेस्टइंडीज की तरफ से शमर जोसेफ ने 44 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और दूसरी पारी में 5 विकेट भी चटकाए, लेकिन उनका यह प्रदर्शन हार को नहीं टाल सका। उन्होंने मैच में सबसे ज्यादा ओवर भी फेंके। स्कोरकार्ड संक्षेप में: ऑस्ट्रेलिया: 180 × 310 (कैरी 65, वेबस्टर 63, हेड 61, शमर जोसेफ 5/87) वेस्टइंडीज: 190 × 141 (शमर जोसेफ 44, हेज़लवुड 5/43)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रनों से हराकर सीरीज़ पर किया कब्जा

कोलंबो,28 जून (एजेंसियां) ।

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ को 1-0 से जीत लिया है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट में मेज़बान टीम ने पारी और 78 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो रहे बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या, जिन्होंने टेस्ट करियर का 12वां पांच विकेट हॉल लेते हुए विपक्षी बल्लेबाज़ों की कमर तोड़ दी।

चौथे दिन शनिवार की शुरुआत बांग्लादेश के 115/6 के स्कोर से हुई, उन्हें श्रीलंका को दोबारा बल्लेबाज़ी पर मजबूर करने के लिए 97 रन की ज़रूरत थी। लेकिन मैच सिर्फ आधे घंटे में खत्म हो गया। जयसूर्या ने अंतिम चार में से तीन विकेट झटके और बांग्लादेश की दूसरी पारी 133 रन पर सिमट गई।

पहली पारी में निसंका का शतक, चंदीमल और मेंडिस का साथ

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 458 रन बनाए थे। ओपनर पथुम निसंका ने शानदार शतक जड़ा, जबकि दिनेश चांदीमल (93 रन) और कुसल मेंडिस (84 रन) ने अहम अर्धशतक लगाए। बांग्लादेश की पहली पारी 247 रन पर सिमटी थी।

जयसूर्या ने फिर मचाया कहर, 5 विकेट झटके

चौथे दिन बांग्लादेश की पारी को निपटाने में जयसूर्या ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने पहले लिटन दास (14) को उन्होंने कुसल मेंडिस के हाथों कैच आउट कराया।, इसके बाद नायेम हसन (5) को आगे बढ़कर खेलने पर मजबूर किया और मेंडिस ने उन्हें स्टंप कर दिया। ताइजुल इस्लाम (6) को उन्होंने खुद ही कैच किया। आखिरी विकेट एबादत हुसैन (6) का था, जिसे थरिंदु रतनायके ने एलबीडब्ल्यू आउट कर मैच समाप्त किया।

जयसूर्या ने 5 विकेट देकर 56 रन दिए, जबकि कप्तान धनंजय डी सिल्वा और रतनायके ने 2-2 विकेट लिए।

दो मैचों की इस सीरीज़ का पहला मुकाबला गॉल में खेला गया था, जो ड्रॉ रहा। लेकिन दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने पूरी तरह से अपना दबदबा कायम रखते हुए सीरीज़ जीत ली।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रस्तावना पवित्र...

बहस होनी चाहिए कि 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं। विपक्ष ने इसे 'राजनीतिक अवसरवाद' और संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला करार दिया है। होसबाले के बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस बीच, आरएसएस से संबद्ध एक पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान, इसे तहस-नहस करने के लिए नहीं है, बल्कि आपातकाल के दौर की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी ''मूल भावना'' को बहाल करने के बारे में है।

हिमंत बिस्व सरमा ने...

इमरजेंसी डायरी नामक पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें आपातकाल के दौरान संघर्ष और प्रतिरोध के बारे में बताया गया है। जब हम आपातकाल की बात करते हैं, तो यह उसके बचे हुए प्रभाव को मिटाने का सही समय है, ठीक वैसे ही जैसे प्रधानमंत्री मोदी औपनिवेशिक शासन की विरासत को मिटाने का काम कर रहे हैं। आपातकाल के दो प्रमुख परिणाम हमारे संविधान में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों का जुड़ना था। मेरा मानना है कि धर्मनिरपेक्षता सर्व धर्म समभाव के भारतीय विचार के खिलाफ है। समाजवाद कभी भी हमारी आर्थिक दृष्टि नहीं थी, हमारा ध्यान हमेशा सर्वोदय अंत्योदय पर रहा है।सरमा ने कहा, इसलिए, मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इन दो शब्दों, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को प्रस्तावना से हटा दे, क्योंकि वे मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे और बाद में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा जोड़े गए थे। ब्लूक्राफ्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तक द इमरजेंसी डायरीज - इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर युवा नरेंद्र मोदी के साथ काम करने वाले सहयोगियों के पहले व्यक्ति के उपाख्यानों पर आधारित है, और अन्य अभिलेखीय सामग्रियों का उपयोग करते हुए, यह अपनी तरह की पहली पुस्तक है जो एक ऐसे युवा व्यक्ति के प्रारंभिक वर्षों पर नई विद्वता पैदा करती है, जिसने अत्याचार के खिलाफ लड़ाई में अपना सब कुछ दे दिया।

भारत के विचार...

श्री मोदी ने कहा कि आचार्य ने अपने साहित्य के जरिए और भजनों के माध्यम से प्राचीन प्राकृत भाषा का पुनरोद्धार किया। यह भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है। इसी भाषा में पूरा मूल 'जैन आगम' रचा गया। लेकिन संस्कृति की उपेक्षा करने वालों के कारण यह भाषा सामान्य प्रयोग से बाहर होने लगी थी। इसे देखते हुए सरकार ने आचार्य श्री जैसे संतों के प्रयासों को देश का प्रयास बनाया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर में सरकार ने प्राकृत को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। इस दिशा में एक और कदम उठाते हुए सरकार प्राचीन पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण का अभियान भी चला रही है। इसमें बहुत बड़ी संख्या में जैन धर्मग्रन्थों और आचार्यों से जुड़ी पांडुलिपियाँ शामिल हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार उच्च शिक्षा में भी मातृभाषा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वह लालकिले से राष्ट्र के नाम संबोधन में कह चुके हैं , हमें देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलानी है। हमें विकास और विरासत को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है। इसी संकल्प को केंद्र में रखकर, हम भारत के सांस्कृतिक स्थलों का, तीर्थस्थानों का भी विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में सरकार ने भगवान महावीर के दो हजार पांच सौ पचासवें निर्वाण महोत्सव का व्यापक स्तर पर आयोजन किया था। सांस्कृतिक धरोहर और उसे अधिक समृद्ध बनाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम जरूरी हैं। इनके पीछे मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' है।श्री मोदी ने कहा कि आचार्य की प्रेरणा से आज देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है इसके लिए भारत की चेतना और संतों के अनुभवों को लेकर सरकार ने देश के लिए अमृतकाल का दृष्टिकोण सामने रखा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का मतलब है हर देशवासी के सपने को पूरा करना। उन्होंने कहा कि आज 140 करोड़ देशवासी देश के अमृत संकल्पों को पूरा करते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। विकसित भारत के इस सपने का मतलब है- हर देशवासी के सपनों को पूरा करना! यही आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज जी ने हमें प्रेरणा दी है। उनके दिखाये प्रेरणापथ पर चलना, उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना, राष्ट्र निर्माण को अपने जीवन का पहला ध्येय बना लेना, ये हम सबकी ज़िम्मेदारी है। मुझे विश्वास है, आज इस पवित्र अवसर की ऊर्जा हमारे इन संकल्पों को सशक्त बनाएगी।

पीएम मोदी ने ...

भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहाँ ठीक और सुरक्षित हूँ। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है... यह यात्रा केवल मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है... आपके नेतृत्व में, आज का भारत अपने सपनों को पूरा करने के लिए असंख्य अवसर प्रदान करता है... मैं यहाँ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ ।

एक देश-एक ...

खत्म करने के फैसले को सही ठहराया था। सीजेआई खुद भी उस 5 जजों की बेंच का हिस्सा थे, जिसकी अध्यक्षता उस समय के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने की थी। इस बैंच ने 2019 में केंद्र सरकार के जरिए जम्मू-कश्मीर से370 हटाए जाने को सही करार दिया था।5 अगस्त 2019 को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। केंद्र सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इसी को लेकर गवई ने कहा,जब धारा-370 का मामला हमारे सामने आया, तब मैंने डॉ अंबेडकर के शब्दों को याद किया कि देश को एक रखने के लिए एक ही संविधान जरूरी है।

देश में पहली ...

जबकि ई-वोटिंग केवल सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक ही हो सकेगी।जिन मतदाताओं ने खुद को ई-वोटिंग के लिए रजिस्टर किया है, उन्हें अपने मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड करना होगा।नगरपालिका आम निर्वाचन 2025 के लिए एसईसीबीएचआर ऐप और उप निर्वाचन के लिए एसईसीबीआईएचआर ऐप का उपयोग किया जाएगा।ये ऐप केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही काम करेंगे। एक विकल्प राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के ज़रिए भी उपलब्ध है, लेकिन वह भी केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही सक्रिय होगा।निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने बताया, मतदान में किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसलिए केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही मतदान मान्य होगा। एक नंबर से अधिकतम दो लोग (जैसे पति-पत्नी) वोट डाल सकते हैं। इस प्रयोग को लेकर अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। सिवान, पूर्वी चंपारण के साथ-साथ दुबई और क़तर जैसे देशों में रहने वाले प्रवासी मतदाता भी रजिस्टर हुए हैं।उन्होंने कहा, यदि किसी मतदाता को मदद चाहिए तो वेबसाइट पर हेल्पलाइन की सुविधा है। पूरी प्रक्रिया को बहुत सरल रखा गया है। मतदाता को स्टेप बाय स्टेप फॉलो करते हुए अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट करना होगा।इसी के साथ निर्वाचन आयोग ने मतदान के लिए ई-वोटिंग से जुड़ी कुछ सावधानियां भी जारी की हैं।

पराग जैन को...

पराग जैन का नाम हाल के समय में 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। ये ऑपरेशन भारत की खुफिया और सैन्य ताकत का एक शानदार नमूना है। इस ऑपरेशन में जैन की अगुआई में रॉ और आर्क ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों की सटीक जानकारी जुटाई, जिसके आधार पर मिसाइल हमले किए गए।

मुंबई की अदालत...

भी खारिज कर दिया था। यह पहली बार नहीं है जब राणे के खिलाफ इस मामले में वारंट जारी किया गया है, यह मामला शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा दायर किया गया था। इससे पहले एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने इसके निष्पादन पर रोक लगा दी थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने अब पुलिस को 18 जुलाई तक वर्तमान गैर जमानती वारंट के निष्पादन पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला 2023 के एक भाषण से जुड़ा है जिसमें राणे ने कथित तौर पर राउत को सांप कहा था जो 10 जून, 2023 तक उद्धव ठाकरे को छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो जाएगा - जो एनसीपी का 25वां स्थापना दिवस है। उस समय शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी दोनों ने राणे के दावों का तुरंत खंडन किया था।इस टिप्पणी के बाद राउत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में राणे के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया। जवाब देने के लिए समन भेजे जाने के बावजूद राणे लगातार कोर्ट में पेश नहीं हुए।

भारत ने...

उपलब्ध कराए गए थे। सेना को कौन कौन से ड्रोन मिलेंगे...1. इंटिग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम यानी दुश्मन के ड्रोन को पहचान कर, ट्रैक कर और उसे हवा में ही निष्क्रिय करने में सक्षम होगा। भारत के पास अब वो टेक्नोलाजी होगी जिससे कोई भी विदेशी ड्रोन सीमा में दाखिल नहीं हो पाएगा। 2. रिमोटली पाइलेटेड एरियल व्हीकल्स खासतौर से निगरानी और स्ट्राइक मिशन दोनों के लिए तैयार किए गए हैं। सेना को ऐसे आरपीवी मिलेंगे जो दिन रात हर मौसम में ऑन ऑपरेट कर सकते हैं। 3. लायट्री म्यूनिशन ड्रोन टारगेट के आसपास चक्कर काटते हैं और जैसे ही कमांड मिलती है टारगेट पर गिरकर धमाका कर देते हैं। 4. सर्विलांसिग कॉम्बैट ड्रोन न केवल निगरानी करेंगे बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन के टारगेट पर लॉन्ग रेंज अटैक भी कर सकेंगे।

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में इस्लामाबाद द्वारा बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमलों का बदला लेने के लिए सीमा पार आतंकी ढांचे पर भारत के हवाई हमलों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में ड्रोन और युद्धक हथियारों का इस्तेमाल किया था। भारत ने अपने स्वनिर्मित आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमलों की श्रृंखला को विफल कर दिया था, जो युद्ध में रक्षा की प्रमुख पंक्ति के रूप में उभरी है।

सूर्य से लेकर शनि तक, जानें किस ग्रह के लिए कौन-सा दीपक जलाएं

ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि नौ ग्रहों का प्रभाव व्यक्ति पर किसी-न-किसी रूप में पड़ सकता है। अगर आपको किसी ग्रह से अशुभ प्रभाव मिल रहे हैं, तो आप इससे राहत पाने के लिए दीपक के जुड़ें ये उपाय कर सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, कि किस ग्रह के लिए आप कौन-सा दीपक जला सकते हैं।

सूर्य ग्रह के लिए दीपक

सूर्य ग्रह के लिए तांबे या मिट्टी के दीपक के दीपक का उपयोग करना शुभ माना जाता है। सूर्य देव की कृपा प्राप्ति के लिए आपको रविवार के दिन सूर्योदय के समय देशी घी या तिल का तेल का दीपक जलाना चाहिए। दीपक का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

मंगल ग्रह दीपक

मंगल ग्रह के लिए भी मिट्टी या तांबे का दीपक जलाया जा सकता है। इसके लिए मंगलवार के दिन तिल का तेल का दीपक दक्षिण दिशा की ओर दीपक करके जलाएं। ऐसा करने से आपको मंगल ग्रह से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है।

बुध ग्रह के लिए दीपक

बुध ग्रह के लिए आप कांसे या पीतल के दीपक में गाय का घी डालकर दीपक जला सकते हैं। इस दीपक को जलाने के लिए उत्तर दिशा या ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) दिशा को सबसे उत्तम माना गया है।

गुरु ग्रह के लिए दीपक

गुरु या बृहस्पतिवार ग्रह के शुभ परिणाम प्राप्त करने

के लिए पीतल के दीपक में गाय का घी डालकर जलाना चाहिए। इसके साथ ही इस दीपक को जलाने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे उत्तम माना गया है।

शुक्र ग्रह के लिए

शुक्र ग्रह के लिए आप चांदी या फिर मिट्टी से बना दीपक जला सकते हैं। इसके लिए घी या सफेद तिल के तेल का इस्तेमाल करें। इस दीपक को जलाने के लिए पूर्व दिशा को सबसे उत्तम माना गया है।

चंद्र ग्रह के लिए दीपक

चंद्रमा के लिए आप सोमवार की रात या फिर चंद्रमा के उदय के समय दीपक जा सकते हैं। दीपक में कपूर या घी डालकर इसे पश्चिम दिशा की ओर रखें। ऐसा करने से जातक को मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन का अनुभव होता है।

शनि ग्रह के लिए दीपक

शनि देव की कृपा प्राप्ति के लिए आप शनिवार के दिन काली मिट्टी या लोहे का दीपक जला सकते हैं। इसके लिए सरसों का तेल सबसे उत्तम माना जाता है। इस दीपक को पीपल के पेड़ के नीचे या फिर घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में रखें।

राहु और केतु के लिए दीपक

राहु ग्रह के लिए आप शनिवार या बुधवार के दिन मिट्टी या लोहे का दीपक सरसों का तेल डालकर जला सकते हैं। इस दीपक को घर के दक्षिण-पश्चिम कोने या फिर तुलसी के पास रखना शुभ माना जाता है। वहीं केतु मंगलवार या शनिवार के दिन सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। आप इस दीपक को घर की दक्षिण दिशा में जला सकते हैं।

क्या है गुप्त नवरात्रि? क्यों साधकों और तांत्रिकों को रहता है इसका इंतजार?

आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो गई है और इस अवसर पर माता ज्वाला का द्वार भी पूरा सज गया है। आपको बता दें कि इस वर्ष 26 जून गुरुवार से गुप्त नवरात्रि पर माता के नौ रूपों की पूजा शुरू हो चुकी है। आगामी 04 जुलाई तक गुप्त नवरात्रि पर खासतौर पर तांत्रिक साधना, विशेष अनुष्ठान और गुप्त उपासना होगी। गुप्त नवरात्रि के दौरान कई साधक महाविद्या तंत्र साधना के लिए आराधना करते हैं, जबकि अन्य लोग पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति के नौ रूपों की पूजा-अर्चना विधि-विधान से करेंगे।

गुप्त नवरात्रों में इन देवियों की करते हैं पूजा

तांत्रिकों को तंत्र साधना करने के लिए गुप्त नवरात्रि का इंतजार रहता है, इस दौरान लोग लंबी साधना कर दुर्लभ शक्तियों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। गुप्त नवरात्र के दौरान कई साधक महाविद्या (तंत्र साधना) के लिए मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुरा भैरवी, मां धूमावती, माता बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा करते हैं।

क्या गुप्त नवरात्रि का महत्व

वसंत और शारदीय नवरात्रि गृहस्थों और सामान्य जनों के लिए है परंतु गुप्त नवरात्रि संतों और साधकों को लिए है। यह साधना की नवरात्रि है उत्सव की नहीं। इसलिए, इसमें खास तरह की पूजा और साधना का महत्व होता है। यह नवरात्रि विशेष कामना हेतु तंत्र-मंत्र की सिद्धि के लिए होती है। गुप्त नवरात्रि में विशेष पूजा से कई प्रकार के दुखों से मुक्ति पाई जा सकती है।अघोर तांत्रिक लोग गुप्त नवरात्रि में महाविद्याओं को सिद्ध करने के लिए उपासना करते हैं। यह नवरात्रि मोक्ष की कामना से भी की जाती है।

साधकों के लिए होती है गुप्त नवरात्रि

गुप्त नवरात्रों का अपना अलग महत्व होता है यह नवरात्र साधकों के लिए विशेष होते हैं। हर वर्ष की भांति इस बार भी माता ज्वाला के दरबार को सजा दिया गया है। उन्होंने बताया कि इन आगामी 9 दिनों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

9 जुलाई से इन तीन राशियों की चमक उठेगी किस्मत! मिलेगा प्रमोशन और खुशियों की सौगात

हिंदू धर्म में कई ऐसे शास्त्र हैं, जिनका अलग-अलग महत्व है। उन्ही शास्त्रों में से एक ज्योतिष शास्त्र है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कई ग्रह एक निश्चित अवधि में न केवल राशि परिवर्तन करते हैं, बल्कि नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। इसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर किसी न किसी रूप में अवश्य पड़ता है। बता दें कि देवताओं के गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त हो गए हैं। मिथुन राशि में गुरु के अस्त होने से कुछ राशि के जातकों के जीवन में किसी न किसी तरह से प्रभाव देखने को मिल सकता है।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, देव गुरु बृहस्पति 9 जुलाई 2025 को मिथुन राशि में उदित हो रहे हैं। करीब 27 दिनों तक अस्त रहने के बाद गुरु के उदित होने से कुछ राशि के जातकों को बंपर लाभ मिल सकता है। जीवन में खुशियों की दस्तक होने के साथ-साथ धन लाभ हो सकता है।

जानिए किन राशियों का शुरू होगा गोल्ड़न समय

वृषभ – इस राशि के जातको को देवगुरु बृहस्पति का उदित होना बेहद शुभ फल देगा। इन लोगों को जबरदस्त आर्थिक लाभ होगा। धर्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जो परेशानियां चल रही हैं, वे समाप्त हो जाएंगी। सूर्य की कृपा

से रोग दोष खत्म होंगे। संतान इच्छुक दंपति को कोई खुशखबरी मिल सकती है।

सिंह – इस राशि के जातको का गुरु का उदय होना काफ़ी मंगल व शुभ परिणाम देखने को मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। जबरदस्त आर्थिक लाभ का योग बनेगा। नए व्यापार का भी आरंभ कर सकते हैं।घर मे पूजा पाठ हवन मांगलिक कार्य इत्यादि संपन्न हो सकता है। वैवाहिक जीवन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

कन्या – देव गुरु ब्रस्पति के उदय होने से इस राशि जातक के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। करियर में ग्रोथ होगा। नौकरी में प्रमोशन और वेतन वृद्धि का भी योग बन सकता है। रोजी रोजगार की तलाश पूरी हो सकती है। कोर्ट कचहरी के मामले में फैसला आपके पक्ष में होगा। आकस्मिक धन लाभ का योग बनेंगे। प्रॉपर्टी,जमीन या वाहन खरीदने का भी योग बन सकता है।

घर में अक्सर दिखती है लाल या काली चींटी? शुभ या अशुभ किस बात का देती हैं संकेत

अक्सर घरों में चीटियां निकलना आम बात होती है। हम में से अधिकतर लोग इन चींटियों को देखकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इनका मतलब बेहद खास होता है। हालांकि सीलन, गंदगी और खाने के सामान वाली जगहों पर भी चींटियां नजर आने लगती हैं। घर में लाल चींटी या काली चींटी का निकलना कई तरह के शुभ-अशुभ संकेत देता है। घर में चींटियों के निकलने की दिशा, उनका व्यवहार बताता है कि आपको धन लाभ होने वाला है धन हानि। इसके अलावा चींटियां का निकलना यह भी बताता है कि भविष्य में आपको करियर में नए मौके मिलने वाले हैं।

लाल चींटी दिखने का अर्थ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर घर में अचानक लाल चींटियां दिखाई देने लगे तो समझिए आर्थिक विपत्ति आने वाली है। कहीं कोई घाटा होने वाला है। अचानक कोई ऐसी जरूरत आने वाली है जिसके कारण आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। लाल चीटियां अनचाहे लोन का संकेत देती है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि चींटियां संकेत देती हैं।

काली चींटी दिखने का अर्थ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि घर में अचानक काले रंग की चींटियां दिखाई देने लगे तो यह एक शुभ संकेत है। आपके जीवन में कोई बदलाव होने वाला है। कोई ऐसा परिवर्तन जो आपके लिए लाभदायक होगा। जब आपको स्पष्ट रूप से समझ आ जाए कि काले रंग की चीटियों का आगमन जीवन में बदलाव के लिए ही हो रहा है तो उनके स्वागत में आटा डालना शुरू कर दे। आपके इष्ट देव को जब यह पता चल जाएगा कि आप तक संकेत पहुंच चुका है तो चीटियां अपने आप वापस लौट जाएंगी।

शास्त्रों के अनुसार, अगर चीटियां चावलों के भरे बर्तन में से निकलें तो यह आपके लिए शुभ है। ऐसा माना जाता है कि कुछ दिनों बाद ही धन वृद्धि का योग शुरू होने वाला है। इस स्थिति में व्यक्ति की आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

घर में जहां सोने की चीजें रखी हुई हैं, उस जगह से काली चींटियां निकले तो यह अत्यंत शुभ माना जाता है। इसका मतलब होता है कि स्वर्णादि धन की वृद्धि होने वाली है।अगर चींटियां छत से निकले तो इसका मतलब होता है कि शीघ्र ही धन, संपत्ति और भौतिक चीजों में इजाफा होने वाला है।

रसोईघर में यह तस्वीर लगाने से भरे रहेंगे अन्न के भंडार!

घर का किचन यानी रसोईघर न सिर्फ स्वाद का केंद्र होती है, बल्कि समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का भी मुख्य स्रोत मानी जाती है। भारत में किचन को गृह लक्ष्मी का स्थान दिया जाता है और यहीं से पूरे घर को ऊर्जा मिलती है। इसी वजह से वास्तु शास्त्र में घर के किचन का विशेष महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, किचन यानी रसोई का सही वास्तु परिवार में प्रेम, समझ और आर्थिक स्थिरता लाता है और धन धान्य की कभी कमी नहीं होती। लेकिन अगर आप घर में तोड़ फोड़ करवा पाने की स्थिति में नही हैं तो किचन में एक तस्वीर लगा दें, इससे आपके घर के भंडार भरे रहेंगे।

मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में किचन सबसे महत्वपूर्ण जगहों में से एक है। किचन की खूबसूरती और सौभाग्य का ध्यान रखते हुए किचन में एक अन्नपूर्णा मां की फोटो लगा लें। मां अन्नपूर्णा अन्न की अधिष्ठात्री देवी हैं, इनकी पूजा या चित्र लगाने से कभी अन्न की कमी नहीं होती है। साथ ही इस उपाय से घर में तिजोरी भी कभी खाली नहीं होती है और अन्न के भंडार सदैव भरे रहते हैं।

मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने के फायदे

हर घर की रसोई को मां अन्नपूर्णा की कृपा का स्थान माना गया है। यहां पकने वाला अन्न-संस्कार न सिर्फ पेट भरता है बल्कि जीवन में समृद्धि, स्वास्थ्य और सुख-शांति लाता है। कहा जाता है कि जहां मां अन्नपूर्णा का वास होता है, वहां भूख और गरीबी फटकती भी नहीं। किचन में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। तस्वीर में मां अन्नपूर्णा के हाथ में अन्न का पात्र हो, ये विशेष शुभ माना जाता है।

कई ग्रह दोष होते हैं दूर

मां की उपस्थिति किचन को सात्त्विक बनाती है। इससे जो भोजन पकाया जाता है, वह सिर्फ स्वादिष्ट नहीं बल्कि ओजसपूर्ण (ऊर्जादायक) होता है। अगर कुंडली में चंद्र, शुक्र या राहु संबंधी दोष हैं जो अन्न या भुखमरी से जुड़े होते हैं, तो उनकी शांति में

भी यह सहायता करती हैं। साथ ही मां अन्नपूर्णा को ज्ञान और वाणी की देवी भी कहा गया है। किचन में उनका चित्र नारी में सृजनात्मकता और संतुलन बढ़ाता है।

माँ अन्नपूर्णा के साक्ष्य

तीसरी और चौथी शताब्दी के दौरान लिखी गई देवी भागवत में अन्नपूर्णा को कांचीपुरम की देवी और विशालाक्षी को वाराणसी की देवी के रूप दर्शाया गया है।

7 वीं शताब्दी के दौरान लिखे गए स्कंद पुराण में कहा गया है, कि ऋषि व्यास एक श्राप के कारण वाराणसी आए थे, और अन्नपूर्णा ने उन्हें एक गृहिणी के रूप में भोजन कराया था। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर की कथा इस कहानी से जुड़ी है कि शिव ने उनके सम्मान में मंदिर का निर्माण किया था।

भारत के प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर

✻ अन्नपूर्णा को समर्पित सबसे प्रसिद्ध मंदिर अन्नपूर्णा देवी मंदिर वाराणसी, यूपी में है। अन्नपूर्णा काशी (वाराणसी) शहर की देवी हैं, जहाँ उन्हें वाराणसी की रानी के रूप में माना जाता है। मंदिर में प्रसाद के रूप में भोजन वितरित किया जाता है। नवरात्रि में भी बड़े पैमाने पर भोजन का वितरण किया जाता है।

✻ प्रसिद्ध मंदिर कर्नाटक के पश्चिमी घाट चीकामागालुरू में होरानडू में स्थित अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर है, जहां भक्तों को भोजन कराने के बाद दोपहर और शाम की प्रार्थना होती है।

✻ केरल के पुदुकोड शहर में, पुदुकोड अन्नपूर्णनेश्वरी मंदिर है, जहां नवरात्रि का भव्य उत्सव वार्षिक रूप से भव्य भोज के साथ आयोजित किया जाता है, जिसमें दुनिया भर के हजारों भक्तों की भीड़ होती है।

✻ अन्नपूर्णा देवी के मंदिर का निर्माण वातृप के पास, सद्गुरि के रास्ते में किया गया है। मंदिर आठ-तरफ से पिरामिड के आकार में है।

✻ तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के तिरुवदनई टाउन के पास अचंगुड़ी में अन्नकेश्वरी नाम के अन्नपूर्णी मंदिर का निर्माण चल रहा है और आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के पथिकोंडा में एक और मंदिर निर्माणाधीन है।

✻ हैदराबाद में, उसके मंदिर जाफ़रगुडा में पाए जाते हैं। उसके मंदिर जालंधर और पंजाब के भटिंडा में हैं।

✻ अन्नपूर्णा देवी मंदिर गुजरात में भी पाए जाते हैं। गुजरात के ऊंझा में उन्हें उमिया माता के रूप में पूजा जाता है। गुजरात और राजस्थान के कुछ लोग आशापुरा माता को अन्नपूर्णा माता का अवतार भी मानते हैं। राजस्थान में, उसके मंदिर झालावाड़ जिले के मिश्रोली गाँव, पाली जिले के कागदरा गाँव, चित्तौड़ किले में अन्नपूर्णा माता का एक मंदिर है। इसे महाराणा हमीर सिंह ने बनवाया था। किले में अन्नपूर्णा माता मंदिर के पास अन्य मंदिर हैं जो बाण माता, चारभुजा और लक्ष्मी-नारायण को समर्पित हैं।

✻ केरल के चेरुकुन्नम में श्री अन्नपूर्णनेश्वरी मंदिर है। उस मंदिर में पूजा करने वाले हर भक्त को भोजन कराया जाता है। परंपरा यह है कि रात में, हर एक को खिलाने के बाद, भोजन का एक पैकेट एक पेड़ की शाखा से बांधा जाता है, यह विचार किया जाता है कि रात में चोर को भी भोजन के बिना नहीं जाना चाहिए।

सावन में इन वास्तु उपायों से घर के मंदिर में करें छोटा सा बदलाव, बरसेगी भगवान भोलेनाथ की कृपा

सावन का महीना हिंदू धर्म में बेहद पवित्र और खास माना जाता है। यह महीना विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दौरान लाखों लोग व्रत रखते हैं, उपवास करते हैं और शिव जी की पूजा-अर्चना में जुट जाते हैं। कहा जाता है कि सावन में की गई भक्ति जल्दी फल देती है और भगवान शिव अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। इस पवित्र माह में अगर आप अपने घर के मंदिर में कुछ आसान वास्तु उपाय कर लें तो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। इससे न केवल परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, बल्कि पूरे साल आर्थिक और मानसिक समृद्धि भी बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जब घर का मंदिर सही दिशा में, सही तरीके से और पूरी श्रद्धा के साथ सजाया जाता है तो वहां से निकलने वाली ऊर्जा पूरे घर को लाभ पहुंचाती है।

घर का मंदिर ईशान कोण में होना चाहिए

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे पवित्र दिशा माना गया है। कहा जाता है कि इसी दिशा में देवताओं का वास होता है। इसलिए अगर आपके घर का मंदिर इस दिशा में है या आप सावन के महीने में अपने मंदिर को इस दिशा में शिफ्ट कर सकते हैं तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। जब आप इस दिशा में बैठकर पूजा-पाठ करते हैं तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और नकारात्मकता दूर रहती है। साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है।

आम के पत्तों का तोरण सजाएं

सावन हरियाली का महीना माना जाता है। ऐसे में अगर आप अपने घर के मंदिर के दरवाजे पर आम के हरे पत्तों का तोरण लगाएं तो यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। वास्तु के अनुसार आम के पत्तों में प्राकृतिक ऊर्जा भरी होती है जो आपके मंदिर और घर के माहौल को शुद्ध बनाए रखती है। आप इसमें पीले फूल भी जोड़ सकते हैं जिससे यह और सुंदर दिखेगा और शुभता बढ़ेगी।

शिवलिंग की स्थापना करें

अगर आपके घर के मंदिर में अभी तक शिवलिंग नहीं है तो सावन का महीना उसकी स्थापना के लिए सबसे अच्छा समय है। आप पारद शिवलिंग या किसी भी शुभ धातु का छोटा शिवलिंग अपने मंदिर में स्थापित कर सकते हैं। ध्यान रखें कि शिवलिंग को सीधे जमीन पर न रखें बल्कि एक चौकी या आसन पर रखें। रोजाना शिवलिंग को जल से स्नान कराएं, बेलपत्र अर्पित करें और चंदन का तिलक लगाएं। इससे भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं।

मूर्तियों की सही दिशा

आपके घर के मंदिर में भगवान की मूर्तियां या चित्र पूर्व या पश्चिम की ओर मुख करके रखे जाने चाहिए। इससे पूजा करते समय आपका मुख पूर्व या पश्चिम की ओर होता है जो बेहद शुभ माना जाता है। कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पूजा नहीं करनी चाहिए। विशेषकर सावन में भगवान शिव की मूर्ति बीच में रखें और उनके साथ माता पार्वती का भी पूजन करें। ध्यान रखें कि मूर्ति थोड़ी ऊंचाई पर यानी चौकी पर होनी चाहिए, सीधा फर्श पर नहीं।

मंदिर का दरवाजा

अगर आपके घर के मंदिर में दरवाजे लगे हैं तो वो लकड़ी के होने चाहिए। इनके डिजाइन में थोड़ी बहुत हवा-पानी के लिए जगह होनी चाहिए यानी वेंटिलेशन बना रहना चाहिए। दरवाजे बाहर की ओर खुलने चाहिए जिससे सकारात्मक ऊर्जा आसानी से भीतर प्रवेश कर सके।

साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान

मंदिर की नियमित सफाई बेहद जरूरी है। धूल-मिट्टी, बिखरे हुए फूल या टूटे हुए दीपक नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। इसलिए रोज मंदिर को साफ करें और अगर संभव हो तो धूप-दीप भी जलाएं। इससे वातावरण शुद्ध होता है और भगवान की कृपा भी बनी रहती है। अगर आप सावन के महीने में इन आसान वास्तु उपायों को अपनाकर पूरे श्रद्धा और नियम से भगवान शिव की पूजा करें तो आपके घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहेगी। भोलेनाथ का आशीर्वाद पूरे साल आपके परिवार पर बरसेगा और जीवन में खुशहाली आएगी।

अब्बा डब्बा जब्बा से पिंकी बुआ तक, उपासना सिंह ने हर किरदार में बिखेरा हंसी का जादू

अब्बा डब्बा जब्बा का जादू हो या 'पिंकी बुआ' की हाजिरजवाबी, उपासना सिंह ने अपने अभिनय और कॉमिक टाइमिंग से हर किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। 29 जून को उपासना का 50वां जन्मदिन है। उनकी जिंदगी की कहानी भी उतनी ही खूबसूरत और प्रेरणादायक है, जितने उनके किरदार। पंजाब के छोटे से शहर से निकलकर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वाली उपासना की कहानी किसी स्क्रिप्ट से कम नहीं।

पंजाब के होशियारपुर में 29 जून 1975 को जन्मीं उपासना सिंह का बचपन सादगी और सपनों से भरा था। मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी उपासना को बचपन से ही अभिनय का शौक था। महज सात साल की उम्र में वह स्कूल की ओर से दूरदर्शन पर कार्यक्रम प्रस्तुत करती थीं। यह वह दौर था जब उपासना का सपना डॉक्टर बनने का था, लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनय की दुनिया में पहुंचा दिया। पंजाब यूनिवर्सिटी से ड्रामेटिक आर्ट्स में मास्टर्स की डिग्री हासिल करने वाली उपासना ने पढ़ाई के दौरान ही एक्टिंग की शुरुआत कर दी थी। उपासना ने 1986 में राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'बाबुल' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की। हालांकि, असली पहचान उन्हें साल 1988 में राजस्थानी फिल्म 'बाई चली सासरिए' से मिली, जो उस दौर की सबसे सफल राजस्थानी फिल्मों में से एक थी। यह फिल्म 100 दिनों तक सिनेमाघरों में चली और उपासना की अभिनय प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले गई। इसके बाद उन्होंने पंजाबी, गुजराती, भोजपुरी और हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी।

'जुदाई' (1997) में उनके 'अब्बा डब्बा जब्बा' डायलॉग ने उन्हें मशहूर कर दिया। इस फिल्म में उपासना की कमाल की कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया।

उपासना ने करीब 70 से अधिक हिंदी फिल्मों और 40 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों के साथ ही पंजाबी, गुजराती और राजस्थानी सिनेमा में भी काम किया है। 'लोफर', 'हंगामा', 'हलचल', 'एतराज' और 'जुड़वा 2' जैसी फिल्मों में उनके छोटे लेकिन प्रभावशाली किरदारों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

वहीं, पंजाबी सिनेमा में 'जट्ट एंड जूलियट' और 'डिस्को सिंह' जैसी फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने उन्हें क्षेत्रीय सिनेमा में भी लोकप्रिय बनाया। साल 2024 में उपासना ने 14 साल बाद भोजपुरी सिनेमा में 'सास सरकार बहू चौकीदार' से वापसी की, जिसमें वह एक सशक्त सास के किरदार में थीं। उपासना सिंह एक ऐसा नाम है, जो न केवल फिल्म बल्कि टीवी की दुनिया में भी सफल रहीं। फिर 'द कपिल शर्मा शो' में 'पिंकी बुआ' के किरदार की बात हो या 'सोनपरी' की 'काली परी' की। 'पिंकी बुआ' की हाजिरजवाबी और पंजाबी अंदाज में अंग्रेजी बोलने की शैली ने दर्शकों को खूब हंसाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि उपासना 'टीवी की बुआ' के नाम से मशहूर हो गईं। इसके अलावा, स्टार प्लस के बच्चों के पसंदीदा शो 'सोनपरी' में 'काली परी' के नकारात्मक किरदार ने भी उन्हें खूब सुर्खियां दिलाईं। शैतान से जन्मी, अंधेरों में पली, कहते हैं सब मुझको काली परी यह डायलॉग आज भी बच्चों के जेहन में ताजा है। इसके अलावा, 'मायका', 'राजा की आएगी बारात', 'बानी-इश्क दा कलमा' और 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' के साथ 'जीजा जी छत पर हैं' जैसे सीरियल्स में भी उनकी एक्टिंग को सराहा गया।

उपासना सिंह की सबसे बड़ी खासियत उनकी कॉमिक टाइमिंग है। चाहे वह 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में 'पिंकी बुआ' का किरदार हो या 'गैंग्स ऑफ फिल्मिस्तान' में स्टैंड-अप कॉमेडी, उन्होंने हर बार दर्शकों को हंसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी पंजाबी और अंग्रेजी मिश्रित डायलॉग डिलीवरी दर्शकों को खूब पसंद आती है।

उपासना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह श्रीदेवी की फैन हैं और 'जुदाई' में काम करने के लिए उन्होंने खुद निर्देशक राज कंवर से संपर्क किया था। उपासना की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में रही। साल 2009 में उन्होंने टीवी अभिनेता नीरज भारद्वाज से शादी की, जिनके साथ उन्होंने सीरियल 'ऐ-दिल-ए-नादान' में काम किया था। हालांकि, दोनों तलाक की अर्जी दाखिल करने के साथ ही एक-दूसरे से अलग हो गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उपासना पति के पास वापस लौट चुकी हैं। उनका एक बेटा है, जिसका नाम उन्होंने नानक सिंह रखा है। 50 साल की उम्र में भी उपासना सिंह की ऊर्जा और जुनून में कोई कमी नहीं है। हाल ही में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'बाई जी कुट्टन गै' का निर्देशन किया, जिसके लिए वह मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू के खिलाफ कानूनी विवाद में भी उलझीं। उपासना ने हरनाज पर फिल्म के प्रमोशन के लिए समय नहीं देने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं : सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने आईएएनएस से बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! जब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर दबंग अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें।

उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है।

सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी।

इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।

बता दें, अभिनेत्री साल 2012 में रिलीज फिल्म सन ऑफ सरदार में थी। साथ ही फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थीं। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगू फिल्म मर्यादा रमन्ना की रीमेक थी। अब इसके सीक्वल में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी।

वर्कफ्रंट की बात करें, तो सोनाक्षी की फिल्म निकिता रॉय 18 जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है। जिसमें उनके साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर नजर आएंगे। साथ ही फिल्म में उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं।

अभिनेता सयाजी शिंदे ने लगाए 75 नए पौधे

हिंदी के साथ ही मराठी और साउथ की कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे एक्टर सयाजी शिंदे पर्यावरण संरक्षण को अक्सर बढ़ावा देते दिखते हैं। शनिवार को उन्होंने 75 नए पौधे लगाए और बताया कि उनका लक्ष्य 10 हजार पौधों को लगाने का है।एक्टर सयाजी शिंदे ने समाचार एजेंसी बताया कि वह हरियाली और पर्यावरण को लेकर काम करते रहते हैं, इससे उन्हें सुकून मिलता है।

उन्होंने बताया, पिछली बार हमने बीड जिले के पल्लवन में पौधे लगाए थे और रामगढ़ में भी पौधे लगाए, जो काफी सफल रहे। इस खुशी में हमने 75 नए पौधे लगाए। अभी रामगढ़ में भी लगभग 10 हजार पौधे लगाने बाकी हैं, हमारा लक्ष्य 10 हजार पौधे लगाने का है।

सयाजी शिंदे कुछ वर्षों से पौधरोपण अभियान को लेकर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उनके एनजीओ ने कई पौधे लगाए हैं। महाराष्ट्र के सतारा जिले के साखरवाड़ी नामक एक छोटे से गांव में जन्मे सयाजी अपने गांव में भी 10 हजार से ज्यादा पौधे लगा चुके हैं।

सयाजी शिंदे ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत मराठी थिएटर से की। उन्होंने 1978 में नाटक में काम शुरू किया और 'जुल्वा' (1987), 'वन रूम किचन' (1989) और 'आमच्या या घरात' (1991) जैसे नाटकों में भी काम किया। इसके बाद वह मराठी सिनेमा में नजर आए। उनकी प्रतिभा को हिंदी सिनेमा में पहचान तब मिली, जब अभिनेता मनोज बाजपेयी ने उनका नाम राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'शूल' (1999) के लिए सुझाया। सयाजी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी सफल रहे, जहां उनकी तमिल फिल्म 'भारती' (2000) सफल रही, जिसमें उन्होंने प्रसिद्ध तमिल कवि 'सुब्रमण्यम भारती' की भूमिका निभाई। इस किरदार ने उन्हें खूब सराहना दिलाई। इसके बाद वह बॉलीवुड में 'सरकार राज' (2008) और 'संजू' (2018) जैसी फिल्मों में नजर आए। सयाजी ने अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाईं, जिसमें खलनायक, सहायक भूमिका के साथ कॉमेडी रोल भी शामिल हैं।

बिहार में फिल्म शूट करना चाहती हैं मल्लिका शेरावत, बोलीं- मैं रवि किशन की फैन

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत शुक्रवार को पहली बार बिहार की राजधानी पटना पहुंचीं, जहां उन्होंने न केवल लिट्टी-चोखा खाने की इच्छा जताई, बल्कि कहा कि वह रवि किशन की फैन हैं और मौका मिलने पर बिहार में फिल्म बनाएंगी। मल्लिका शेरावत ने बताया, मैं पहली बार बिहार आई हूं और यहां पर मुझे हर जगह एक्सप्लोर करना है। यहां की फेमस डिश लिट्टी-चोखा के साथ कचौड़ी खानी है। मेरी इच्छा है कि सड़क के किनारे जो मिलता है, वही खाऊं, मैंने सुना है, वो टेस्टी होता है।

राज्य में हुए विकास को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, बिहार काफी डेवलप हो चुका है। मैं एयरपोर्ट देखकर बहुत ही खुश और हैरान हूं कि इतना अच्छा एयरपोर्ट बना है। सड़कें और यहां के विकास को देखकर खुश हूं। कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकीं मल्लिका ने बताया कि वह अभिनेता रवि किशन की प्रशंसक हैं और उनके साथ काम भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, मुझे बिहार और यहां के कलाकार काफी पसंद हैं। मैं रवि किशन की फैन हूं और मौका मिला तो जरूर फिल्म बनाना चाहूंगी। मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया।मल्लिका शेरावत कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिनमें 'मर्डर', 'ख्वाहिशें', 'बचकर रहना रे बाबा', 'डर्टी पॉलिटिक्स', 'वेलकम', 'प्यार के साइड इफेक्ट्स', 'डबल धमाल', 'जीनत' जैसी फिल्में शामिल हैं।वह कई हॉलीवुड फिल्म 'द मिथ', 'पॉलिटिक्स ऑफ लव' और 'टाइम रेडर्स' में भी काम कर चुकी हैं।हाल ही में मल्लिका शेरावत, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए मल्लिका ने लंबे समय के बाद कमबैक किया था।

इलियाना डिक्रूज ने दूसरे बेटे की तस्वीर शेयर कर बताया नाम भी, फिल्मी हस्तियों ने दी बधाई

दूसरी बार मां बनी इलियाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दूसरे बेटे की पैदाइश की जानकारी दी। एक मोनोक्रोम पिक्चर के साथ बेटे का नाम भी बताया। प्रशंसकों और फिल्म जगत के कई सितारों ने उन्हें बधाई दी।अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था, मिलिए नन्हे 'कीयनू राफे डोलन' से। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हम बेहद खुश हैं।इलियाना को दूसरी बार मां बनने की बधाई देते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट सेक्शन में लिखा, बधाई हो, सुंदरी, जिसके बाद अथिया ने लिखा, मुबारक हो, आई लव यू। वहीं, विद्या बालन ने कमेंट किया, बधाई हो और भगवान आप सभी का भला करे।

मलाइका अरोड़ा ने कमेंट सेक्शन में बधाई हो के साथ दो हार्ट इमोजी शेयर किए। सोफी चौधरी ने लिखा, बधाई हो डार्लिंग, आपको और बच्चे को मेरी तरफ से ढेर सारा प्यार। अभिनेत्री ने इस साल फरवरी में एक खास इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी। इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में पॉपकॉर्न स्नैक्स और एंटासिड चू के पैकेट की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, बिना मुझसे कहे कि आप प्रेग्नेंट हैं, मुझे बताएं कि आप प्रेग्नेंट हैं। इलियाना डिक्रूज की एक रील सामने आई थी, जिसमें उनके पति माइकल डोलन और बेटे कोआ फीनिक्स डोलन दिख रहे थे।

एक्ट्रेस ने माइकल से साल 2023 में गुपचुप तरीके से शादी की थी। अप्रैल 2023 में उन्होंने अपनी पहली प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जल्द आ रहा है। तुमसे मिलने का इंतजार नहीं हो रहा, मेरे प्यारे बच्चे। इसके बाद अगस्त 2023 में, उन्होंने अपने बेटे की पहली तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कोआ फीनिक्स डोलन का परिचय जन्म 1 अगस्त 2023... बयां नहीं कर सकते कि हम अपने प्यारे बेटे से कितना प्यार करते हैं। हमारा दिल खुशी से भर गया है।

इलियाना ने हिंदी के अलावा तेलुगू और तमिल सिनेमा में काम किया है। उन्होंने 2006 में तेलुगू फिल्म 'देवदासू' से डेब्यू किया था, जिसके लिए उन्हें साउथ में फिल्मफेयर का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला था। उन्होंने 2012 में अनुराग बसु की 'बर्फी' में काम किया, जिसमें रणबीर कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री खूब सराही गई।

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का 42 की उम्र में निधन

कांटा लगा गर्ल शेफाली जरीवाला की अचानक मौत ने बॉलीवुड को गहरा सदमा दिया है। देर रात शेफाली जरीवाला की मौत की खबर आई, जिसका कारण कार्डियक अटैक बताया जा रहा है। हालांकि जिस तरह मुंबई पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की है, उससे मामला संदेहास्पद लग रहा है। शेफाली के घर काम करने वाले कुक और मेड से भी पूछताछ की गई है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह मुंबई पुलिस और फॉरेंसिक टीम शेफाली के घर पहुंची। ये टीमें घर के अंदर मौजूद हैं और जांच की जा रही है। घर में परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद हैं, जिनसे पूछताछ हुई है। शेफाली की मेड और कुक को रात में ही अंबोली पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई।

शुरुआती रिपोर्ट में आया है कि शेफाली की मौत कार्डियक अटैक के चलते हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के पीछे की वजह साफ होगी। अभी तक परिवार की तरफ से कार्डियक अटैक से ही मौत बताई गई है, लेकिन मुंबई पुलिस अपनी प्राथमिक जांच कर रही है।

बिल्डिंग वॉचमैन शत्रुघ्न महतो के मुताबिक, उसने शेफाली को नहीं देखा था। उनकी कार निकली थी, तब उसने गेट खोल दिया, लेकिन शेफाली की मौत को लेकर कोई जानकारी नहीं थी। वॉचमैन ने कहा, मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है। मुझे रात करीब 1 बजे पता चला, जब एक आदमी ने मुझे बताया कि शेफाली की मौत हो गई है। शेफाली को उनके पति और अभिनेता पराग त्यागी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अंधेरी के हॉस्पिटल में उन्हें एडमिट कराया गया। शेफाली का मुंबई के कूपर अस्पताल में पोस्टमार्टम चल रहा है।

अभी तक शेफाली की मौत की परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच पुलिस और फॉरेंसिक टीमों की मौजूदगी से मामले को संदिग्ध माना जा रहा है।

अभिनेत्री शेफाली का 42 साल की उम्र में निधन हुआ है। शेफाली जरीवाला 'कांटा लगा' गाने से फेमस हुई थीं और उन्होंने बिग बॉस 13 में अपनी भूमिका निभाई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। आज आप–को अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 09:17 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 06:35 तक
योग : वज्र सायं 05:58 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:17 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 06:35 तक
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , विनायक चतुर्थी व्रत ,
भद्रा प्रातः 09:15 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युवा मॉक पार्लियामेंट नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला : सैनी

चंडीगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह लोकतंत्र का उत्सव और नीति–निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से देश को यह स्पष्ट संदेश दें कि लोकतंत्र की रक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज गुरुग्राम में आयोजित युवा मॉक पार्लियामेंट में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट केवल एक शैक्षणिक अभ्यास भर नहीं है, बल्कि आज के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में भी याद करते हुए, आपातकाल के उस काले अध्याय पर विमर्श करने का अवसर है, जिसने लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने का दुस्साहस किया था। गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है, बल्कि लोकतंत्र की एक सशक्त प्रयोगशाला के रूप में इसकी भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि गुरु द्रोण की इस पावन भूमि और मिलेनियम सिटी के रूप में प्रसिद्ध गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया है। आज का यह आयोजन इस शहर की पहचान को और अधिक सशक्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे आप जैसे ऊर्जावान युवाओं को देखते हैं, तो विकसित भारत और विकसित हरियाणा का संकल्प और भी सुदृढ़ हो जाता है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल की यह पीढ़ी ही वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर करेगी। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवा मॉक पार्लियामेंट मील का पत्थर साहिब होगी। संसद में गूंजने वाला हर शब्द और बनने वाला हर कानून देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को करता है प्रभावित

नायब सिंह सैनी ने युवाओं से कहा कि वे संसद को केवल एक इमारत के रूप में न देखें बल्कि उसे 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं के केंद्र के रूप में समझें। संसद में गूंजने वाला हर शब्द और बनने वाला हर कानून देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है। इस युवा मॉक पार्लियामेंट का उद्देश्य केवल संसदीय प्रक्रियाओं की नकल भर करना नहीं है बल्कि उस भावना को आत्मसात करना है जो भारतीय लोकतंत्र को विशिष्ट बनाती है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को प्रेरित किया कि वे किसी भी विषय पर बोलते समय गहन अध्ययन करें और तथ्यों व आंकड़ों के आधार पर अपनी बात रखें। जब वे सरकार की किसी नीति का समर्थन करें, तो उसके पीछे की सोच और उसके दूरगामी परिणामों को अवश्य समझाएं। उन्होंने कहा कि विरोध करना लोकतंत्र का अधिकार है लेकिन केवल विरोध के लिए विरोध नहीं बल्कि समाधान और विकल्प के साथ रचनात्मक आलोचना ही लोकतंत्र की असली ताकत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए न कि अवरोध।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत वह देश नहीं रहा जो दुनिया से मदद मांगता था बल्कि अब भारत वैश्विक समस्याओं के समाधान में भागीदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि रक्षा, डिजिटल, स्टार्टअप, टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर मिशन जैसे क्षेत्रों में भारत अब वैश्विक मंच पर अग्रणी स्थान प्राप्त कर रहा है। युवा संकल्प लेकर एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक मजबूत करें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे युवा मॉक पार्लियामेंट से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में चार महत्वपूर्ण संकल्प अपनाएं। वे देश के किसी भी एक ज्वलंत मुद्दे पर गहन अध्ययन करें और उसके समाधान के लिए समाज में जागरूकता फैलाएं। अपने जीवन में किसी भी प्रकार के शॉर्टकट को न अपनाएं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारें और एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक मजबूत करें।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को केवल आपातकाल कहना उस दौर की क्रूरता को कम करके आंकना होगा। असल में वह अन्याय काल था, जब संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आम नागरिकों के अधिकारों का बेरहमी से दमन किया गया। जब कोई चुना हुआ प्रतिनिधि तानाशाही की राह पर चल पड़ता है और सत्ता के मद में संविधान तक की अवमानना करता है, तब लोकतंत्र पर जो कुठाराघात होता है, उसका सबसे बड़ा उदाहरण आपातकाल है। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, विधायक मुकेश शर्मा, तेजपाल तंवर, विमला चौधरी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार ने किया सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन

सेवानिवृत्त मुख्य सचिव संजीव कौशल होंगे अध्यक्ष

चंडीगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य, पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) और शहरी स्थानीय निकायों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण की समीक्षा और सिफारिश करने के लिए सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन किया है। हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव संजीव कौशल को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि आईएएस अधिकारी अंशज सिंह इसके सदस्य सचिव होंगे। अन्य सदस्यों की नियुक्ति बाद में की जाएगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। आयोग राज्य सरकार और जिला परिषदों, पंचायत समितियों तथा ग्राम पंचायतों के बीच करों, शुल्कों, उपकरों और टैक्सों की शुद्ध आय के वितरण के लिए सिद्धांतों की सिफारिश करेगा। साथ ही, यह भी बताएगा कि किन करों और शुल्कों को पंचायती राज संस्थाओं को सौंपा या उनके द्वारा संग्रहित किया जा सकता है। इसके अलावा, आयोग राज्य के कंसोलिडेटेड फंड से पीआरआई को दिए जाने वाले अनुदानों और उनकी वित्तीय स्थिति को सुधारने के उपायों पर भी सिफारिश करेगा।

इसी तरह, आयोग शहरी स्थानीय निकायों के बारे में भी सुझाव देगा, जिसमें नगरपालिकाओं और राज्य सरकार के बीच करों और शुल्कों का वितरण, नगरपालिकाओं को सौंपे जाने योग्य करों की पहचान करना, उन्हें मिलने वाले अनुदान और उनके वित्तीय सशक्तिकरण के लिए आवश्यक उपाय करना शामिल है। सातवां राज्य वित्त आयोग 31 मार्च, 2026 तक हरियाणा के राज्यपाल को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपेगा। यह रिपोर्ट वर्ष 2026–27 से 2030–31 तक पांच वर्ष की अवधि को कवर करेगी और स्थानीय शासन की वित्तीय रूपरेखा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार 28 जून, 2025 को राजभवन में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय पी.वी. नरसिम्हा राव को उनकी जयंती के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राज्यपाल ने उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।श्री दत्तात्रेय ने कहा कि स्व. श्री पी.वी. नरसिम्हा राव के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत को आर्थिक उदारीकरण के युग में प्रवेश कराया। उनकी नीतियों ने देश को वैश्विक बाजार संचालित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय श्री पीवी नरसिम्हा राव, जिन्होंने तत्कालीन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया, का नेतृत्व अर्थशास्त्र से परे था। उन्होंने महत्वपूर्ण चुनौतियों के दौर में भारत के राजनीतिक परिदृश्य को भी संभाला।

खड़े कैंटर में घुसी कार, तीन महिलाओं समेत चार की मौत

दौसा, 28 जून (एजेंसियां)। जयपुर–आगरा एनएच–21 पर कलेक्ट्रेट चौराहे के पास आरटीओ ऑफिस के सामने शुक्रवार देर रातखड़े कैंटर में पीछे से कार जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन महिलाओं सहित 4 की मौत हो गई। कार में सवार लोग मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे। परिवहन दल ने वसूली के लिए सड़क किनारे कैंटर को रोक रखा था, जिससे हादसा हो गया। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और कार कैंटर में फंस गई। सूचना मिलने पर डीएसपी रविप्रकाश शर्मा और कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। कार को कैंटर से अलग कर शवों को आधे घंटे बाद निकाला जा सका। कार में फंसे हताहतों को काफी मशक्कत के बाद निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया।

एसीबी अधिकारी पर ही एसीबी का शिकंजा

जयपुर में 48.85 लाख की नकदी, शराब और संदिग्ध दस्तावेज बरामद

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान चला रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। इस बार जाल में कोई सामान्य अधिकारी नहीं, बल्कि खुद एसीबी चौकी झालावाड़ में पदस्थापित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा फंसे हैं। उनके पास से कुल 48.85 लाख रुपए की नकदी, अवैध रूप से संग्रहित विदेशी शराब की 85 बोतलें और संभावित रूप से कालेधन से खरीदी गई चल–अचल संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। गोपनीय निगरानी के बाद जाल में फंसे एएसपी एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि ब्यूरो की जयपुर इकाई को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा झालावाड़ में पदस्थ होने के बावजूद वहां तैनात विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से हर माह अवैध सुविधा शुल्क और मासिक वसूली करता रहा है। इतना ही नहीं, उन्हें भ्रष्टाचार करने की मौन स्वीकृति और संरक्षण देने का भी आरोप है।

न अस्थियाँ बहाईं, न पाँव में पहनी चप्पल

तीन साल से इंतजार कर रहा कन्हैया लाल का बेटा, अब तक नहीं मिला न्याय

उदयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। उदयपुर में 25 जून 2025 को हुए चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड को तीन साल बीतने वाले हैं। लेकिन अब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिल सका है। 28 जून 2022 को हुए इस हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। कन्हैयालाल तेली पेशे से दर्जी थे। उनकी दुकान पर दिनदहाड़े गला रेतकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। कन्हैयालाल के बड़े बेटे यश तेली पिता के निधन के तीन साल बाद आज भी न्याय और इंसाफ की उम्मीद लिए बैठे हुए हैं। पिता की हत्या के बाद यश ने तीन प्रण लिये थे। इसी प्रण के तहत उन्होंने अब तक न पिता की अस्थियों का विसर्जन किया है। न ही अपने बाल कटवाए हैं और न ही पैरों में चप्पल पहनी है।बीते तीन साल से यश बिना जूते–चप्पल के नंगे पैर रहते हैं। यश का कहना है कि जब तक पिता के हत्यारों को फाँसी की सजा नहीं मिल जाती। वह अपना कोई भी प्रण नही तोड़ेंगे।क्या था मामला?28 जून 2022 को उदयपुर के हथीपोल क्षेत्र में कन्हैयालाल की सिलाई की दुकान पर आरोपित मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ग्राहक बनकर आए थे।

कन्हैयालाल जब उनकी नाप ले रहे थे उसी समय दोनों ने उन पर पर धारदार हथियार से हमला किया और उनकी हत्या कर दी।इतना ही नहीं, इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। वायरल वीडियो में दोनों आरोपितों ने हत्या करने की बात भी स्वीकार की थी। हत्या करने के पीछे दोनों ने कन्हैयालाल द्वारा इस्लाम का अपमान करने का हवाला दिया था।दरअसल कन्हैयालाल ने पूर्व बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान का समर्थन करने वाली पोस्ट शेयर की थी। दोनों ने इसे ही हत्या का कारण बताया। मनबढ़ हत्यारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी धमकी दी थी। इस घटना के बाद उदयपुर में इंटरनेट सेवा सस्पेंड कर कर्फ्यू लगा दिया गया था।

मामले में अब तक क्या–क्या हुआ? बेटे यश ने नेताओं पर लगाया झूठे वादे करने का आरोपघटना के बाद राजस्थान पुलिस ने रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद को राजसमंद जिले से गिरफ्तार कर लिया था। बाद में 29 जून 2022 को राष्ट्रीय जाँच एजेंसी ने मामले की जाँच शुरू की।एजेंसी ने इसे आतंकी घटना करार देते हुए गैरकानूनी गतिविधियाँ (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। और मुख्य आरोपितों सहित कुल 9 आरोपितों को गिरफ्तार किया। इन आरोपितों में मोहम्मद जावेद, फरहाद मोहम्मद, मोहसिन,आसिफ, मोहम्मद मोहसिन, वसीम अली और मुस्लिम मोहम्मद शामिल रहे। वहीं दो अन्य आरोपितों में पाकिस्तान के कराची के रहने वाले सलमान और अबू इब्राहिम आज भी फरार हैं।गिरफ्तार हुए 9 आरोपितों में से दो आरोपितों को राष्ट्रीय जाँच एजेंसी की विशेष अदालत ने जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि आरोपित फरहाद मोहम्मद उर्फ बबला को जमानत इसलिए दी गई, क्योंकि उस पर केवल आर्म्स एक्ट के तहत मामला था और कोई हथियार बरामद नहीं हुआ था। वहीं, 5 सितंबर 2024 को राजस्थान हाईकोर्ट ने मोहम्मद जावेद को जमानत दी, क्योंकि राष्ट्रीय जाँच एजेंसी उसकी लोकेशन या उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सकी।कन्हैयालाल के बड़े बेटे यश का कहना है कि अभी तक इस मामले को फास्ट ट्रैक में नहीं लिया गया है। 6 महीने से कोई पेशी भी नहीं हुई है। उनका कहना है कि घटना के बाद राजनेताओं ने बड़े–बड़े वादे किए थे और आरोपितों को फाँसी की सजा दिलाने का भरोसा दिया था। लेकिन आज भी आरोपितों को सजा नहीं मिल पाई है और वे न्याय के इंतजार में बैठे हुए हैं।

राजस्थान सतत विकास के लक्ष्यों की वेबसाइट 2.0 की मुख्यमंत्री आज करेंगे लॉन्चिंग

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। सांख्यिकी दिवस के अवसर पर रविवार सवेरे 11 बजे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा शिरकत करेंगे। सांख्यिकी विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव विनेश सिंघवी ने बताया कि सांख्यिकी दिवस की इस वर्ष की थीम '75ींह ूशरी`ष छर– ींळेपरश्र डराश्रिश डींींशू' रखी गई है। समारोह में विभाग द्वारा राज्य की महत्वपूर्ण सांख्यिकी के संदर्भ में प्रकाशित किये जाने वाले वार्षिक प्रकाशन स्टेटिस्टिकल ईयर बुक –2025', राजस्थान सतत विकास के लक्ष्यों पर रिपोर्ट –2025' का विमोचन तथा सतत विकास के लक्ष्यों पर वेबसाइट –2.0 को लॉन्च किया जाएगा।

समारोह में सांख्यिकी सेवा के राज्य स्तरीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी, राजस्थान विश्वविद्यालय के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर्स, विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि व सांख्यिकी के क्षेत्र से जुडे विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया जाएगा। इस अवसर पर राज्य में सांख्यिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रो. पी.सी. महालनोबिस राज्य स्तरीय सांख्यिकी अवार्ड से भी सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में आयोजित होने वाली कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा इस वर्ष की थीम व अन्य संबंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिये जायेंगे। इसके अलावा राज्य के सभी जिलों में भी जिला आर्थिक एवं सांख्यिकी कार्यालयों द्वारा जिला स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि प्रो. प्रशांत चन्द्र महालनोबिस द्वारा सांख्यिकी के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के उपलक्ष्य में उनके जन्म दिवस 29 जून को प्रतिवर्ष सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय जलक्षेत्र में अवैध प्रवेश के लिए तीन लोगों को दोषी पाया गया

80,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
तमिलनाडु के तीन मछुआरे, जिन्हें भारतीय जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए ओमानी जहाज पर पकड़ा गया था, को दोषी पाया गया और उन पर जुर्माना लगाया गया। 24 फरवरी, 2025 को, एक नियमित समुद्री गश्त के दौरान, मेंगलूरु तटरक्षक बल के मुख्य अधिकारी सुखविंदर सिंह और उनकी टीम ने ओमान से एक नाव देखी, जिसमें तीन व्यक्ति बिना अनुमति के भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर रहे थे।

इसके बाद एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई और मालपे तटीय सुरक्षा पुलिस स्टेशन के निरीक्षक लोकेश ए सी ने मामला दर्ज किया।

आरोपी - भारतीय नागरिक जेम्स फ्रैंकलिन, रॉबिनस्टन और टिरोस उर्फ डिरोज - मछली पकड़ने से संबंधित रोजगार के लिए ओमान गए थे। हालांकि, वित्तीय कठिनाइयों और अवैतनिक वेतन का सामना करने के कारण वे कथित तौर पर फंस गए थे। जांच में पता चला कि उनके ओमानी नियोक्ता अब्दुल्ला, नाव के मालिक ने उनके पासपोर्ट कथित तौर पर रोक लिए थे, जबकि वे बार-बार उनके लौटने का अनुरोध कर रहे थे। कानूनी रूप से भारत लौटने में असमर्थ, तीनों ने वैध पासपोर्ट या परमिट के बिना भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश किया।

पीएसआई शिवशंकर के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में मालपे तटीय सुरक्षा पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की गई। 33 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच में विदेशी नागरिक आदेश, 1950 की धारा 6(ए) और विदेशी नागरिक अधिनियम, 1981 की धारा 14 के तहत उल्लंघन की पुष्टि हुई। प्रिंसिपल सीनियर सिविल जज और सीजेएम की अदालत में सुनवाई के बाद तीनों को दोषी पाया गया। अदालत ने आरोपी 1 और 2 पर 10-10 हजार रुपये और आरोपी 3 पर 60 हजार रुपये यानी कुल 80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

सरकार को कर हानि पहुंचाने के आरोप में मेंगलूरु में तीन आरटीओ अधिकारी निलंबित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु में परिवहन आयुक्त कार्यालय के तीन अधिकारियों को वाहन पंजीकरण विवरण में कथित रूप से फेरबदल करने और कर देयता को कम करने के लिए एक महंगी कार का मूल्य कम करके दिखाने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है, जिससे राज्य के खजाने को वित्तीय नुकसान हुआ है।

निलंबित किए गए लोगों में केंद्रीय कार्यालय सहायक सरस्वती, अधीक्षक रेखा नाइक और प्रथम श्रेणी सहायक नीलप्पा के एच शामिल हैं, जो सभी मेंगलूरु परिवहन आयुक्त कार्यालय के अधीन काम करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी, 2017 को बेंगलूरु में इलेक्ट्रॉनिक सिटी आरटीओ कार्यालय द्वारा निहाल अहमद के नाम से मर्सिडीज-बेंज एएमजी जी63 के लिए एक अस्थायी पंजीकरण शुरू में 1,96,95,000 रुपये के चालान मूल्य के साथ जारी किया गया था। हालांकि, 24 दिसंबर, 2024 को, मेंगलूरु आरटीओ कार्यालय में वाहन के पंजीकरण विवरण में कथित रूप से फेरबदल किया गया, जिसमें इसका बिक्री मूल्य 32,15,000 रुपये के रूप में गलत तरीके से दर्ज किया गया - एक महत्वपूर्ण कम मूल्यांकन। इस कथित हेराफेरी के परिणामस्वरूप, कम कर एकत्र किया गया, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ। परिवहन आयुक्त योगीश ए एम द्वारा जारी निलंबन आदेश के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। उनके निलंबन के बाद, नीलप्पा के एच के पद का ग्रहणाधिकार शिवमोग्गा, रेखा नाइक का चिक्कमगलूरु और सरस्वती का बेंगलूरु (उत्तर) कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त परिवहन आयुक्त (प्रशासन), बेंगलूरु द्वारा मेंगलूरु आरटीओ का दौरा करने और वाहन के अस्थायी पंजीकरण विवरण के संबंध में निरीक्षण करने के बाद की गई। निष्कर्षों के आधार पर, एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिससे वर्तमान अनुशासनात्मक उपाय किए गए।

सीएम नीतीश के गढ़ में बोले प्रशांत किशोर

अब वोट बदलाव के लिए न कि नेताओं के नाम पर

पटना (एजेंसियां)।
जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शनिवार को नालंदा जिले के एकंगरसराय में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ एनडीए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को अब नेताओं के नाम पर नहीं, बल्कि अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट देना चाहिए।

प्रशांत किशोर की 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत नालंदा और नवादा का यह एक दिवसीय दौरा रहा। जिले में प्रवेश करते ही ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत हुआ। फूल-मालाओं से लदे उनके काफिले के पीछे गाड़ियों की लंबी कतार देखने को मिली। श्री सुखदेव हाई स्कूल मैदान में आयोजित जनसभा में हजारों की भीड़ उमड़ी, जहां स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वे पिछले तीन वर्षों से गांव-गांव घूम रहे हैं और आज भी बिहार में बच्चों के पास पहनने को कपड़े और पैरों में चप्पल नहीं है। उन्होंने डबल इंजन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं को जनता के बच्चों की कोई चिंता नहीं है, इसलिए अब लोगों को खुद जागरूक होना होगा।

प्रशांत किशोर ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि 'लालू जी का बेटा 9वीं पास नहीं है, फिर भी वे उसे राजा बनाना चाहते हैं, जबकि बिहार के पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही।' उन्होंने कहा, 'इस बार वोट लालू, नीतीश या मोदी के नाम पर नहीं, अपने बच्चों के भविष्य के लिए दीजिए।'

सभा में फैक्ट्री और औद्योगीकरण के मुद्दे को उठाते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जब वोट बिहार से मिलते हैं, तो फैक्ट्री भी बिहार में लगनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि 'फैक्ट्री गुजरात में लगनी चाहिए या बिहार में?' तो उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में कहा - 'बिहार में।

सभा के अंत में प्रशांत किशोर ने जनता से सीधा सवाल किया कि क्या वे एक बार फिर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, या अब उन्हें 'बाय-बाय' कहना चाहिए? हजारों की भीड़ ने हाथ उठाकर नीतीश कुमार को बाय-बाय कहने की हामी भरी।

उन्होंने यहां तक कहा कि 'अगर इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नीतीश कुमार के लिए वोट मांगें, तो भी उन्हें वोट मत दीजिए।'

एमएम हिल्स में बाघों की मौत के मामले में तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
माले महादेश्वर हिल्स वन्यजीव अभयारण्य में पांच बाघों की मौत की चल रही जांच में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, वन अधिकारियों ने मामले में सीधे तौर पर शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कोप्पा गांव के कोनप्पा, मदराजा और नागराज के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, पांच लोगों को हिरासत में लिया गया और उनसे पूछताछ की गई, जिसके बाद पता चला कि तीनों बाघों को जहर देने में सीधे तौर पर शामिल थे। तीनों आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 और भारतीय वन अधिनियम, 1969 की संबंधित धाराओं के तहत

गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग तीनों को क्षेत्राधिकार मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करेगा और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू करेगा। इस बीच, वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि पशु चिकित्सकों द्वारा एकत्र किए गए शव के विसरा को इस्तेमाल किए गए जहर की स्वतंत्र पुष्टि के लिए बेंगलूरु और मैसूरु में फोरेंसिक प्रयोगशालाओं में भेजा गया है, जबकि नमूने का एक सेट मैसूरु चिड़ियाघर में भंडारण के लिए भेजा गया है, ताकि भविष्य में विश्लेषण के लिए इसकी आवश्यकता हो। तीनों की गिरफ्तारी वन विभाग को शुक्रवार शाम को मिली एक महत्वपूर्ण सुराग के बाद हुई, जिसके बाद चार लोगों से पूछताछ की गई और इसके बाद बाघ को जहर देने में शामिल लोगों की गिरफ्तारी हुई। सूत्रों ने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने उस गाय के मालिक की पहचान करने में मदद की, जिसे बाघ ने मारा था। उनकी गिरफ्तारी को इस मामले में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसने संरक्षण हलकों में आक्रोश पैदा कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच जारी रहेगी, जबकि राज्य सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति संबंधित प्रणालीगत मुद्दों जैसे अपर्याप्त गश्त, कर्मचारियों की कमी और क्षेत्र की निगरानी में अंतराल, संसाधनों की कमी, यदि कोई हो, तो क्या घटना को रोका जा सकता था आदि पर विचार करेगी।

मंत्री ने अपर कृष्णा चरण 3 के पुनर्वास में देरी को लेकर सरकार की निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आबकारी मंत्री आर.बी. थिम्मापुर, जो बागलकोट जिले के प्रभारी भी हैं, ने अलमाटी बांध में डूबी जमीन वाले किसानों के उचित पुनर्वास में देरी पर चिंता व्यक्त की है। मुधोल में एक बैठक में उन्होंने कहा कि उन्हें सरकारी मशीनरी अक्षम लगी। मैं कर्नाटक सरकार से यू.के.पी. तीसरे चरण के लिए पुनर्वास प्रयासों में तेजी लाने का आग्रह कर रहा हूं।

लेकिन छह महीने से अधिक की देरी हो चुकी है। सीएम और डिप्टी सीएम ने मुझे दिसंबर 2024 में आश्वासन दिया था कि काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। यह अभी तक शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से काम को प्राथमिकता पर लेने की अपील करेंगे।

लालू के सामाजिक न्याय मॉडल पर सम्राट चौधरी का हमला

15 साल सत्ता में रहकर भी नहीं किया विकास

पटना (एजेंसियां)।
सम्राट चौधरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि लालू यादव का 'सामाजिक न्याय' का मॉडल असल में परिवारवाद को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, 'पहले खुद मुख्यमंत्री बने, फिर पत्नी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया, अब बेटे-बेटी को आगे लाने की कोशिश में लगे हैं। यही है लालू जी का सामाजिक न्याय। लेकिन बिहार के विकास के लिए उनके पास कोई स्पष्ट योजना या मॉडल नहीं रहा।'

डिप्टी सीएम ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को बिहार को आगे ले जाने का एक बड़ा मौका मिला था, लेकिन उन्होंने उस अवसर को गंवा दिया। ङ्गराबड़ी देवी 8 वर्षों तक सिर्फ एक रबर स्टांप की तरह मुख्यमंत्री बनी रहीं। उस दौरान भी विकास की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई,ङ्ग उन्होंने कहा।

सम्राट चौधरी सहित एनडीए नेताओं का दावा है कि लालू यादव के शासनकाल में बिहार की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप रही। वर्ष 2001 से 2005 के बीच राज्य की औसत जीडीपी वृद्धि दर मात्र 2.9% रही। उन्होंने चारा घोटाले का जिक्र करते हुए राजद

सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार, कुशासन और प्रशासनिक अराजकता के आरोप लगाए।

सम्राट चौधरी ने दावा किया कि यदि लालू यादव ने 1995 में उन्हें और उनके 22 पारिवारिक सदस्यों को जेल नहीं भेजा होता, तो वे राजनीति में नहीं आते। 'मेरे ऊपर झूठे हत्या के मुकदमे लगाए गए। मैंने तो मच्छर भी नहीं मारा था। तीन साल तक केस लड़ा और तब जाकर राजनीति में आया,' उन्होंने कहा।

चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को विकास की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ाया है। ङ्गबिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का प्रभाव स्थायी है। जब मैं उनके खिलाफ था तो विरोध किया, आज जब साथ हूं तो पूरी ताकत से समर्थन कर रहा हूं।

भाजपा और एनडीए के अन्य नेताओं ने राजद के शासनकाल को 'जंगलराज' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि उस दौर में कानून-व्यवस्था चरमरा गई थी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल थीं, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव था। साथ ही, अपहरण, जातीय हिंसा और संगठित अपराध चरम पर थे, जिससे लाखों लोगों को पलायन करना पड़ा।

वहीं, राजद और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों का कहना है कि आज भी बिहार में गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। विपक्ष का दावा है कि जनता इस बार बदलाव के मूड में है और आगामी विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन को समर्थन मिलेगा।

नित्यानंद राय ने साधा निशाना

पॉकेट में संविधान लेकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं राहुल गांधी

दरभंगा (एजेंसियां)।
दरभंगा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर दरभंगा पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नित्यानंद राय ने अलीनगर विधानसभा क्षेत्र के पाली गांव में आयोजित संगोष्ठी सह जनसभा को संबोधित किया, जो आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की गई थी।

कार्यक्रम के दौरान गृहराज्य मंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल और लालू प्रसाद यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू यादव की बेटी मीसा भारती के नाम पर ही कुख्यात 'मीसा' कानून बना था। उन्होंने मीसा भारती को अपनी बहन बताते हुए उनसे अपील की कि वह अपने पिता को याद दिलाएं कि उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुए आंदोलन में हिस्सा लिया था और आपातकाल के खिलाफ संघर्ष किया था।

गृहराज्य मंत्री ने कहा, 'आज वही लालू यादव कांग्रेस की गोद में जाकर बैठे हैं, जो कभी संविधान की हत्या करने वाली पार्टी थी। मुझे विश्वास है कि मीसा भारती इस ऐतिहासिक सच्चाई को जरूर याद दिलाएंगी।'

राहुल गांधी पर हमला करते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि जो लोग पॉकेट में संविधान रखकर घूमते हैं, वे जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने इसे नाटक करार देते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान की भावना को ठेस पहुंचाई है।

वहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, 'मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले संसद की सीढ़ियों पर सिर झुकाया और संविधान को माथे से लगाया। यही प्रमाण है कि संविधान उनके हृदय में है।' उल्लेखनीय है कि देशभर में भारतीय जनता पार्टी आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ को 'काले अध्याय' के रूप में याद कर रही है और इस सिलसिले में जनसभाओं का आयोजन कर रही है। दरभंगा के पाली गांव में आयोजित इसी तरह की एक संगोष्ठी में केंद्रीय मंत्री ने शिरकत कर कांग्रेस की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया।

मानव तस्करी का भंडाफोड़ महिला समेत पांच लोग गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। पटना पुलिस ने मानव तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए युवती समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना हैकि ये लोग भोली भाली युवती को बहलाते फुसलाते थे और फिर शादी का झांसा देकर अन्य राज्यों में बेच देते थे। इन मानव तस्करों की गिरफ्तारी दानापुर से हुई है। इस बात की जानकारी देते हुए पटना एसएसपी डॉ कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि ये लोग महिलाओं को डेढ़ से दो लाख में बेचते थे। एसएसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुछ मानव तस्कर लड़की को बेचने जा रहे हैं।सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और थाना अध्यक्ष दानापुर प्रशांत भारद्वाज के नेतृव में टीम गठित की गयी। पटना पुलिस ने राजस्थान ले जा रही युवती समेत पांच तस्करों को दबोचा लिया। दानापुर थाने की पुलिस रोहतास के दिनारा पहुंचकर छापेमारी की जहां से पांच धंधेबाजों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में महिला समेत दिनारा के आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल के संचालक अजय कुमार साह भी शामिल हैं।. पटना पुलिस गिरफ्तार चार लोगों की निशानदेही पर गिरोह के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com